राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 227 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,09 फरवरी 2021 , मूल्य रु. 1.50

बचाव कार्य में सेना, वायुसेना, एनडीआरएफ, आईटीबीपी और एसडीआरएफ की टीमें

उत्तराखंड बचाव कार्यों में तेजी, 19 शव मिले, 202 अब भी लापता

देहरादून ■ एजेंसी

उत्तराखंड के चमोली में रविवार को ग्लेशियर टूटने से बड़ा हादसा हो गया। अबतक के राहत और बचाव कार्य के दौरान चमोली जिला पुलिस ने अब तक 19 शव मिलने की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि अभी भी 202 से अधिक लोग लापता हैं। रात में भी बचाव कार्य जारी रहा। नुकसान का आकलन जारी है।

सुबह तड़के चार बजे से एक बार फिर बचाव कार्य शुरू हो गया है। सुरंगों के पास से मलबा हटाया जा रहा है। माना जा रहा है कि इनमें काफी लोग फंसे हुए हैं। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए राज्य और केंद्र सरकार ने मुआवजे की घोषणा की है। राज्य सरकार चार और केंद्र सरकार दो लाख रुपए की सहयोग राशि देगी। सेना, वायुसेना, एनडीआरएफ, आईटीबीपी और एसडीआरएफ की टीमें स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर राहत और बचाव का कार्य कर रहे हैं। वैश्विक नेताओं ने घटना पर गहरा दुख जताया है। वहीं संयुक्त राष्ट्र ने आवश्यकता होने पर मदद करने की पेशकश की है।

बंद नहीं होगा कोई भी प्रोजेक्ट: ऊर्जा मंत्री

देहरादून, (एजेंसी)। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने सोमवार को तपोवन क्षेत्र में ग्लेशियर टूटने से हुए नुकसान के आंकलन को क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने साफ किया कि किसी भी स्थिति में प्रोजेक्ट को बंद नहीं किया जाएगा। पहले मलबा साफ होगा। साढ़े तीन हजार करोड़ के इस प्रोजेक्ट को करीब 1500 करोड़ का नुकसान पहुंचा है।केंद्रीय मंत्री ने नुकसान वाले क्षेत्रों का दौरा किया। आस पास के प्रभावितों से बात की। उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। स्थानीय प्रशासन से भी नुकसान की जानकारी ली। घटना के कारणों और नुकसान की जानकारी एनटीपीसी के अफसरों से ली। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस प्रोजेक्ट को 2023 में कमीशन होना था। इसका 80 प्रतिशत पूरा हो चुका था। इस घटना से करीब 1500 करोड़ का नुकसान पहुंचा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तपोवन विष्णुप्रयाग हाइड्रो पॉवर प्रोजेक्ट का यदि बैराज न होता, तो नुकसान बहुत ज्यादा होता। इस बैराज के कारण पानी का बहाव काफी कम हुआ। जिससे आगे नुकसान नहीं हुआ।

इसरो के वैज्ञानिकों ने बताई असली वजह

ग्लेशियर टूटने से नहीं बल्कि इस वजह से आई आपदा

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड में चमोली के रैणी गांव में आई आपदा को लेकर इसरो के वैज्ञानिकों ने अहम जानकारी दी है। अभी तक माना जा रहा था कि ग्लेशियर टूटने से आपदा आई है। लेकिन अब सेटेलाइट से ली गई तस्वीरों से वैज्ञानिकों ने आपदा की असली वजह साफ की है। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि क्षेत्र में ग्लेशियर नहीं टूटा बल्कि भारी मात्रा में बर्फ पिघलने से आपदा आई है। सोमवार को हुई बैठक में इसरो के वैज्ञानिकों ने सेटेलाइट से ली गई तस्वीरों से साफ किया कि यह आपदा ग्लेशियर टूटने से नहीं आई। तापमान बढ़ने से बर्फ पिघली और यह हादसा हो गया। तस्वीरों के माध्यम से प्रारंभिक रूप से ये ही जानकारी सामने आई है। अभी अध्ययन किया जा रहा है जिससे ज्यादा जानकारी सामने आ सके।

किसानों के लिए दरवाजे खुले हैं : प्रधानमंत्री मोदी

किसानों से आंदोलन खत्म करने का आग्रह किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलनरत किसानों से अपना आंदोलन समाप्त कर कृषि सुधारों को एक मौका देने का आग्रह करते हुए कहा कि यह समय खेती को 'खुशहाल' बनाने का है और देश को इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

- आंदोलन के फंड में एफडीआई का फंडा
- हमें आगे बढ़ना चाहिए, देश को पीछे नहीं ले जाना चाहिए

राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर पेश धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश में सुधार होते हैं तो उसका विरोध होता है। उन्होंने कहा कि जब देश में हरित क्रांति आई थी उस समय भी कृषि क्षेत्र में किए गए सुधारों का विरोध हुआ था। उन्होंने कहा कि हम आंदोलन से जुड़े लोगों से लगातार प्रार्थना करते हैं कि आंदोलन करना आपका हक है, लेकिन बुजुर्ग भी वहां बैठे हैं। उनको ले जाइए, आंदोलन खत्म करिए। यह, खेती को खुशहाल बनाने के लिए फैसले लेने का समय है और इस समय को हमें नहीं गंवाना चाहिए। हमें आगे बढ़ना चाहिए, देश को पीछे नहीं ले जाना चाहिए। मोदी ने आंदोलनरत किसानों के साथ विपक्षी दलों से भी आग्रह किया कि इन कृषि सुधारों को मौका देना चाहिए। उन्होंने कहा, कि हमें एक बार देखना चाहिए कि कृषि सुधारों से बदलाव होता है कि नहीं। कोई कमी हो तो हम उसे ठीक करेंगे, कोई ढिलाई हो तो उसे कसेंगे।

नई 'एफडीआई' से बचना होगा

प्रधानमंत्री मोदी ने टूलकिट के बहाने देश को नई एफडीआई से बचने को कहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन में कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद गुलाम नबी आजाद पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि गुलाम नबी जी ने कई मसलों पर सरकार की प्रशंसा की, लेकिन मुझे डर है कि उनकी पार्टी इसे जी–23 के संबंध में ना ले ले।

आंदोलनजीवी और परजीवी से बचे देश

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ सालों में एक नई जमात सामने आई है, जो आंदोलनजीवियों की है। वकीलों का आंदोलन हो, छात्रों का आंदोलन हो, ये सब जगह पहुंच जाते हैं। देश को इन आंदोलनजीवियों से बचाने की जरूरत है। ये आंदोलनजीवी ही परजीवी हैं।

एमएसपी है, एसएसपी था और एमएसपी रहेगा

प्रधानमंत्री ने किसानों को भरोसा दिलाया कि मंडियां और अधिक आधुनिक बनेंगी और इसके लिए इस बार के बजट में व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) है, एसएसपी था और एमएसपी रहेगा।

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट नाराज, दी जुर्माने की चेतावनी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उत्तर प्रदेश में कथित तौर पर संवैधानिक तंत्र ध्वस्त होने और बढ़ते अपराध का हवाला देकर वहां राष्ट्रपति शासन लागू करने का आग्रह किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता-अधिवक्ता पर जुर्माना लगाने की चेतावनी दी और उनसे अन्य राज्यों के अपराध के रिकॉर्ड पर शोध से जुड़े सवाल पूछे। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमण्यम की पीठ ने याचिकाकर्ता-अधिवक्ता सीआर जया सुकिन को बताया कि वह जो दावे कर रहे हैं उसके संदर्भ में कोई शोध नहीं है और पूछा कि उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन कैसे हो रहा है। एनसीआरबी और एनएचआरसी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने शोध किया है और उत्तर प्रदेश में अपराध का ग्रॉफ बढ़ा है।

पीठ ने कहा, आप किस आधार पर यह कह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उनके द्वारा किये गए दावों के संदर्भ में कोई शोध नहीं किया गया। पीठ ने उनकी याचिका खारिज करते हुए कहा कि अगर आप और बहस करेंगे तो हम आप पर भारी जुर्माना लगाएंगे।

केंद्र ने राज्यसभा में खोला पाक का काला चिट्ठा

आतंकी घटनाओं के बारे में दी जानकारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग आज अनुच्छेद 370 को लागू करने की नहीं बल्कि विकास और रोजगार की मांग कर रहे हैं। यह बात पाकिस्तान को पसंद नहीं आ रही है। इसी कारण पड़ोसी देश ने घुसपैठ और संघर्षविराम समझौते के उल्लंघन के प्रयास बढ़ा दिए हैं।

2020 में पथराव, आतंकी घटनाओं में आई कमी

गृह राज्यमंत्री जी किशन रेड्डी ने राज्यसभा में जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक पर हुई चर्चा के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि 2019 की तुलना में 2020 में जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ के प्रयास, पथराव और आतंकवाद की घटनाओं में कमी आयी, जबकि राज्य में मारे गये आतंकवादियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की जनता अनुच्छेद 370 की मांग नहीं बल्कि विकास की मांग कर रही है। जनता मांग कर रही है कि नौजवानों को रोजगार मिले।

रेड्डी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विकास की राह पर चले, इसे रोकने के लिए पाकिस्तान ने घुसपैठ और संघर्ष विराम उल्लंघन के प्रयास बढ़ा दिए हैं। उन्होंने कहा कि 2019 में पाकिस्तान द्वारा 216 बार घुसपैठ के प्रयास किए गए जो 2020 में घटकर 99 रह गए। इसी प्रकार 2019 में आतंकवाद की घटनाओं में 127 लोग घायल हुए जिनकी संख्या 2020 में 71 थी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 2019 में 157 आतंकवादी मारे गये थे जिनकी संख्या 2020 में 221 थी।

लोकतंत्र को मजबूत बनाना सभी दलों की जिम्मेदारी : राजनाथ

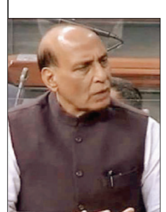

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के सदस्यों से सदन की कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से चलने देने का आग्रह करते हुए कहा है कि हमारा लोकतंत्र मजबूत है और इसको स्वस्थ बनाए रखने की जिम्मेदारी सभी दलों के नेताओं की है। हमारे संविधान ने देश के लोकतंत्र को मजबूत करने की व्यवस्था है। लोकतंत्र स्वस्थ और मजबूत बना रहे इसके लिए पहले से परंपराएं चली आ रही हैं। हर बार आम चुनाव के बाद राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हैं और नये साल पर भी इसी तरह की परंपरा का निर्वहन किया जाता रहा है। संसद की कार्यवाही शुरू होती है तो साल की शुरुआत में राष्ट्रपति दोनों सदनों को संबोधित करते हैं उसी परंपरा का निर्वहन किया गया।

खालिस्तानी आतंकी जगदेव सिंह जग्गा लखनऊ में गिरफ्तार

लखनऊ, (एजेंसी)। पंजाब और यूपी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में खालिस्तानी आतंकी जगदेव सिंह जग्गा को गिरफ्तार किया है। जग्गा पंजाब से लखीमपुर के रास्ते लखनऊ आ रहा था। पंजाब पुलिस और यूपी पुलिस ने सोमवार दोपहर उसे सचिवालय चैराहा सेक्टर सी जानकीपुरम से पकड़ लिया। वह राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के कई मामलों में वांछित था और पंजाब पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। जानकारी के मुताबिक खालिस्तानी आतंकी जगदेव सिंह जग्गा का एक साथी पंजाब में गिरफ्तार किया गया था। उससे पूछताछ में जानकारी मिली कि सुरक्षित ठिकाने की तलाश में जगदेव सिंह जग्गा लखनऊ जा रहा है। इस जानकारी के आधार पर अमृतसर स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल से इंस्पेक्टर इंद्रदीप सिंह ने नेतृत्व में 10 पुलिसकर्मियों की टीम

टीकाकरण के बारे में जागरूकता फैलाना इस अभियान का विषय है : जावड़ेकर

नई दिल्ली, (संवाददाता)। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने पुणे में कोविड-19 टीकाकरण और आत्मनिर्भर भारत पर मोबाइल जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के अंतर्गत 16 विशेष रूप से तैयार किए गये मल्टीमीडिया प्रदर्शनी वैन महाराष्ट्र के 36 जिलों में सूचना प्रसारित करेंगे। यह अभियान विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग की सहायता से प्रादेशिक लोक संपर्क ब्यूरो, पुणे द्वारा आयोजित किया जा रहा है। ये वैन एलईडी स्क्रीन के माध्यम से भी संदेश प्रदर्शित करेंगे और इनको जीपीएस के माध्यम से लाइव ट्रैक किया जाएगा।

मंत्री जावड़ेकर ने कहा पूरी दुनिया कोरोना से लड़ रही है। 130 करोड़ की आबादी के बावजूद भारत में करोना की वजह से लैटिन अमेरिका, यूरोप या अमेरिका की तुलना में कम हानि हुई है। जावड़ेकर ने कहा कि कोविड टीकाकरण शुरू होने के साथ, हमने जन -जागरूकता के नए चरण में प्रवेश किया है। भारत में वैक्सीन रोल आउट शुरू हो चुका है। जब से देश में कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम की शुरूआत हुई है, तब से 50 लाख से अधिक स्वास्थ्य कर्मियों और फ्रंटलाइन कार्यकताओं का टीकाकरण किया गया है। फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकताओं के बाद, 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को टीका लगाया जाएगा और उसके बाद पूरी आबादी का टीकाकरण किया जाएगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि मोबाइल प्रदर्शनी वैन हर दिन 80-100 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। गीत और नाटक प्रभाग के कलाकार लोक कार्यक्रमों के द्वारा जन- जन तक टीकाकरण योजना और कोविड के उचित व्यवहार के बारे में जानकारी पहुँचाने का प्रयास करेंगे । कोविड-19 महामारी को नियंत्रित करने में संचार की बड़ी भूमिका रही है।

पीएम मोदी के वक्तव्य को कांग्रेस ने राजनीतिक तकरीर करार दिया

नई दिल्ली, (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्यसभा में दिए भाषण को कांग्रेस ने गुमराह करने वाला बताया। पीएम के वक्तव्य देने के बाद सोमवार को कांग्रेस ने उन पर किसानों एवं देश के लोगों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने सिर्फ राजनीतिक तकरीर की, लेकिन समस्या के समाधान को लेकर कोई बात नहीं की। पार्टी के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री ने तीनों नए कृषि कानूनों को लेकर उठाए गए मुद्दों पर बात करने की बजाय, बिना तथ्य के बातें कर सदन को गुमराह करने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलनरत किसानों से अपना आंदोलन समाप्त कर कृषि सुधारों को एक मौका देने का आग्रह करते हुए कहा कि यह समय खेती को खुशहाल बनाने का है और देश को इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर पेश धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश में सुधार होते हैं, तो उसका विरोध होता है। उन्होंने कहा कि जब देश में हरित क्रांति आई थी उस समय भी कृषि क्षेत्र में किए गए सुधारों का विरोध हुआ था।

उनके वक्तव्य के बाद खड़गे ने संसद भवन के बाहर संवाददाताओं से कहा, हमारी अपेक्षा थी कि प्रधानमंत्री किसान आंदोलन और देश में मचे हल्ले को देखकर तीनों कानूनों को वापस लेने की बात करेंगे। वह फिर सभी संबंधित पक्षों से बातचीत करके तथा संसद को भरोसे में लेकर नए कानून की पहल की भी बात करेंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस और अन्य दलों के लोगों ने सदन में बताया कि इन कानूनों में क्या खामियां हैं, लेकिन प्रधानमंत्री ने इसे नजरअंदाज कर दिया। प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि लोग कानूनों को बिना पढ़े ही बातें कर रहे हैं। क्या हम लोग बिना पढ़े बोल रहे हैं

खड़गे ने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री के भाषण में कोई तथ्य नहीं था। वह सिर्फ राजनीतिक तकरीर करते हैं, इस बार भी वही करके चले गए। उन्होंने सदन को गुमराह किया। किसानों की समस्याओं को सुलझाने के लिए उन्होंने कोई बात नहीं की। पार्टी के राज्यसभा सदस्य शक्ति सिंह गोहिल ने दावा किया, दुख के साथ कहना पड़ता है कि जिस तरह से प्रधानमंत्री ने जवाब दिया है उससे देश के लोगों को शर्म आती है। क्या प्रधानमंत्री के पद पर बैठे व्यक्ति को संसद के भीतर मजाकिया बातें करनी चाहिए प्रधानमंत्री ने विश्वासघात किया है। वह कम से कम शहीद किसानों के लिए दो शब्द कह सकते थे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने चीन के बारे में एक भी शब्द नहीं बोला। गरीब और मजदूर की भी उन्होंने कोई बात नहीं की। उनके भाषण में देश को लेकर कोई चिंता नहीं थी, इसलिए हमने भाषण के बाद सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया था। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री के वक्तव्य के बाद हरियाणा और समूचे उत्तर भारत में निराशा है तथा अब लगता है कि किसानों को आगे लंबा संघर्ष करना पड़ेगा।

कार्यकाल खत्म होने पर राज्यसभा में केरल से चुनकर आ सकते हैं विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2015 में जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा के लिए चुने गए विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद का कार्यकाल 15 फरवरी को समाप्त हो रहा है। ऐसे में कांग्रेस के लिए राज्य सभा में नेता प्रतिपक्ष को चुनने के लिए माथापच्ची शुरू हो गई है।

माना जा रहा है कि पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम और पूर्व रेलमंत्री तथा लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता रहे मल्लिकार्जुन खड़गे नेता प्रतिपक्ष पद के प्रबल दावेदार हैं। हालांकि, राज्यसभा में कांग्रेस के उप-नेता आनंद शर्मा, कपिल सिब्बल जैसे दिग्गज भी हैं लेकिन सभी ने कभी न कभी पार्टी के कामकाज के रवैये को लेकर सवाल उठाए हैं।

बता दें कि जम्मू कश्मीर के बंटवारे और विधानसभा भंग होने के चलते आजाद का दोबारा चुना जाना संभव नहीं है। खबर है कि वे केरल से राज्यसभा के लिए चुनाव लड़ सकते हैं, जहां अप्रैल के महीने में तीन सीटें खाली होने वाली हैं।

केरल में कांग्रेस की अगुवाई वाली यूडीएफ के पास इतने वोट हैं कि वो आजाद को राज्यसभा में भेज सके। जिन तीन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है उनमें से एक दिग्गज कांग्रेसी नेता वायलार रवि और दूसरे अब्दुल वहाब हैं, जो इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग से हैं।

बता दें कि बीते साल केरल के कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल को राजस्थान से राज्यसभा में लाया गया था। ऐसे में संभव है कि आजाद भी केरल से राज्यसभा से आ सकते हैं।

किसान आंदोलन के बीच ट्विटर को सरकार का फरमान- हटाए जाएं 1178 पाकिस्तानी-खालिस्तानी अकाउंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद द्वारा पारित तीनों कृषि कानूनों को लेकर किसान संगठनों का प्रदर्शन ढाई महीने से अधिक समय से जारी है। सरकार के साथ उनकी कई दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन अभी तक कोई हल नहीं निकला है। हाल ही में गणतंत्र दिवस के दिन ट्रैक्टर परेड के दौरान लाल किले पर हिंसक प्रदर्शन देखने को मिला था। इसके बाद से दिल्ली पुलिस और सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है। सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक सतर्कता बरती जा रही है।

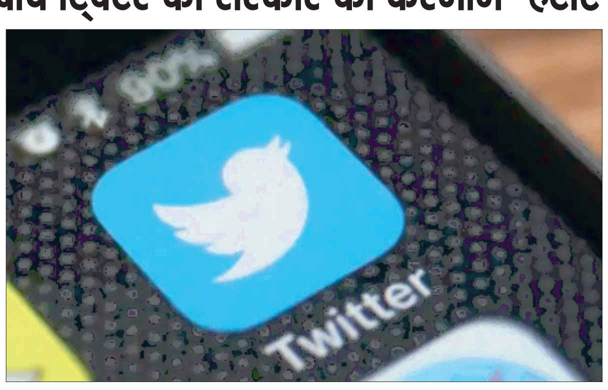

इस बीच न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि सरकार ने ट्विटर को किसानों के विरोध प्रदर्शन के बारे में गलत और भड़काऊ सूचना फैलाने वाले 1178 पाकिस्तानी-खालिस्तानी अकाउंट हटाने के लिए कहा है। आपको बता दें कि लाल किले हिंसा के बाद से इस आंदोलन को लेकर खालिस्तान का नाम काफी उठला है। हालांकि अभी तक सरकार की तरफ से इसको लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

आपको बता दें कि ये निर्देश कम से कम तीन दिन पहले ट्विटर को भेजे गए थे। मामले से परिचित अधिकारी ने कहा, जैसा कि 257 पहले ट्विटर अकाउंट चिह्नित किए गए थे, उसी तरीके से इनका भी चयन किया गया है। आईटी अधिनियम की धारा 69 (ए) के तहत निर्देश जारी किए गए हैं जो सरकार को ऐसे पोस्ट और अकाउंट के खिलाफ कार्रवाई करने की अनुमति देता है, जो देश के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।

आपको बता दें कि दिल्ली से सटी सीमाओं पर जहां-जहां किसान धरना दे रहे हैं, वहां से दिल्ली की तरफ आने वाली सड़कों को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। सड़कों को कटीले तारों और बैरिकेड्स की मदद से बंद कर दिया गया है। लगभग पांच लेयर के बैरिकेड्स लगाए गए हैं। दिल्ली पुलिस का कहना है कि गणतंत्र दिवस के दिन लाल किले पर हुई हिंसा के बात सतर्कता बढ़ा दी गई है।

पाकिस्तान में दो धमाके, दो की मौत

ब्लूचिस्तान। पाकिस्तान में दो धमाके हुए हैं। यह धमाके ब्लूचिस्तान प्रांत में हुए जिसमें दो लोगों की मौत हो गई है जबकि 28 लोग दोनों धमाकों में घायल हुए हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। ब्लूचिस्तान प्रांत के क्वेटा और सिबि में 'कश्मीर डे' पर रैली का आयोजन किया था जिसमें यह धमाका हुआ है।पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, क्वेटा और सिबि में कुछ ही घंटों के अंदर धमाके हुए हैं। पहले ब्लूचिस्तान के

सिबि और उसके बाद क्वेटा में बड़ा ब्लास्ट हुआ। इन दोनों धमाकों में जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। धमाके के बाद भगदड़ मच गई।

दो लोगों की मौत, कई घायल

सिबि मे हुए धमाके में 24 लोग घायल हुए हैं। सिबि के लुनी चौक पर मोटरसाइकिल में विस्फोटक रखा गया जिसमें धमाका हुआ। इस धमाके में दो बच्चे भी घायल हो गए। जबकि क्वेटा में इसकोंब रोड पर डीसी दफ्तर के करीब ब्लास्ट हुआ है। इस धमाके में दो लोगों की मौत हो गई, तो वहीं कई घायल हो गए हैं। क्वेटा के डिप्टी कमिशनरऔरंगजेब बादिनी ने बताया कि कश्मीर डे रैली निशाना बनाकर यह हमला किया गया है। उन्होंने बताया कि जब रैली वहां से गुजरी तभी ब्लास्ट हुआ। उन्होंने कहा कि विस्फोट में किसी चीज का इस्तेमाल किया गया है अभी तक उसका पता नहीं चल पाया है। सुरक्षाबलों ने धमाके के बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और जांच जारी है। सिबि पुलिस ने बताया कि मोटरसाइकिल में विस्फोट रखकर रैली में धमाका किया गया है। इस धमाके में दो बच्चों समेत 24 लोग घायल हो गए हैं जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। अभी किसी भी संगठन ने इम धमाकों की जिम्मेदारी नहीं ली है।

सर्जिकल स्ट्राइक में कई की मौत

इससे पहले कल पाकिस्तान में ईरान सर्जिकल स्ट्राइक की थी। ईरान ने ब्लूचिस्तान प्रांत में ही सर्जिकल स्ट्राइक की थी जिसमें आतंकियों के साथ कई पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई। इस सैनिकों की मौत आतंकियों को बचाने में हुई है।

गैस लाइन में रिसाव, कई की हालम नाजुक

जर्मनी। जर्मनी में एक बड़ा हादसा हो गया है यहां गैस रिसाव के कारण हुए हादसे में काफी संख्या में लोग घायल हुए हैं हालांकि कि हादसे की वजह अभी साफ़ नहीं हो पाई है। इस हादसे में 7 लोग घायल हो गए हैं। सभी लोगों का इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि यहां पर स्थित मेमिंगिन में गैस रिसाव होने के चलते यह हादसा हुआ।

सड़क के नीचे गैस लाइन में रिसाव

बात दें कि जर्मनी में गैस रिसाव होने से काफी संख्या में लोग घायल हो गए हैं। यहां पर स्थित मेमिंगिन में यह हादसा हुआ। जर्मनी में मशहूर पेपर डेली बाइल्ड ने बताया कि यह विस्फोट संभवत॰ सड़क के नीचे एक दोषपूर्ण गैस लाइन के कारण हुआ था, जहां इमारत स्थित थी।

हादसे की वजह साफ नहीं-पुलिस

वहीं पुलिस ने हादसे के पीछे के कारण पर अभी कोई भी कमेंट नहीं दिया है। यानी अभी तक इस हादसे की वजह साफ नहीं हो पाई है। फिलहाल सभी घायल लोगों का इलाज पास ही के अस्पताल में चल रहा है और हादसे की वजह का पता लगाया जा रहा है। डेली बाइल्ड के मुताबिक, यहां पर एक और विस्फोट हो सकता था। उधर, ऑग्सबर्गर ऑलगेमाइन अखबार ने बताया कि विस्फोटजर्मन रेड क्रॉस के कार्यालयों में हुआ। इस हादसे के बाद पुलिस ने इस क्षेत्र को खाली कर दिया। इस अखबार ने दावा किया है कि अभी तक इस हादसे में पांच लोग घायल हो गए।

फिलीपींस के मिंडानाओ में आया तीव्र भूकंप, 10 किलोमीटर के क्षेत्र में किया गया महसूस

मनीला। फिलीपींस के मिंडानाओ में भारी तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6 रही। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर ऑफ जियोसाइंसेज ने रविवार को यह जानकारी दी। जीएफजेड ने बताया कि भूकंप 10 किलोमीटर के क्षेत्र में महसूस किया गया है। राहत की बात यहा रही कि इन झटकों से किसी भी प्रकार के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं है। बता दें कि इससे पहले भी यहां पर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। हाल ही में भारत-नेपाल सीमा पर 4.0 की तीव्रता के साथ भूकंप महसूस किए गए थे।एनसीएस के मुताबिक, भूकंप सिक्किम में नेपाल-भारत सीमा के पास सुबह 3॰43 बजे आया था। फिलहाल भूकंप के कारण किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

इससे एक दिन पहले भी सिक्किम में युक्सोम के पास रिक्टर पैमाने पर 4.8 तीव्रता का भूकंप आया था। बीते दिन आए भूकंप में भी किसी प्रकार के कोई नुकसान की बात सामने नहीं आई थी।

कोरोना दुनिया में: एक महीने में मरीजों के मिलने की रफ्तार 50फीसदी कम हुई

लेकिन अमेरिका में अभी भी हर दिन 1 लाख से ज्यादा केस मिल रहे

वाशिंगटन। दुनिया में कोरोना मरीजों के मिलने की रफ्तार में करीब 50फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। 6 जनवरी को पूरी दुनिया में एक दिन के अंदर 8 लाख 45 हजार से ज्यादा मरीज मिले थे, जो 6 फरवरी को घटकर 4 लाख 95 हजार के करीब पहुंच गए। मौत की रफ्तार में भी 20फीसदी की गिरावट हुई है। जनवरी में हर दिन 15 हजार से ज्यादा मरीजों की मौत हो रही थी। अब 10 से 13 हजार मौतें हो रहीं हैं।

अमेरिका में अभी भी हर दिन 1 लाख से ज्यादा कोरोना के नए मरीज मिल रहे हैं। यहां 1 लाख 5 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित पाए गए। अच्छी बात ये है कि पहले के मुकाबले इसमें गिरावट हुई है। जनवरी तक हर दिन 1.50 लाख से 2.25 लाख तक नए केस मिल रहे थे।

दुनिया में अब तक 10.63 करोड़ केस

दुनिया में अब तक 10 करोड़ 63 लाख 29 हजार से ज्यादा लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 7 करोड़ 79 लाख 70 हजार से ज्यादा मरीज ठीक हो चुके हैं। 23 लाख 18 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। अभी 2 करोड़ 58 लाख मरीज ऐसे हैं जिनका इलाज चल रहा है। इनमें करीब 1 लाख की हालत गंभीर है।

वर्ल्ड कोरोना अपडेट्स

चीन की ड्रग रेगुलेटर अथॉरिटी ने देश में दूसरी कोरोना वैक्सीन के लिए सशर्त मंजूरी दे दी है। कोरोनावैक नाम की यह वैक्सीन सिनोवैक बायोटेक ने तैयार की है। कंपनी ने बताया कि कोरोनावैक को मास वैक्सीनेशन के लिए अप्रूवल मिल गया है। उधर, चीन ने नेपाल को मदद के तौर पर वैक्सीन के 5 लाख डोज देने का वादा किया है। इसकी पहली खेप जल्द ही भेजी जाएगी। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप ग्यावली से फोन पर कहा कि उनका देश वैक्सीन के मामले में नेपाल को तवज्जो देगा। इसी दौरान वांग ने नेपाल को वैक्सीन के 5 लाख डोज देने का भरोसा दिया। पहले काठमांडू में चीन की एम्बेसी की ओर से कहा गया था कि नेपाल को 3 लाख डोज दिए जाएंगे।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने ही कहा था कि चीन की 2 वैक्सीन इमरजेंसी यूज के लिए एडवांस स्टेज में हैं। अब तक WHO सिर्फ फाइजर की वैक्सीन को WHO की मंजूरी मिली है। ब्रिटेन की एस्ट्राजेनेका और साउथ कोरिया की एसके बायोसाइंस का भी आकलन किया जा रहा है।

WHO के मुताबिक, दुनिया में 238 वैक्सीन डेवलप की जा रही हैं। इनमें से 63 का कई देशों में क्लीनिकल ट्रायल चल रहा है। चीन में 16 वैक्सीन पर काम चल रहा है। ये ट्रायल के अलग-अलग फेज में हैं। चीन में अब तक 3.2 करोड़ से ज्यादा लोगों को टीका लगाया जा चुका है। चीन ने गरीब देशों को 1 करोड़ डोज देने की पेशकश की है, ताकि वहां समय से वैक्सीनेशन शुरू हो सके।

भारत ने अपने एक और करीबी देश कंबोडिया को 1 लाख डोज की सप्लाई के लिए मंजूरी दे दी है। इंडियन एम्बेसी ने शनिवार को कहा कि कंबोडिया भारत का अहम साझीदार है। हमें यहां के लोगों की सेहत की चिंता है।

लंबा जीने के लिए कवायद: अमेरिकी बिजनेसमैन ने शरीर से स्टेम सेल निकलवाकर दोबारा ट्रांसप्लांट करवाई, इससे 180 साल जीने का दावा

न्यूयॉर्क। अमेरिकी कारोबारी और न्यूयॉर्क टाइम्स के बेस्टसेलिंग राइटर डेव एस्प्रे ने अपने शरीर के बोन मैरो से स्टेम सेल निकलवाकर इन्हें फिर से ट्रांसप्लांट करवाया है। शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक को उल्टा घुमाने के लिए की गई बायोहैकिंग के पीछे उनकी इच्छा है कि वे 180 साल जिएं।

उनका दावा है कि यह तरीका भविष्य में मोबाइल फोन की तरह चलन में आ जाएगा। 47 साल के डेव 2153 तक जीना चाहते हैं। इसके लिए वे कोल्ड क्रायोथैरेपी चैंबर और खास तरीके से उपवास का तरीका भी अपना रहे हैं। डेव का मानना है कि यदि 40 से कम उम्र वाले इस तरीके को अपना लें तो 100 साल में भी वे खुश और खासे एक्टिव बने रह सकते हैं।

डेव अब तक ऐसी तकनीकों पर 7.4 करोड़ रुपए खर्च कर चुके हैं, ताकि शरीर के पूरे सिस्टम को बेहतर बना सकें। वे कहते हैं, 'मैंने खाने पर काबू कर, सोने का तरीका बदलकर और बुढ़ापा रोकने वाले तरीके अपनाकर खुद को इस तरह बना लिया है कि शरीर में कम से कम जलन (इन्फ्लेमेशन) हो।'

उम्र पर चल रही स्टडी

स्टेम सेल ट्रांसप्लांट करवाने के बारे में डेव ने बताया कि, 'जब हम जवान होते हैं, तो शरीर में करोड़ों स्टेम सेल होती हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, स्टेम सेल खत्म होने लगती हैं। इसलिए मैं इंटरमिटेंट फास्टिंग (अंतराल से भोजन और उपवास) अपनाता हूं। इसमें जब शरीर भोजन नहीं पचा रहा होता है, तो वह खुद की मरम्मत करता है।' डेव क्रायोथैरेपी पर भी भरोसा करते हैं।

क्रायोथैरेपी कोल्ड थेरेपी के नाम से जाना जाता है। यह शरीर के क्षतिग्रस्त ऊतकों (टिश्यू) का कम तापमान से इलाज करने की प्रोसेस है। दिलचस्प बात यह है कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक मार्क एलन स्टेम सेल से उम्र से जुड़ी जटिलताओं को कम करने के लिए कंपनी बनाकर काम शुरू कर चुके हैं। हार्वर्ड की ही स्टेम सेल एंड रिजनरेटिव बायोलॉजी की प्रो. एमी वैगर्स भी इस बारे में स्टडी कर रही हैं कि प्रोटीन किस तरह उम्र बदल देते हैं।

वजन घटाने में मददगार बुलेटप्रूफ कॉफी लॉन्च की

17 साल पहले तिब्बत में ट्रैकिंग करते हुए जब डेव की तबीयत बिगड़ी तो उन्हें याक के दूध की चाय पिलाई गई थी। इससे उन्हें नई ऊर्जा महसूस हुई। इसी आधार पर उन्होंने अमेरिका में बुलेटप्रूफ कॉफी लॉन्च की। यह एमसीटी तेल और मक्खन से बनाई जाती है। इसे सुबह पीने से वजन कम होता है।

डॉ. ट्रुडी डीकीन के मुताबिक, एक कप सामान्य कॉफी में 500 कैलोरी होती है। बुलेटप्रूफ कॉफी में कार्बोहाइड्रेट नहीं होता। यह इंसुलिन प्रतिक्रिया नहीं होने देती और मेटाबॉलिज्म बढ़ाती है। इसमें मौजूद तेल, वसा कम करने में मदद करता है।

तालिबानी हमले में 16 सैनिक की मौत

कुंदुज। अफगानिस्तान एक बार फिर से तालिबानी हमले से दहल गया। इस हमले में 16 सैनिक मारे गए हैं। यहां पर तालिबान ने सेना की चेक पोस्ट पर हमला कर दिया। यह घटना कुंदुज प्रांत के खान आबाद जिले में की है। इस हमले के बारे में बताते हुए स्थानीय प्रशासन के अधिकारी ने बताया कि यह हमला खान आबाद जिले के ताप ए अख्तर इलाके में किया गया है। इस हमले में 16 सैनिक मारे गए, जबकि दो जवानों को तालिबानी अपने साथ ले गए हैं।

आतंकियों की जारी है तलाश

उन्होंने बताया कि इलाके में सेना की एक यूनिट तैयार कर दी गई है और आतंकियों की तलाश की जा रही है। आपको बता दें कि अमेरिका की ट्रंप प्रशासन ने चुनाव हारने से पहले अफगानिस्तान से सैन्य वापसी के लिए मई डेडलाइन तय की थी। इसके लिए तालिबान से शांति समझौता भी किया गया था, लेकिन अब जो बाइडेन के सत्ता में आने के बाद प्रशासन ने समझौता रद्द कर दिया है। लेकिन अब अफगानिस्तान में आतंकी हमले बढ़ गए हैं।

आपको बता दें कि अफगानिस्तान में आए दिन धमाके होते रहते हैं। यहां पर सरकारी अधिकारियों, नागरिक संस्थाओं के नेताओं और पत्रकारों को निशाना बनाया जाता है। ये बात एक रिपोर्ट में सामने आई है। अमेरिका के एक निगरानी समूह ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि यहां तालिबानी हमले बढ़ गए हैं। जिनमें सरकारी अधिकारियों, नागरिक संस्थाओं के नेताओं और पत्रकारों को निशाना बनाया जा रहा है।

पिछली तिमाही के मुकाबले दुश्मनों के हमले बढ़े

अमेरिका की ये रिपोर्ट बाइडन प्रशासन के अमेरिका-तालिबान शांति समझौते पर पुनर्विचार की योजना के ऐलान के बाद सामने आई है। इस रिपोर्ट में अमेरिकी बलों के हवाले से कहा गया है कि काबुल में पिछली तिमाही के मुकाबले दुश्मनों के हमले काफी बढ़ गए हैं। बता दें कि इनमें उत्तरी बगलान और दक्षिणी उरुजगान प्रांत में दो दिन के अंदर हुए हमले भी शामिल हैं, जिसमें अफगान सुरक्षाबल के करीब 19 जवान मारे गए थे।

चीन में नई एजुकेशन गाइडलाइंस: हॉन्गकॉन्ग में 6 साल के बच्चों पर भी चीन की नजर, ताकि वे प्रदर्शन का हिस्सा न बनें

बीजिंग। आमतौर पर दुनिया में होने वाले प्रदर्शनों में बड़ी उम्र के लोग हिस्सा लेते हैं, लेकिन हॉन्गकॉन्ग में 2019 में सरकार और चीन विरोधी प्रदर्शनों में 6 साल तक के बच्चों ने हिस्सा लिया था। इसे लेकर चीनी सरकार ने हॉन्गकॉन्ग के बच्चों के दिमाग पर भी कब्जा करने की ठान ली है। दरअसल, चीनी प्रशासन ने अपने विशेष प्रशासनिक रीजन हॉन्गकॉन्ग में बच्चों को राष्ट्रवाद की शिक्षा देने के लिए नई एजुकेशन गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत चीनी नेता ऐसी शिक्षा पर जोर डाल रहे हैं, जिससे वे चीन के प्रति वफादार बनें। इसलिए 6 साल के बच्चों को सिखाया जा रहा है कि कैसे बाहरी ताकतों के प्रभाव को बढ़ने से रोकें और अपने देश को किसी दूसरे के अधीन न होने दें।

शिक्षक बच्चों को बताएंगे कि पुलिस और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी हॉन्गकॉन्ग के गार्जियन हैं। इसके साथ ही वे आतंकवाद और अलगाववाद जैसे मामलों के बारे

में भी बच्चों को जानकारी देंगे। मिडिल स्कूलों में छात्र सीखेंगे कि 4 मुख्य अपराध क्या हैं, जिन्हें करने पर व्यक्ति को उम्र भर जेल की सलाखों के पीछे रहना पड़ सकता है।

सरकार की ओर से एक कार्टून वीडियो भी रिलीज किया गया है। इसमें एक उल्लू एक ग्रैजुएशन की टोपी पहने हुए है, जो हॉन्गकॉन्ग के इंस्टीट्यूशन आर्किटेक्चर के बारे में बता रहा है। इसके साथ ही वह केंद्र सरकार और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के लिए कर्तव्यों के बारे में भी जानकारी दे रहा है। वीडियो के एक पॉइंट में कहा गया है कि देश के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों का बहुत महत्व है।

बोर्डो शहर में ब्लास्ट, पांच घायल

बोर्डो। फ्रांस का बोर्डो शहर जोरदार ब्लास्ट से दहल उठा। इस धमाके में करीब पांच लोग घायल हो गए, जिसमें से दो की हालत नाजुक बनी हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि बिल्डिंग में लगी गैस पाइपलाइन में लीकेज होने की वजह से यह धमाका हुआ है। हालांकि पुलिस अधिकारी मामले की जांच कर रही है। पड़ताल के बाद ही धमाके की वजह को लेकर आधिकारिक बयान जारी किया जाएगा।

घटनास्थल पर पुलिस और इमरजेंसी सेवाएं तैनात

वहीं, धमाके वाली बिल्डिंग में मौजूद सभी लोगों को पुलिस ने बाहर सुरक्षित निकाल लिया है। साथ ही घटनास्थल पर फ्रांस की पुलिस के अलावा इमरजेंसी सेवाओं को तैनात कर दिया गया है। आपातकालीन विभाग का कहना है कि ब्लास्ट होने की वजह से बिल्डिंग के गिरने का खतरा बढ़ गया है। इसलिए अब इमारत की मरम्मत के बाद ही किसी को अंदर जाने दिया जाएगा।

पूरे शहर में सुनाई दी धमाके की गूंज

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह धमाका इतना जोरदार था कि इसकी गूंज पूरे शहर में सुनाई दी थी। वहीं धमाके का असर केवल बिल्डिंग पर ही नहीं बल्कि आसपास इलाकों पर भी पड़ा है। बताया जा रहा है कि ब्लास्ट के चलते आसपास मौजूद दुकानों की खिड़कियां चकानचूर हो गईं। जानकारी के लिए आपको बता दें कि फ्रांस बीते कुछ महीनों से इस्लामिक आतंकवाद का सामना कर रहा है।

फ्रांस में इस्लामिक आतंकवाद

अभी बीते साल 16 अक्टूबर को पेरिस के उपनगरीय इलाके में एक शिक्षक की मोहम्मद साहब

का कार्टून दिखाने के चलते गला काटकर हत्या कर दी गई थी। फ्रांस के राष्ट्रपति ने इसे इस्लामिक आतंकवाद करार दिया था। इसके बाद चार्ली हेब्दो के ऑफिस के बाहर हुई फायरिंग की घटनाओं ने भी देश की चिंता को बढ़ा दिया गया था। अब फ्रांसीसी सरकार ने देश में मौजूद कट्टरपंथियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने का अभियान चलाया हुआ है। फ्रांस की खुफिया एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर लोगों को गिरफ्तार करने का काम रही है।

ड्रैगन की दादागीरी: चीनी कोस्टगार्ड के जहाज जापान की समुद्री सीमा में घुसे, जापान ने कहा- यह हरकत बर्दाश्त नहीं

टोक्यो। जापान और चीन के बीच टकराव की स्थिति बन गई। जापान का कहना है कि चीनी नौसेना के जहाजों ने उसकी समुद्री सीमा में घुसपैठ की है। इस मामले में सरकार ने चीन के सामने विरोध भी दर्ज कराया। जापान ने कहा कि चीनी सेना के जहाज पूर्वी चीन सागर में उसके अधिकार वाले आईलैंड्स के पास पहुंच गए थे। चीन भी इन पर दावा करता रहा है। वह बार-बार इस इलाके में घुसपैठ करता है।

जापानी विदेश मंत्रालय के एक सीरियर अफसर ने कहा कि चीन के जहाजों की यह हरकत बर्दाश्त करने लायक नहीं है। चीनी कोस्टगार्ड के 2 जहाजों ने शनिवार को सेनकाकू आईलैंड्स का रुख किया। चीन में इन्हें

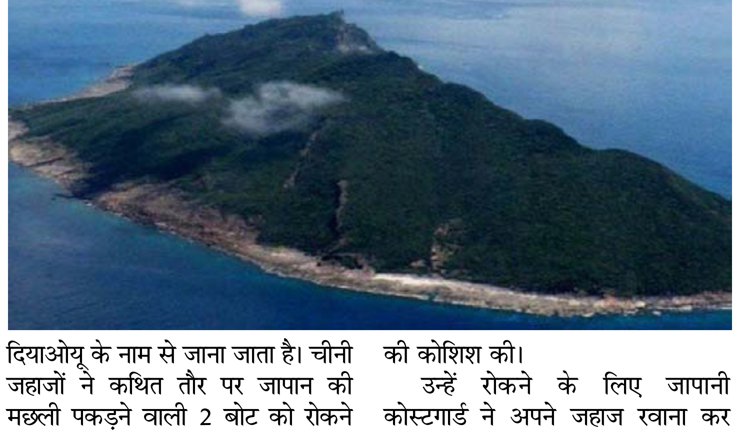

दियाओयू के नाम से जाना जाता है। चीनी जहाजों ने कथित तौर पर जापान की मछली पकड़ने वाली 2 बोट को रोकने की कोशिश की।

उन्हें रोकने के लिए जापानी कोस्टगार्ड ने अपने जहाज रवाना कर दिए। तोपों से लैस चीन का एक जहाज जापान की सीमा के करीब देखा गया। हाल में चीन ने एक कानून लागू किया है। इसके तहत विदेशी जहाजों पर हथियारों का इस्तेमाल करने और उन्हें तबाह करने की अनुमति दी गई है। इस कानून के लागू होने के बाद यह घुसपैठ का पहला मामला है।

चीन की दादागीरी जारी

कुछ महीने पहले ही खबरें आई थीं कि चीन की सेना ने ताइवान से सटे दक्षिण पूर्वी तट पर नौसैनिकों की तादाद बढ़ा दी है। चीन यहां से एक दशक से भी ज्यादा समय से तैनात पुरानी डीएफ-11 और डीएफ-15 मिसाइलों को हटा रहा है। इनकी जगह आधुनिक सुपरसोनिक डीएफ-17 मिसाइलें तैनात कर रहा है। ये मिसाइलें ज्यादा दूरी तक वार कर सकती है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने रक्षा विशेषज्ञों के हवाले से जारी रिपोर्ट में इसका दावा किया था।

पाकिस्तान को दिया लड़ाकू जहाज

चीन ने अपने खास दोस्त पाकिस्तान के लिए हाल में दूसरा नौसैनिक लड़ाकू जहाज तैयार किया है। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह बेहतर रडार सिस्टम और लंबी दूरी की मिसाइलों से लैस है। इससे समुद्र में पाकिस्तान की ताकत बढ़ जाएगी। पाकिस्तानी नौसेना ने 054 ए/ पी टाइप के 4 वॉरशिप के निर्माण के लिए 2017 में चीन से करार किया था। पहला जहाज अगस्त 2020 में तैयार किया गया था।

जॉनसन एंड जॉनसन ने अमेरिका से अपनी कोरोना वैक्सीन के आपात इस्तेमाल की मांगी मंजूरी

वॉशिंगटन। अमेरिकी दवा निर्माता कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन ने अपनी सिंगल डोज कोरोना वैक्सीन के आपात इस्तेमाल के लिए अमेरिकी दवा नियामक फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन से अनुमति मांगी है। कंपनी आने वाले हफ्तों में यूरोपीय अधिकारियों से इसके लिए अनुमति मांगेगी। कंपनी ने खुद इसकी जानकारी दी है। 29 जनवरी को जारी रिपोर्ट के अनुसार वैक्सीन संक्रमण को रोकने में 66 फीसद कारगर है। बता दें कि अमेरिका में कोरोना टीकाकरण का काम जारी है। देश पहले ही दो वैक्सीन फाइजर बायोएनटेक और मॉडर्ना को आपात इस्तेमाल के मंजूरी दे चुकी है, जिनके इस्तेमाल से टीकाकरण हो रहा है। जॉनसन एंड जॉनसन की सिंगल-शॉट वैक्सीन को अगर अनुमति मिलती है, तो इससे आपूर्ति को बढ़ाने और अमेरिका के टीकाकरण अभियान को मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है।

अमेरिका कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। वर्तमान में इस्तेमाल हो रहीं फाइजर और मॉडर्ना की निश्चित समय में वैक्सीन की दो खुराक लेने की आवश्यकता है। इसके विपरीत जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन सिंगल शॉट वैक्सीन है। इसका मतलब है कि इस वैक्सीन का केवल एक ही खुराक लेने की आवश्यकता है। इसके अलावा इसे रखने के लिए अत्यधिक ठंडे फ्रीजर की भी व्यवस्था की जरूरत नहीं है। कंपनी के आवेदन के बाद, नियामकों को डेटा का विश्लेषण करने के लिए कुछ समय की आवश्यकता होगी।

एक नजर

मिस्टर नॉर्थ इंडिया प्रमोद भाटी बने

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली बॉडीबिल्डिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आज मयूर विहार फेस वन काली मंदिर ग्राउंड में नॉर्थ इंडिया बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसमें मध्य प्रदेश के प्रमोद भाटी मुख्य विनर नॉर्थ इंडिया के रूप में चुने गए, जो कि 70 किलो भार के कठिन प्रतियोगिता को पार करते हुए विजेता बने। इस मौके पर जम्मू-कश्मीर के बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष सेवा सिंह वाली, त्रिलोकपुरी के विधायक रोहित मेहरोलिया, सुरेंद्र कालीरमन, एडवोकेट मोहन नगर मिनी गोल्फ क्लब के चेयरमैन ठाकुर अश्वनी सिंह, भाजपा नेता राकेश गहलोत तथा बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष वीर बोहित, नेशनल जज अभिषेक वर्मा तथा बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के नेशनल चेयरमैन राजू चंदेल ने सभी प्रतियोगियो अतिथियों को सम्मानित करते हुए कहा कि वर्ष 2020 कोरोनावायरस महामारी से जनमानस परेशान है। आज युवाओं को बेहतरीन सेहत तथा नशे की लत से दूर रखने के उद्देश्य से युवा पीढ़ी को एक नई राह दिखला रहा है। बॉडी बिल्डिंग स्पॉट एसोसिएशन उसी की कड़ी में यह नार्थ इंडिया बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन शानदार रूप से किया गया है। श्री चंदेल ने कहा कि आगामी 14 फरवरी को रफी मार्ग स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में मिस्टर इंडिया बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भिन्न भिन्न राज्यों के करीब 500 बच्चे भाग लेने जा रहे हैं जो अपने आप में वर्ष 2021 का एक शानदार बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप होगी।

454 क्वार्टर शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तम नगर थाना की पुलिस टीम में एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से 454 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की गई है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान दीपक के रूप में हुई है, जो उत्तम नगर के हस्तसाल विहार का रहने वाला है। डीसीपी संतोष कुमार मीणा के अनुसार, उत्तम नगर एसएसओ रामकिशोर की देख-रेख में कॉन्स्टेबल राजपाल हस्तसाल विहार के सी ब्लॉक में पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात थे। तभी कॉन्स्टेबल ने देखा कि एक युवक पुलिस को देखने के बाद प्लास्टिक के कट्टे को खींच कर अपने घर में ले जा रहा है। जब कॉन्स्टेबल ने उसे रोककर बैग की तलाशी ली तो बैग में 454 क्वार्टर शराब भरी हुई थी, जो केवल हरियाणा में बेचे जाने के लिए मान्य थी। इसकी सूचना पुलिस स्टेशन दी गई जिसके बाद हेड कांस्टेबल श्रवण ने मौके पर पहुंचकर एक्साइज एक्ट का मामला दर्ज करते हुए शराब तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है। साथ ही इस शराब तस्कर से पुछताछ की जा रही है।

जेल से बाहर आया स्नैचर दोबारा चढ़ा पुलिस के हत्थे

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी जिला पुलिस ने एक शातिर स्नेचर को गिरफ्तार किया है। यह चोर सड़क से अकेले जा रहे लोगों से स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देता था। इलाके में ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मी ने आरोपी का पीछा कर उसे धर दबोचा। जिले के डीसीपी एन्टो अल्फोन्स ने बताया कि शिकायतकर्ता अनुज मिश्रा ने कश्मीरी गेट थाना पुलिस को शिकायत दी थी कि वह गोखले मार्केट में काम करता है और सड़क से जा रहा था। उसी दौरान एक शख्स पीछे से आया और उसका मोबाइल फोन छीनकर भाग गया। पीड़ित भी आरोपी के पीछे जोर जोर से चिल्लाता हुये भागने लगा, उसी समय इलाके में पेट्रोलिंग पर मौजूद कॉन्स्टेबल ने पीड़ित की चिल्लाने की आवाज सुनी, भागते हुए देख कॉन्स्टेबल भी उसी दिशा में भागा और आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम बबलू उर्फ बब्बल बताया, तलाशी के दौरान उसके पास से पांच मोबाइल फोन और एक बटन दार चाकू भी बरामद किया गया। आरोपी साल 2019 में ही जेल से छूट कर आया था और पहले भी आरोपी पर कश्मीरी गेट और सब्जी मंडी थाने इलाके में एनडीपीएस एक्ट के मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मोहन गार्डन पुलिस ने 4 अफ्रीकी नागरिकों को किया डिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका जिला के मोहन गार्डन थाना की पुलिस टीम ने अवैध रूप से रह रहे अफ्रीकन मूल के 4 लोगों को डिपोर्ट किया है। डीसीपी संतोष कुमार मीणा ने बताया कि मोहन गार्डन एसएचओ बलजीत सिंह की देखरेख में हेड कॉन्स्टेबल जितेंद्र और कॉन्स्टेबल चांदनी ने पेट्रोलिंग के दौरान इन चारो को चेकिंग के लिए रोका। जब इनसे वीजा और पासपोर्ट दिखाने के लिए कहा गया तो इन्होंने जो डॉक्यूमेंट दिखाएं वह एक्सपायर हो चुके थे। इसके बाद मोहन थाना पुलिस में फॉरेनर्स एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए इन चारों को डिपोर्ट सेंटर भेज दिया गया है। जहां से इन्हें जल्द ही डिपोर्ट कर दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार, मोहन गार्डन पुलिस ने 1 जनवरी 2021 से 4 फरवरी 2021 के बीच ऐसे 25 अफ्रीकन नागरिकों को एफआरपीओ के साथ मिलकर डिपोर्ट करवाया है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में रविवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से 30 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस केस दर्ज कर आरोपी चालक की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। मृतक विजय परिवार के साथ गोकुलपुरी इलाके में रहता था। परिवार में पिता जगमोहन, मां, भाई मनोज और महेंद्र समेत अन्य सदस्य हैं। विजय यमुनापार के बाजारों में कोई काम करता था। रविवार को विजय काम के लिए शास्त्री पार्क इलाके में आया हुआ था। रात 12:30 बजे के करीब शास्त्री पार्क में अग्रवाल स्वीट्स के पास एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और विजय को जग प्रवेश चंद अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोपी पर हमले की धमकी मिली तो वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई पेशी

नई दिल्ली, एजेंसी। गैरकानूनी हथियारों के जखीरे के साथ पकड़े गए एक शख्स को हत्या की धमकी मिली तो उसे सोमवार को जेल से ही वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेशी कराई गई। आरोपी के काले कारोबार से जुड़े लोगों ने धमकी दी थी कि अदालत में पेशी के दौरान उसकी हत्या कर दी जाएगी। कड़कड़डूमा स्थित मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दिनेश कुमार की अदालत में आरोपी के परिवार की तरफ से बीते शनिवार को याचिका दाखिल कर कहा गया था कि इस कारोबार से जुड़े कुछ लोगों के उनके पास फोन आए हैं और उन्होंने धमकी दी है कि आरोपी की अदालत में पेशी के समय ही हत्या कर दी जाएगी। अदालत ने तत्काल पुलिस को इस बारे में तफ्तीश कर रिपोर्ट देने को कहा। पुलिस ने जिन नंबरों से फोन आया था, उनकी जांच की तो पाया कि ये फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जारी हुए थे। पुलिस ने रिकॉर्ड की गई कुछ संदिग्ध बातचीत भी सुनी। इसके बाद पुलिस ने अदालत को सूचित किया कि आरोपी की जान को खतरा हो सकता है। पुलिस ने यह भी कहा कि अभी मामला आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के स्तर पर है। ऐसे मे आरोपी की अदालत में प्रत्यक्ष सुनवाई की आवश्यकता नहीं है। अदालत ने पुलिस की दलील को मंजूर करते हुए तिहाड़ जेल प्रशासन को आरोपी को जेल से ही वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेश करने का निर्देश दिया। पेश मामले में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने आरोपी को गत वर्ष हथियारों के साथ गिरफ्तार किया था।

कोरोना महामारी में भी मोदी जी ने किसी गरीब को भूखे पेट सोने नहीं दिया-स्मृति ईरानी

बजट में हर वर्ग और हर क्षेत्र का ध्यान रखा गया है-स्मृति ईरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने केंद्रीय बजट को समाज के हर वर्ग और हर क्षेत्र का विकास करने वाला और राष्ट्रनिर्माण का मूलाधार बताते हुए कहा कि देश में पहली बार समाज की मूलभूत सुविधाओं को विस्तार देने का काम किया गया है। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी और पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ मिलकर आत्मनिर्भर बजट पर आयोजित चर्चा में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने गत छह वर्षों में स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, स्वच्छता, आवास, पीने का साफ पानी और शौचालय जैसे मुद्दों पर समाज को एक नई दिशा दी है। बजट में इन्हीं क्षेत्रों की ओर बेहतर कर समाज के हर वर्ग तक सुविधा पहुंचाने का अभियान चलाया गया है, यह वास्तव में सराहनीय है।

कार्यक्रम के दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विजेन्द्र गुप्ता, पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री कुलजीत सिंह चहल, प्रदेश उपाध्यक्ष राजन तिवारी, अशोक गोयल देवराहा, प्रदेश मीडिया प्रमुख नवीन कुमार, प्रदेश प्रवक्ता पूजा सूरी, सतीश गर्ग और बृजेश राय, प्रदेश मंत्री नीलम धीमान सहित विभिन्न व्यपारिक संगठनों के सदस्य और उद्योगपति उपस्थित थे।

स्मृति ईरानी ने कहा कि सरकार ने बजट में एक पीढ़ी जो प्रावधान करती थी उसे पूरा करने का काम दूसरी पीढ़ी करती थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो कहा उसे स्वयं ही लागू कर इतिहास बदल दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने समाज की मूलभूत सुविधाओं का पूरा ध्यान रखते हुए वो काम किए हैं जिसकी आज विश्व भर में सराहना हो रही है। गरीब भूखे पेट सोता था, लेकिन कोरोना जैसी महामारी में भी मोदी जी की नीतियों ने किसी को भूखे पेट सोने नहीं दिया। केंद्र सरकार हर गरीब को मुफ्त राशन देने और स्वास्थ्य सुविधाएं देने का अभूतपूर्व काम किया है। कोरोना को लेकर देश में जिस तरह की शंकाएं थी और क्या होगा का भाव था, उस पर न केवल पूरी तरह से पूर्ण विराम लगाया गया, बल्कि भारत आज विश्व में पी.पी.ई. किट का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है।

स्मृति ईरानी ने कांग्रेस और आम आमदी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एक पार्टी केवल एक ही परिवार की पहचान बढ़ाने में जुटी है और दूसरी पार्टी अपनी घोषणाओं को ही कभी पूरा न करने में लगी है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस किसान मुद्दों का विरोध कर रही है, लेकिन पंजाब में उनकी पार्टी की सरकार ने ही पहली बार खेती में ठेका का प्रावधान लेकर आई थी और इसमें किसानों को ही सजा देने का उपबंध भी रखा गया। देश में आम जन अब जागरुक हो चुका है और वह अच्छे-बुरे की बेहतर समझ रखता है। हमें पूरा विश्वास है कि आम आदमी पार्टी मोदी सरकार के सार्थक कामों का पूरा साथ देगी।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि कोरोना काल में मोदी सरकार ने न सिर्फ देश के हर वर्ग और क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा है, बल्कि दिल्ली में जब आम आदमी पार्टी की सरकार कोरोना संकट से निपटने में विफल रही तो केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में दिल्ली को सम्भालने के लिए सभी जरुरी कदम उठाए गए। दिल्ली सरकार को हर क्षेत्र में असफल करार देते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री केजरीवाल ने जो भी घोषणाएं की थी, उनमें से एक को भी पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण की रोकथाम के लिए केजरीवाल सरकार की सभी घोषणाएं सिर्फ घोषणा बनकर रह गई और दिल्ली की जनता पर प्रदूषण का कहर बढ़ता ही गया।

आदेश गुप्ता ने कहा कि जिन कार्यों को दिल्ली सरकार को करना चाहिए था, उसे भी केंद्र सरकार कर रही है। ऐसे कार्यों में दिल्ली में बायोपार्क बनाना, झुग्गी बस्तियों का विकास का काम शामिल है। लेकिन केजरीवाल सरकार ने किसी भी काम को अभी तक पूरा नहीं किया है।

बच्चों को अपराध की दुनिया में झोंकने वाले गैंग का भंडाफोड़, 7 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। झारखंड से 7 से 12 साल के गरीब बच्चों को नौकरी का झांसा देकर दिल्ली लाकर उन्हें अपराध की दुनिया में जबरदस्ती झोंकने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। द्वारका साउथ पुलिस ने ना सिर्फ गैंग के मास्टरमाइंड सहित 7 लोगों को गिरफ्तार किया, बल्कि 4 बच्चों को भी रेस्क्यू किया है। पुलिस ने इस गैंग का भंडाफोड़ करते हुए 14 मोबाइल फोन एक एलईडी टीवी और दो ऑटो रिक्शा भी बरामद किया है। जिसके जरिए वह बच्चों को दिल्ली के अलग-अलग इलाके में छोड़ते थे। डीसीपी संतोष कुमार मीणा के अनुसार इस गैंग के मास्टरमाइंड का नाम विशाल महतो है, जो झारखंड के साहिबगंज का रहने वाला है। पुलिस टीम ने इस गिरोह में शामिल विशाल महतो के जीजा महेंद्र महतो और उसके भाई चंदू महतो और गिरोह में शामिल अन्य चार लोगों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार यह गैंग बच्चों को नौकरी दिलाने के बहाने झारखंड से दिल्ली लाता था और उन्हें भी ट्रेनिंग देकर जबरदस्ती जेबकतरी के धंधे में लगा देता था और बच्चों द्वारा चुराए गए मोबाइल फोन और अन्य सामान को आधे दामों में बंगाल के रिसीवर को बेच देता था।

इस गैंग को पकड़ने के लिए द्वारका एसीपी सुनील कुमार की देखरेख में द्वरका साउथ एसएचओ राकेश डडवाल, इंस्पेक्टर सतबीर, सब इंस्पेक्टर मनमोहन सिंह, मेहराब आलम, बिक्रमजीत सिंह, महिला सब इंस्पेक्टर ज्योति यादव, एएसआई सुभाष, हेड कॉन्स्टेबल प्रवीण कुमार, प्रवीण सिंह, ओम प्रकाश, कॉन्स्टेबल अन्नू, झाबरमल और शक्ति की टीम ने लगातार कई दिन और रात कार्रवाई करते हुए दिल्ली से झारखंड तक इस गिरोह के बारे में जानकारी हासिल की और एक-एक करके गिरोह के सातों सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब इन सातों से पूछताछ कर इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

दिल्ली बीजेपी उम्मीदवारों ने निगम उपचुनाव के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में अपना नामांकन दाखिल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता के नेतृत्व में आज दिल्ली नगर निगम उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के सभी पांचों उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन के दौरान भाजपा के अन्य नेता और पदाधिकारी भी मौजूद थे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने नेतृत्व में शालीमार बाग से सुरभि जाजू ने जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय कंझवाला में अपना पर्चा दाखिल किया। इस दौरान प्रदेश महामंत्री हर्ष मल्होत्रा और केशवपुरम के जिला अध्यक्ष राजकुमार भाटिया भी मौजूद थे। सुरभि जाजू के साथ निगम पार्षद अंजू जैन, तिलक राज कटारिया, सुजित कुमार के अलावा पार्टी के अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि शालीमार बाग शुरू से ही भाजपा का अपना घर रहा है और इस बार भी भारतीय जनता पार्टी बड़ी जीत दर्ज करने वाली है। चुनाव के दिन अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए जागरुक करने के लिए पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर उनसे बातचित करेंगे ताकि लोग अपने मतों का सही उपयोग करें।

भाजपा सांसद हंसराज हंस और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विजेन्द्र गुप्ता के नेतृत्व में रोहिणी सी से उम्मीदवार राकेश गोयल ने भी अपना नामांकन एसडीएम ऑफिस अलीपुर में दाखिल किया। इस दौरान प्रदेश महामंत्री दिनेश प्रताप सिंह और जिला अध्यक्ष देवेन्द्र सोलंकी उपस्थित थे।

भाजपा विधायक अजय महावर के नेतृत्व में चौहान बांगर से उम्मीदवार मो. नजिर अंसारी ने एसडीएम ऑफिस सीलमपुर में अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उत्तर-पूर्वी जिला अध्यक्ष मोहन गोयल पार्टी के अन्य कार्यकताओं के साथ मौजूद थे।

भाजपा विधायक अभय वर्मा और ओम प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में कल्याणपुरी से सियाराम कनौजिया और त्रिलोकपुरी ईस्ट से भाजपा उम्मीदवार ओम प्रकाश गुंगरवाल ने एसडीएम ऑफिस शास्त्री नगर, गीता कॉलोनी में अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन के दौरान प्रदेश पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष कौशल मिश्रा और मयूर विहार से जिला अध्यक्ष विनोद बछेती भी मौजूद थे।

भाजपा ने किया गोपाल राय के कार्यालय पर प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी नवीन शाहदरा जिले की ओर से दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय के कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया। आरोप है उक्त प्रदर्शन गोपाल राय के भाई योगेंद्र राय द्वारा कथित भ्रष्टाचार, ठेकेदार को धमकाने और महिला मजदूर के साथ अभद्र व्यवहार को लेकर किया गया। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष मास्टर विनोद कुमार के नेतृत्व में समस्त मंडलो के अध्यक्ष व पदाधिकारी, समस्त मोर्चो के अध्यक्ष व पदाधिकारी उपस्तिथ रहे, इस अवसर पर मास्टर विनोद कुमार ने कहा कि जिस व्यक्ति ने भ्रष्टाचार के खिलाफ झूठ का सहारा लेकर, दिल्ली की जनता को बेवकूफ बनाकर दिल्ली की सत्ता हासिल की। आज उसी सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए है। चाहे वह बिजली का घोटाला हो, चाहे वो जल बोर्ड का घोटाला हो, चाहे कोई और घोटाला हो। भारतीया जनता पार्टी का कार्यकर्ता दिल्ली की जनता के हित की आवाज, इसी जोरदार तरह से उठाता रहेगा। इस अवसर पर रोहताश नगर के विधयाक जितेंद्र महाजन ने कहा कि यह मुद्दा बहुत गम्भीर है, दिल्ली विधानसभा में भी हम इस विषय को लेकर आम आदमी पार्टी सरकार की पोल खोलगे। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम के नेता सदन प्रवेश शर्मा, पूर्वांचल मोर्चा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष कौशल मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष कैलाश जैन कोषाध्यक्ष मुकेश बंसल, उप महापौर हरि प्रकाश बहादुर, निगम पार्षद कुसुम तोमर, सचिन शर्मा, वीर सिंह पंवार, जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष आशीष पुनिया सहित जिले के वरिष्ठ कार्यकर्ताओ ने गिरफ्तारी दी।

गांजा तस्कर गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

525 किलो गांजा बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के दक्षिण पूर्वी जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) ने अंतरराज्यीय तस्करों के एक गिरोह का पदार्फाश किया है। टीम ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 525 किलो गांजा बरामद किया गया है। बरामद गांजे का बाजार मूल्य 70 लाख से अधिक बताया जा रहा है। आरोपी आंध्रा प्रदेश से गांजे की खेप ट्रक में लेकर दिल्ली और उत्तर प्रदेश में सप्लाई के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें पकड़ा। आरोपियों की पहचान अश्वनि यादव और महताब त्यागी के रूप में की गई है। पुलिस उपायुक्त राजेन्द्र प्रसाद मीणा ने बताया कि तस्करी की घटनाओं को देखते हुए एएटीएस की एक टीम तस्करों पर नजर रख रही थी। इस दौरान टीम को सूचना मिली कि कालिंदीकुंज के पास से एक गांजे से भरा हुआ ट्रक गुजरने वाला है। जानकारी पर कार्रवाई करते हुए टीम का गठन किया गया। जिसमें एसआई रामकुमार एसआई ईश्वर सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। जिसके बाद शनिवार रात एक ट्रक को रोका गया। उस ट्रक में जानवरों की खाल भरी हुई थी। इस दौरान प्लास्टिक बैग में अन्य सामान भी रखा हुआ था। टीम के चेक करने पर उसमें गांजा भरा हुआ पाया गया। ट्रक सवार युवक अश्वनि यादव और महताब की निशानदेही पर 30 बैग में भरा हुआ 525 किलो गांजा बरामद किया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी अश्वनि यादव ने बताया कि वह अपने जीजा अश्वनि जो कि उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही था, लेकिन किसी वजह से बर्खास्त कर दिया गया उसके कहने पर आया है। इसके अलावा गिरोह में अमजद और प्रमोद नाम के दो युवक भी शामिल है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर दोनों युवकों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गिरोह का सरगना अश्वनि बताया जा रहा है जो कि उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के पद से बर्खास्त बताया जा रहा है। पुलिस का दावा है कि बरामद किए गए गांजे का बाजार मूल्य 70 लाख रुपये से भी अधिक है। फिलहाल इस पूरे मामले में पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है।

जेएनयू में दस माह बाद खुले ढाबे

चाय-नाश्ता कर सकेंगे छात्र, खाना अभी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। कोविड-19 के चलते गत वर्ष मार्च महीने से ही जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय बंद है। प्राथमिकता के आधार पर शोधार्थियों की चरणबद्ध वापसी हो रही है। सोमवार से छात्रों के परिसर वापसी का सातवां चरण शुरू हुआ। एमफिल-एमटेक के चतुर्थ सेमेस्टर, एमबीए अंतिम वर्ष के ऐसे छात्रों को जिन्हें 30 जून 2021 तक थीसिस जमा करनी है, प्रवेश की अनुमति मिलेगी। इस बीच छात्रों के लिए जेएनयू प्रशासन ने एक और राहत दी है। परिसर स्थित कई ढाबे खोल दिए गए हैं। हालांकि इन ढाबों पर अभी चाय और नाश्ता ही मिलेगा। खाने की सुविधा के लिए छात्रों को इंतजार करना पड़ेगा।

जेएनयू प्रशासन ने बताया कि छात्रावास, आवासीय परिसर में स्थित छोटी दुकानों को खोलने की इजाजत दे दी गई है। ताप्ती, पश्चिमाबाद, पूर्वांचल काम्पलेक्स स्थित दुकानें खोल दी गई हैं। केसी मार्केट, गोदावरी, साबरमती, ब्रम्हपुत्र छात्रावास के ढाबे भी खुल गए हैं। फिलहाल यहां चाय-नाश्ता ही मिल सकेगा। एबीवीपी जेएनयू अध्यक्ष शिवम चौरसिया ने बताया कि चरणबद्ध तरीके से छात्र परिसर में दाखिल हो रहे हैं। ऐसे में इन ढाबों को खोलना जरूरी है।

हम विगत कई महीनों से इन्हें खोलने की मांग कर रहे हैं। जेएनयू प्रशासन ने कई ढाबों को खोल दिया है। हालांकि अभी भी गंगा ढाबा समेत कई अन्य प्रचलित ढाबे बंद ही है। जेएनयू डिप्टी रजिस्ट्रार ने ढाबों को लेकर एक दिशानिर्देश भी जारी किया। जिसमें कहा गया है कि खाना मुहैया कराने वाले ढाबा, कैंटीन अभी बंद रहेंगी। पूरनचंद चाट-दही भल्ले कार्नर, चीनी रेस्त्रां, मीट शाप अभी नहीं खुलेंगे।

अभी तक ये सब बंद थे, जिसके कारण स्टूडेंट्स को खाने पीने की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। यहां तक कि उनको चाय आदि भी नहीं मिल पा रही थी। अब ये ढाबे खुल जाने से उनकी समस्या का कुछ हद तक समाधान हो पाएगा। जेएनयू प्रशासन ने बताया कि परिसर स्थित स्पोर्टस काम्पलेक्स में योग करने की अनुमति भी दे दी गई है। वहीं परिसर में ई-रिक्शा परिचालन भी शुरू हो गया है।

क्राइम ब्रांच का अफसर बता लूटपाट करने वाले गैंग का सरगना दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। खुद को क्राइम ब्रांच का पुलिस अफसर बताकर लूटपाट करने वाले गैंग के सरगना समेत दो बदमाशों को पूर्वी जिले की पुलिस ने रविवार रात गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने गैंग के सरगना सरवर उर्फ समीर और सदस्य इमरान से लूट की एक कार, 1.30 लाख की नकदी, बाइक, देसी पिस्टल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। सरवर पर पहले से पांच और इमरान पर 10 आपराधिक केस दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। डीसीपी दीपक यादव ने बताया कि छह जनवरी को श्रीकांत नाम के व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दी थी। श्रीकांत ने बताया कि वह नोएडा की एक कंपनी में काम करते हैं। छह जनवरी को श्रीकांत आनंद विहार रेलवे स्टेशन की एक दुकान से सिगरेट खरीदकर अपनी कार के पास पहुंचे तभी तीन युवक वहां आ धमके। युवकों ने खुद को क्राइम ब्रांच का पुलिस अफसर बताते हुए गन प्वाइंट पर श्रीकांत को कार में बिठा लिया। इसके बाद आरोपी श्रीकांत को नोएडा लेकर गए जहां, उन्हें कार से फेंक दिया और गाड़ी लेकर फरार हो गए। पुलिस को लूट की इसी तरह की दो और शिकायतें मिली थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की। जिले के एएटीएस (ऑटो एंटी थेफ्ट स्क्वायड) टीम को लगाया गया। इंस्पेक्टर दिनेश आर्या की देखरेख में टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिरों को सक्रिय किया। इसी दौरान रविवार रात करीब 12 बजे दो बदमाशों के गाजीपुर अंडरपास के पास बाइक से आने की सूचना मिली तो पुलिस ने वहां जांच शुरू की। दोनों आरोपी बाइक से आते दिखे तो पुलिस ने उन्हें धर दबोचा। आरोपियों के पास से पिस्टल, छह कारतूस और 1.30 लाख रुपये नकद मिले हैं।

संपादकीय

एक जंग जीतने की ओर बढ़ते हम

कोविड-19 के खिलाफ भारत की जंग अपने अंजाम तक पहुंचने लगी है। पिछले नौ दिनों से कुल एक्टिव मरीजों की संख्या दो लाख से भी कम है, और अभी करीब 1.74 लाख मरीजों का इलाज देश भर में चल रहा है। इनमें से 78 फीसदी मरीज केरल, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल में ही हैं। मरीजों के ठीक होने की दर भी बढ़कर 96.94 फीसदी हो गई है, जबकि मृत्यु दर 1.44 प्रतिशत है। इसका अर्थ है कि कोरोना के खिलाफ हमारी तैयारी अच्छी रही और इससे होने वाली जीवन की हानि को थामने में हम बहुत हद तक सफल रहे हैं। इन सबको देखते हुए सरकार द्वारा जारी नए दिशा-निर्देश अप्रत्याशित नहीं लग रहे।

नई गाइडलाइन में सिनेमाघरों को 50 प्रतिशत से ज्यादा क्षमता के साथ चलाने की इजाजत दी गई है, साथ ही स्विमिंग पूलों को सभी के लिए खोल दिया गया है, जबकि इसका इस्तेमाल पहले सिर्फ खिलाड़ियों तक सीमित रखा गया था। अब एक से दूसरे सूबे में जाने में भी किसी तरह की पाबंदी नहीं होगी। सिनेमाघरों को जब 50 फीसदी क्षमता के साथ खोला गया था, तब संक्रमण में कुछ उछाल दिखा था। मगर अब स्थिति काबू में है। लिहाजा, उन्हें जब बढ़ी क्षमता के साथ चलाया जाएगा, तब तमाम सुरक्षा उपाय अपनाने की जरूरत है। रही बात स्विमिंग पूल की, तो अभी शायद ही इसका इस्तेमाल होगा। अमूमन मार्च-अप्रैल के बाद लोग इसका उपयोग करते हैं, इसलिए इसके खुलने का बहुत ज्यादा असर कोरोना मामलों पर नहीं होगा। इस जंग में दिल्ली बाकायदा एक मॉडल बनकर उभरी है। यहां जनवरी महीने में छह दिन 200 से कम नए मामले सामने आए हैं। इसी कारण दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग ने राज्य सरकार के अधीन सभी अस्पतालों में सर्जरी के साथ-साथ ओपीडी सेवाएं शुरू करने का साहस बटोरा है। राजधानी में संक्रमण की दर लगातार घट रही है। पूर्व के दिशा-निर्देशों में प्रतिबंध के बावजूद लोग निश्चिंत दिख रहे थे और बाजारों में रौनक थी। फिर, आंदोलनों के कारण संक्रमण के फैलने की जो आशंका थी, वह भी निर्मूल साबित हुई है। यह सुखद स्थिति है। हालात जितने जल्दी सामान्य हो जाएंगे, वह बेहतर माना जाएगा। नए दिशा-निर्देशों के बाद अब उन मरीजों को काफी राहत मिलेगी, जो अस्पतालों में ओपीडी और सर्जरी सेवाएं बंद होने के कारण परेशानियों से जूझ रहे थे। यहां शिक्षण संस्थानों को भी अगले महीने से खोलने की तैयारी चल रही है। हम बेशक 'न्यू नॉर्मल' की ओर बढ़ गए हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि महामारी खत्म हो गई है। दुनिया के किसी भी हिस्से में यदि कोई संक्रामक रोग पांव पसार रहा है, तो अन्य देशों पर खतरा बराबर बना रहता है। यह सही है कि हमने कोरोना महामारी के खिलाफ योजनाबद्ध लड़ाई लड़ी है, फिर भी सावधानी बरतने की दरकार है। जो सुरक्षा उपाय बताए गए हैं, उन पर जरूर अमल जारी रखना चाहिए। जैसे, मास्क का इस्तेमाल, दो गज की शारीरिक दूरी का पालन और नियमित तौर पर हाथ धोना अभी भी जरूरी है। टीका भी हमें जरूर लगवाना चाहिए। अभी स्वास्थ्यकर्मियों और प्राथमिकता सूची के लोगों को टीके लगाए जा रहे हैं, जिसके कारण यह तबका अब सुरक्षित हो गया है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि अधिकांश लोगों में इस महामारी के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता पैदा हो गई है। दिल्ली का सीरो सर्वे बताता है कि कई इलाकों में 58 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी विकसित हो चुकी है। माना जा रहा है कि औसतन 50 फीसदी दिल्ली वाले इस रोग से लड़ने के लिए तैयार हैं। इनमें वे लोग शामिल नहीं हैं, जो मार्च-अप्रैल के महीनों में कोरोना संक्रमित हुए होंगे और अब उनके शरीर में एंटीबॉडी दिख नहीं रही होगी। अगर इन्हें भी शामिल कर लिया जाए, तो राष्ट्रीय राजधानी में करीब 70 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी विकसित हो चुकी है। यह 'हर्ड इम्यूनिटी' की स्थिति है, और कोरोना के मामले में कहा गया था कि यदि एक बड़ी आबादी इस वायरस से 'इम्यून' हो जाती है, तो वहां इस संक्रमण को करीब-करीब खत्म मान लिया जाएगा। कमोबेश ऐसी ही स्थिति देश भर में है। यहां रोजाना अमूमन 12-15 हजार नए मामले सामने आ रहे हैं। सवा अरब से अधिक की आबादी में यह संख्या नगण्य मानी जाएगी। मुंबई के धारावी जैसे इलाके, जहां संक्रमण की तेज रफ्तार दिखी थी, वहां भी सितंबर के सर्वे में दिखा था कि 45-50 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी बन गई है, यानी ये सब इलाके अब काफी हद तक संभल गए हैं। अभी जो नए मामले सामने आ रहे हैं, वे आमतौर पर उन इलाकों से आ रहे हैं, जहां संक्रमण नहीं फैला था। इसका यह मतलब नहीं है कि कोरोना वायरस का प्रसार गांवों में हो रहा है। वह वक्त अब निकल चुका है। दरअसल, हर महामारी की एक वक्र रेखा होती है, यानी रोजाना के नए मामलों का एक ग्राफ होता है, जिससे संक्रमण के प्रसार का आकलन किया जाता है। इस वक्र रेखा के मुताबिक, अपने यहां सितंबर-अक्तूबर में कोरोना शीर्ष पर था। इसके बाद से इसमें लगातार गिरावट आई है। नवंबर में त्योहारी मौसम होने के कारण कमी की दर ठहर जरूर गई थी, लेकिन अब तक शायद ही वक्र रेखा में एक फीसदी का भी इजाफा दिखा हो। यह भारत के लिए अच्छी स्थिति है। बावजूद इसके हमें बचाव से जुड़ी हर सावधानी बरतनी होगी। कोई भी संक्रमण हमारी जीवन शैली से जुड़ा होता है। टीकाकरण अपनाने और जीवन शैली ठीक करने के साथ-साथ हमें अब बढ़ती आबादी के बारे में भी सोचना चाहिए, क्योंकि सघन जनसंख्या संक्रमण की गति तेज कर देती है। प्रदूषण को भी नियंत्रित करना आवश्यक है, और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। रही बात मास्क और सैनिटाइजर की, तो किसी भी रसायन का लंबे समय तक इस्तेमाल नुकसानदेह हो सकता है। लिहाजा, सैनिटाइजर तभी लगाएं, जब पानी और साबुन की उपलब्धता न हो। और मास्क हमें अपने लिए ही नहीं, बल्कि अपनों के लिए भी लगाना चाहिए। संक्रमण के लक्षण दिखने पर यदि मास्क लगाए जाते हैं, तो न सिर्फ संक्रमण का प्रसार कम होता है, बल्कि दूसरों की सुरक्षा भी होती है। अपनों को सुरक्षित रखकर ही हम अपनी जान बचा सकते हैं।

प्रवीण कुमार सिंह

किसान नेताओं को सरकार के प्रस्ताव पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए

> कांग्रेस सरीखे दलों को तो किसानों की परवाह नहीं, लेकिन किसान नेताओं को यह समझना चाहिए कि पुरानी व्यवस्था और खेती के तौर-तरीकों से चिपके रहने से किसानों को कुछ हासिल नहीं होने वाला। किसान नेताओं के कहने पर दिल्ली आए किसानों को भी यह समझना चाहिए कि वे संकीर्ण राजनीति का मोहरा बनाए जा रहे हैं। अभी भी समय है, किसान हित की वास्तव में चिंता कर रहे किसान नेताओं को कृषि कानूनों को डेढ़ साल तक रोकने के सरकार के प्रस्ताव पर गंभीरता पूर्वक विचार करना चाहिए।

पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ किसानों द्वारा दिल्ली को घेर कर कृषि कानूनों को हटाने के लिए जो आंदोलन चलाया जा रहा है, वह अब एक जिद में तब्दील हो गया दिखता है। किसान नेताओं ने सरकार के उस प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया, जिसमें इन कानूनों को डेढ़ साल तक रोकने को कहा गया था। इससे यही लगता है कि किसान नेताओं का मकसद सरकार को नीचा दिखाना है। किसान नेता उच्चतम न्यायालय द्वारा बनाई गई कमेटी के सामने भी अपनी बात कहने को तैयार नहीं। वे कृषि कानूनों को वापस लेने और एमएसपी को कानूनी रूप देने पर अड़े हैं। किसान नेताओं के इसी रवैये को देखते हुए सरकार को यह कहना पड़ा कि अब उसके पास उनके लिए कोई प्रस्ताव नहीं। वास्तव में इसका कोई औचित्य नहीं कि सरकार तो लगातार नरमी दिखाए, लेकिन किसान नेता टस से मस न हों।

निःसंदेह भारत का किसान गरीब है, लेकिन सारे किसान गरीब नहीं हैं और जो किसान करीब दो महीने से दिल्ली में डेरा डाले हैं, वे तो खास तौर पर अपनी समृद्धि के लिए जाने जाते हैं। इसकी पुष्टि पंजाब, हरियाणा से लाखों ट्रैक्टर दिल्ली लाने की तैयारी से भी होती है। किसान ये ट्रैक्टर अपने खर्चे से लाएंगे और ले जाएंगे। संपन्नता के चलते ही यहां के किसान आमतौर पर दिहाड़ी मजदूरों से खेती कराते हैं। इसी कारण वे अपना काम-धाम छोड़कर इतने दिन से दिल्ली में डटे हैं। चूंकि किसान संगठनों को समर्थन दे रहे कांग्रेस एवं वाम दलों की दिलचस्पी किसानों को उकसाने में अधिक है इसलिए वे यह कहने को तैयार नहीं कि किसान गणतंत्र दिवस की गरिमा का ध्यान रखें। अपेक्षाकृत समृद्ध किसान तो दिल्ली में डेरा डाले हैं, लेकिन आम किसान उनके आंदोलन से दूरी बनाए

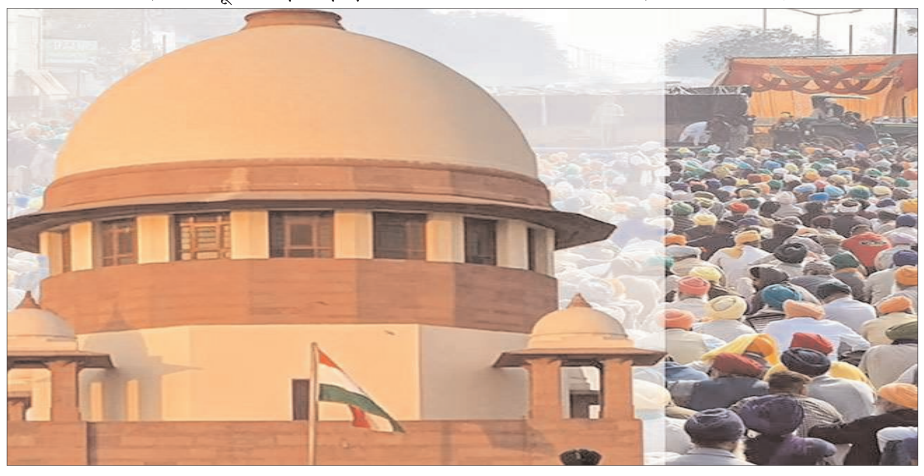

हुए हैं। वे इस आंदोलन में अपना हित नहीं देख रहे हैं।

कई किसान संगठन तो कृषि कानूनों को अपने लिए जरूरी मान रहे हैं। इसका कारण यह भी है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी का अधिकतर लाभ पंजाब और हरियाणा के किसान उठाते हैं। एक तरह से एमएसपी पर उनका एकाधिकार है। एमएसपी का लाभ उठाने वाले किसान उसे कानूनी रूप देने की मांग करने के साथ यह भी चाह रहे हैं कि उन्हें पराली जलाने से रोका न जाए और न ही बिजली की सब्सिडी में कटौती की जाए। पंजाब और हरियाणा के किसान यह समझने को तैयार नहीं कि धान की जरूरत से ज्यादा खेती के चलते भूजल का स्तर नीचे जा रहा है। इसके कारण उपजी समस्याएं गंभीर रूप लेती जा रही हैं। एक आकलन के अनुसार अगर दक्षिणी पंजाब में भूजल दोहन बंद नहीं हुआ तो वह रेगिस्तान में बदल सकता है। इस खतरे से पंजाब सरकार के साथ किसान भी अवगत हैं, लेकिन वे धान की खेती कम करने को तैयार नहीं। दरअसल एमएसपी के लालच में धान की खेती की जा रही है।

देश में सबसे पहले 1966-67 में गेहूं के लिए एमएसपी की घोषणा की गई थी। तब अनाज की तंगी से जूझ रहे देश में कृषि उत्पादन बढ़ाना और गरीबों के लिए अन्न का प्रबंध करना प्रमुख लक्ष्य था। एमएसपी जिस मकसद के लिए शुरू की गई थी, वह पूरा हो गया है। अब एमएसपी के दायरे वाली कई फसलों और खासकर गेहूं और धान का उत्पादन जरूरत से ज्यादा हो रहा है, लेकिन राजनीतिक कारणों से उनकी भी सरकारी खरीद करनी पड़ती है।

एमएसपी अधिक उपज वाली फसलों के लिए नहीं थी और न ही होनी चाहिए। एमएसपी तो उन्हीं फसलों के लिए होनी चाहिए, जिनकी पैदावार कम है और जिनका आयात करना पड़ता है। एमएसपी पर अनाज की खरीद सरकारी मंडियों से होती हैं और यह एक हकीकत है कि उनमें भ्रष्टाचार पनप गया है। यह भ्रष्टाचार अफसरों और बिचौलियों की मिलीभगत से होता है। हैरानी की बात है कि किसान नेता इस भ्रष्टाचार पर कुछ कहने के लिए तैयार नहीं। वे यह देखने को भी नहीं तैयार कि गैर जरूरी फसलें उगाना न तो उनके हित में है और न ही देश के।

भारतीय किसानों के पिछड़ेपन के लिए सरकारी नीतियां भी उत्तरदायी रहीं और परंपरागत खेती का प्रचलन भी। आजादी के बाद भारत में अन्न की कमी थी और उसके चलते उसका आयात करना पड़ता था। अब स्थितियां बदल चुकी हैं। बदली हुई स्थितियों में यह आवश्यक है कि किसान मुक्त अर्थव्यवस्था को अपनाएं यानी बाजार के साथ तालमेल करें। 1990 के दशक में जैसे उद्योग-व्यापार जगत को मुक्त अर्थव्यवस्था के दायरे में लाया गया, वैसे ही कृषि को भी लाने की जरूरत है। किसान नेता इस जरूरत को समझने से इन्कार कर रहे हैं। ऐसा करके वे आम किसानों का अहित ही कर रहे हैं। उन्हें यह देखना चाहिए कि आज देश के तमाम किसान अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा में आकर ठीक-ठीक कमाई कर रहे हैं। किसानों के लिए यह जरूरी है कि वे परंपरागत फसलें उगाने के बजाय आय के अन्य स्रोतों पर ध्यान केंद्रित करें।

किसान नेताओं की तरह कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल भी किसान आंदोलन की आड़ में मोदी सरकार को नीचा दिखाने की रणनीति पर चल रहे हैं। विपक्षी दल यह जानते हैं कि किसानों की हालत में सुधार लाने की जरूरत है और यह सुधार खेती को बाजार आधारित अर्थव्यवस्था से जोड़ने से होगा। इसी कारण कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में वैसे कानूनों की वकालत की थी, जैसे कानून मोदी सरकार ने बनाए हैं, लेकिन आज राहुल गांधी किसानों को बरगलाने के साथ मोदी को किसानों का दुश्मन बता रहे हैं।

कांग्रेस सरीखे दलों को तो किसानों की परवाह नहीं, लेकिन किसान नेताओं को यह समझना चाहिए कि पुरानी व्यवस्था और खेती के तौर-तरीकों से चिपके रहने से किसानों को कुछ हासिल नहीं होने वाला। किसान नेताओं के कहने पर दिल्ली आए किसानों को भी यह समझना चाहिए कि वे संकीर्ण राजनीति का मोहरा बनाए जा रहे हैं। अभी भी समय है, किसान हित की वास्तव में चिंता कर रहे किसान नेताओं को कृषि कानूनों को डेढ़ साल तक रोकने के सरकार के प्रस्ताव पर गंभीरता पूर्वक विचार करना चाहिए। किसी समस्या का समाधान सकारात्मक रवैये के साथ बातचीत करने से ही निकलेगा। नकारात्मक रवैये से कभी कुछ हासिल नहीं किया जा सकता।

आरक्षण के भीतर आरक्षण की संभावनाओं का पता लगाने वाले आयोग का कार्यकाल बार-बार बढ़ना ठीक नहीं

पिछड़े वर्ग के अंदर पिछड़ गई जातियों का पता लगाने के लिए अक्टूबर 2017 में गठित रोहिणी आयोग के विस्तारित कार्यकाल को एक बार फिर बढ़ा दिया गया। उसका कार्यकाल इसी 31 जनवरी को खत्म हो रहा था। इस आयोग के कार्यकाल को बार-बार बढ़ाए जाने से उन वर्गों का निराश होना स्वाभाविक है, जो आरक्षण के भीतर आरक्षण को अपने लिए लाभदायक मान रहे हैं। ध्यान रहे कि सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की पीठ ने भी आरक्षण के भीतर आरक्षण को सही ठहराया है। उसका कहना था कि आरक्षण का लाभ सभी तक समान रूप से पहुंचाने के लिए राज्य सरकारें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का वर्गीकरण कर सकती हैं। उसके अनुसार बदलती सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखे बगैर सामाजिक बदलाव के उद्देश्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उसने यह भी कहा था कि राज्य आरक्षण देते समय अनुच्छेद 14, 15 और 16 की अवधारणा के आधार पर सूची में दी गई अनुसूचित जातियों में तर्कसंगत उप वर्गीकरण भी कर सकते हैं। दरअसल अनुसूचित जातियों में कुछ अभी भी बहुत पिछड़ी हुई हैं, जबकि कुछ जातियां बहुत आगे बढ़ गई हैं। कई राज्यों ने इसके लिए विशेष कोटा लागू कर इस समस्या का समाधान करने की कोशिश की है। आंध्र प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु और बिहार ने पिछड़े दलितों के लिए कोटा के अंदर कोटा दिया है। बिहार में नीतीश सरकार द्वारा महादलित आयोग बनाकर कोटा के अलावा कई अन्य सुविधाओं की भी घोषणा की गई है। आंध्र प्रदेश में भी जस्टिस रामचंद्र राजू की सिफारिशों के बाद विधानसभा से कोटे के अंदर वर्गीकरण का प्रस्ताव पास कर लगभग 57 अति दलित जातियों को अतिरिक्त सुविधा मुहैया कराई गई है।

वास्तव में आजादी से पहले ही नौकरियों और शिक्षा में पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण देने की शुरुआत कर दी गई थी। आजादी के बाद प्रेसिडेंसी रीजन और रियासतों के एक बड़े हिस्से में पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण की शुरुआत हुई थी। महाराष्ट्र में कोल्हापुर के महाराजा छत्रपति शाहूजी महाराज ने 1901 में पिछड़े वर्ग की गरीबी दूर करने और राज्य प्रशासन में उन्हें हिस्सेदारी देने के लिए आरक्षण देना शुरू किया था। भारत में कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए आरक्षण उपलब्ध कराने वाला यह पहला सरकारी आदेश है। सामाजिक समता के लिए संघर्षरत समूह शाहूजी महाराज को सामाजिक न्याय के प्रथम महापुरुष के रूप में स्मरण करते हैं। 1901 में ही मद्रास प्रेसिडेंसी के सरकारी आदेश के तहत कमजोर वर्गों के लिए 44 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई। 1942 में डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सरकारी सेवाओं और शिक्षा के क्षेत्र में अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण की मांग उठाई थी। स्वतंत्र भारत में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए क्रमशः 15 प्रतिशत और 7.5 प्रतिशत आरक्षण का प्राविधान किया गया, लेकिन अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) को इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ा और संघर्ष भी। सर्वप्रथम 1953 में काका कालेलकर आयोग बना। उसने पिछड़ी जातियों का चार मानकों (सामाजिक सोपान, शैक्षणिक आधार, सरकारी नौकरियां और कारोबार) पर वर्गीकरण किया, लेकिन उनकी सभी सिफारिशें सरकारी दस्तावेजों में धूल चाटती रहीं। समाजवादी विचारक डॉ. राममनोहर लोहिया जब गैर कांग्रेसी सरकार बनाने के प्रयोग में लगे थे तब उन्होंने समाजवादी पार्टी के मंच से पहली बार पिछड़ों के आरक्षण की जोरदार वकालत की। पार्टी के मंच से यह नारा निरंतर गूंजता रहा-'ससोपा ने बांधी गांठ, पिछड़ा पाएं सौ में साठ।' इसमें हिंदू-मुसलमानों के पिछड़े वर्गों के अलावा महिलाओं के लिए विशेष अवसर के सिद्धांत की वकालत की गई थी। नौकरियों के अलावा पार्टी के संगठन में भी यह व्यवस्था लागू हो, ऐसा डॉ. लोहिया का कहना था। शाहूजी महाराज और डॉ. आंबेडकर के बाद पिछड़ी जातियों और अत्यंत पिछड़ी जातियों के आरक्षण के सिद्धांत को लागू करने का श्रेय कर्पूरी ठाकुर को जाता है। 1971 में बिहार के मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने मुंगेरीलाल आयोग का गठन किया। आयोग ने 1975 में अपनी रिपोर्ट दी, जिसमें पिछड़े वर्ग को दो भागों में विभाजित किया गया। अन्य पिछड़े वर्ग यानी ओबीसी में 128 जातियां और अति पिछड़े वर्ग यानी एमबीसी में 93 जातियां रखी गईं। 1977 में जनता पार्टी की ओर से बिहार का मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने 1978 में इस रिपोर्ट को स्वीकार किया। तब सरकारी नियुक्तियों में आरक्षण का फॉर्मूला बना, जिसके तहत आठ प्रतिशत ओबीसी, 12 प्रतिशत एमबीसी, 14 प्रतिशत एससी, 10 प्रतिशत एसटी, तीन प्रतिशत महिला और तीन प्रतिशत आर्थिक रूप से पिछड़ों को आरक्षण दिया गया। इसी प्रश्न पर जनता पार्टी दो हिस्सों में बंट गई और कर्पूरी ठाकुर को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया, लेकिन वह अति पिछड़ों के देशभर में सर्वमान्य नेता के रूप में स्थापित हो गए। बाद में मंडल आयोग की अनुशंसाएं अगस्त 1990 में लागू की गईं, लेकिन जनता दल के विभाजन के कारण वीपी सिंह को अपने पद से त्यागपत्र देना पड़ा।

हाइड्रोजन इकॉनमी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल में पेश बजट में हाइड्रोजन इकॉनमी पर खासा ध्यान दिया है। इस संबंध में उन्होंने न केवल ग्रीन हाइड्रोजन पर काम करने के लिए गठित नैशनल हाइड्रोजन एनर्जी मिशन का जिक्र किया, बल्कि इस मद में ढाई हजार करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है। हाइड्रोजन इकॉनमी आने वाले दौर की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता के रूप में उभर रही है।

इसका मतलब ऐसी अर्थव्यवस्था से है जो पेट्रोल, डीजल और प्राकृतिक गैस जैसे प्रदूषणकारी ईंधनों के बजाय हाइड्रोजन जैसे जीरो पल्यूशन फ्यूल पर चलती हो। वैसे तो इस पर काम काफी पहले से चल रहा है, पर दो-तीन ऐसी दिक्कतें अभी कायम हैं जिनकी वजह से हाइड्रोजन को व्यावहारिक विकल्प के रूप में स्वीकार करना संभव नहीं हो पा रहा। पहली दिक्कत सुरक्षा की है। अत्यधिक ज्वलनशील होने की वजह से हाइड्रोजन अपने साथ हमेशा अत्यधिक खतरनाक का टैग लिए चलती है। इससे चलने वाले किसी भी वाहन को सुरक्षित नहीं माना जा सकता।

ज्वलनशीलता और बहुत कम ताप पर रखे जाने की मजबूरी के चलते इसकी सेफ सप्लाई और भंडारण आज भी एक मुश्किल काम बना हुआ है। इसके अलावा उत्पादन लागत का सवाल भी है। पेट्रो पदार्थों की तुलना में हाइड्रोजन की प्रॉडक्शन कास्ट भी अभी काफी ज्यादा है। इन परेशानियों के बावजूद वैज्ञानिक लगातार लगे हुए हैं और नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। ताजा मामला चीन और ऑस्ट्रेलिया की एक रिसर्च टीम का है जिसने एक नए कैटलिस्ट के जरिए सोलर एनर्जी का इस्तेमाल करके समुद्री जल से हाइड्रोजन बनाकर दिखाया है। खर्चे और हाइड्रोजन की क्वांटिटी, दोनों ही लिहाज से इसको अब तक का सबसे अच्छा तरीका माना जा रहा है। हालांकि समुद्री पानी से हाइड्रोजन बनाने का काम कोई पहली बार नहीं हुआ नहीं है।

दो साल पहले की एक स्टडी में तब तक की खोजों के आधार पर अनुमान लगाया गया था कि दुनिया की तात्कालिक तेल जरूरतें पूरी करने भर की हाइड्रोजन पैदा करने के लिए सोलर फ्यूल रिग्स को 63,000 वर्ग मील (लगभग बिहार जितना) समुद्री क्षेत्र कवर करना होगा। बहरहाल, ग्रीन एनर्जी को लेकर ग्लोबल आग्रह कितना ज्यादा है, इसका अंदाजा आला अमेरिकी कार कंपनी जनरल मोटर्स की इस घोषणा से लगाया जा सकता है कि 2035 तक वह पेट्रो पदार्थों से चलने वाली गाड़ियों का उत्पादन पूरी तरह बंद कर देगी। जाहिर है, भारतीय वैज्ञानिकों के सामने कोई ऐसी राह निकालने की चुनौती है जिससे इस युगांतरकारी तकनीकी बदलाव में हम आत्मनिर्भर रह सकें। यह तभी होगा जब अपने प्रयासों का दायरा हम बजट में निर्धारित छोटी-सी राशि के आधार पर न तय करें, बल्कि अपने प्रयासों से यह सुनिश्चित करें कि बड़ी जरूरतों को देखते हुए उनके आधार पर बजट राशि आवंटित की जाने लगे।

अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के दौरान घटी घटनाओं को देखते हुए परिपक्व लोकतंत्र की छाप छोड़ता भारत

> उन्होंने अपने हितों के हिसाब से अपनी पसंद के प्रतिनिधि चुने और यह बुनियादी लोकतांत्रिक परंपरा के अनुरूप हुआ। अपने संबोधन में मोदी ने याद दिलाया कि ब्रिटेन में भारत विरोधी तमाम वर्गों को यह भी अंदेशा था कि भारत अपनी एकता कायम नहीं रख पाएगा। वे भी गलत सिद्ध हुए। भारत ने लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक मूल्यों को संरक्षित रखते हुए इन चुनौतियों को धता बताया।

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में 9 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में भारतीय लोकतंत्र से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण वास्तविकताओं पर प्रकाश डाला। चूंकि कुछ दिन बाद ही देश अपने गणतंत्र की वर्षगांठ मनाने जा रहा है तो इन तथ्यों की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। मोदी ने स्वतंत्रता के समय वाले उन बयानों का भी उल्लेख किया, जब तमाम लोगों ने संदेह व्यक्त किया था कि इतने गरीब और अशिक्षित देश में लोकतंत्र का टिके रहना असंभव होगा। इसके उलट सत्य यही है कि भारत आज भी एकजुट है और दुनिया में लोकतंत्र का सबसे सशक्त एवं जीवंत प्रमाण यदि कोई देश है तो वह भारत ही है। भारतीय नागरिक अपनी उस लोकतांत्रिक व्यवस्था पर उचित ही गर्व महसूस करते हैं, जो सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार पर आधारित है। इसमें अठारह वर्ष से अधिक के प्रत्येक भारतीय को मत देने का अधिकार प्राप्त है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव में भारतीय अपने प्रतिनिधियों का चुनाव कर सरकार को आकार देते हैं। ऐसे में भारतीय राजव्यवस्था के इस खास पहलू की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर चर्चा आवश्यक है। यह दर्शाता है कि हमारे राष्ट्र के संस्थापकों ने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और पूर्ण लोकतंत्र को देश के आधारभूत राजनीतिक सिद्धांत के रूप में अपनाने जैसा जोखिम उठाने का साहस दिखाया था। उस दौर के अधिकांश पश्चिमी राजनीतिशास्त्री और ब्रिटिश नेताओं ने आशंका व्यक्त की थी कि भारी तादाद में अशिक्षित और गरीब आबादी लोकतांत्रिक प्रणाली से ताल नहीं

मिला पाएगी। उनकी आशंका खासतौर से इस तथ्य को लेकर और बलवती थी कि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार वाले पूर्ण लोकतांत्रिक ढांचे को साकार करने में यूरोपीय देशों को सैकड़ों साल लग गए। वहां मताधिकार पुरुषों को ही प्राप्त था और वह भी धन-संपदा और शिक्षा पर आधारित था। महिलाओं के पास तो मताधिकार था ही नहीं और उन्हें वह हासिल करने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। ब्रिटिश महिलाओं को यह 1918 में जाकर हासिल हुआ तो फ्रांस में यह 1944 में मिला और स्विट्जरलैंड में तो केवल पचास साल पहले ही संभव हो सका। भारतीयों ने दिखा दिया कि राजनीतिक परिपक्वता का साक्षरता से कोई संबंध नहीं। भारतीय नागरिक वर्ष 1952 में हुए पहले आम चुनाव से ही अपनी इच्छा और अपने हितों की समझ के हिसाब से राजनीतिक बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन करते आए हैं। न केवल उन्होंने, बल्कि राजनीतिक वर्ग ने भी चुनावी नतीजों को हमेशा पूरी गरिमा के साथ स्वीकार किया। यही कारण है कि भारत में ऐसा कोई वाकया नहीं दिखा, जैसा विगत छह जनवरी को अमेरिकी संसद में तब देखने को मिला जब नए राष्ट्रपति जो बाइडन के निर्वाचन पर अंतिम औपचारिक मुहर लगाने की प्रक्रिया जारी थी। किसी भारतीय नेता ने चुनाव नतीजों को प्रभावित करने के लिए कभी अपने समर्थकों को इस प्रकार नहीं उकसाया। किसी ने विधायिका को अपमानित नहीं किया। यह दर्शाता है कि न केवल भारतीय लोकतंत्र सशक्त है, बल्कि निर्वाचन आयोग भी सभी चुनाव बेहतर तरीके से संपन्न कराता है। यह भी अमेरिका से उलट है, जहां चुनावों को विश्वसनीय बनाने के लिए चुनाव प्रबंधन में सुधार अपरिहार्य हो गए हैं। भारत में सत्ता हस्तांतरण में वैसे तेवर कभी नहीं दिखे जैसे अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप ने 20 जनवरी को दिखाए, जो परंपरा के अनुसार बाइडन के शपथ ग्रहण में शामिल नहीं हुए। उन्होंने परिपक्वता नहीं दिखाई। भारत में तल्ख चुनावी अभियान के बावजूद राजनीतिक बिरादरी परंपराओं का पालन करती है। यहां किसी पार्टी ने चुनाव नतीजों को वैसे खारिज करने का प्रयास नहीं किया जैसा अमेरिका में हुआ। सौभाग्य से अमेरिका में भी ऐसी कोशिशें फलीभूत नहीं हुईं।

यह अतिशयोक्ति नहीं कि औपनिवेशिक दासता से आजादी पाना भारतीय इतिहास की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जाती है। हालांकि इसकी अनदेखी की जाती है कि यह केवल भारतीय इतिहास ही नहीं, बल्कि विश्व इतिहास के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ऐसा इसलिए, क्योंकि भारत की स्वतंत्रता ने एशिया और अफ्रीका के तमाम गुलाम देशों को आजादी की राह दिखाई। भारत उन नवस्वतंत्र देशों को लोकतंत्र अपनाने में प्रेरक भी बना। हालांकि उनमें से तमाम देश लोकतंत्र को कायम रखने में नाकाम रहे। पाकिस्तान इसकी बड़ी मिसाल है, जहां फौज लोकतंत्र पर हावी होती गई। ऐसे देशों के लोग भारतीय लोकतंत्र से अभी भी रश्क करते हैं। 1977 में मिस्र में तैनाती के दौरान मुझे भी इसका अनुभव हुआ। यह वह साल था जब आपातकाल के बाद हुए लोकसभा चुनाव में इंदिरा सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया गया था। मिस्र में तब सैन्य तानाशाही थी, लेकिन दिखावा लोकतंत्र का था। हालांकि मिस्र की जनता इसे भलीभांति समझती थी। निजी मुलाकात में वे अपनी भावनाएं व्यक्त करते थे। कई लोगों ने खुद मुझे बताया कि वे भारतीय लोकतंत्र के मुरीद हैं, जहां लोग मताधिकार का इस्तेमाल कर इंदिरा गांधी जैसी मजबूत नेता को सत्ता से बेदखल कर सकते हैं। तमाम लोग यह भी कहते थे कि भारत में भले ही साक्षरता बहुत अधिक न हो, लेकिन राजनीतिक परिपक्वता का स्तर काफी ऊंचा है। स्वतंत्रता के उपरांत शुरुआती वर्षों में भारतीय कुलीन वर्ग के एक तबके, विशेषकर जिसने पश्चिमी देशों में शिक्षा प्राप्त की थी, को आशंका थी कि गरीब और अशिक्षित लोग प्रतिनिधि चुनने में नकारात्मक पहलुओं से प्रभावित हो सकते हैं। वे गलत साबित हुए। चुनाव दर चुनाव गरीब और हाशिये पर मौजूद समूहों ने मतदान में सूझबूझ का ही प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने हितों के हिसाब से अपनी पसंद के प्रतिनिधि चुने और यह बुनियादी लोकतांत्रिक परंपरा के अनुरूप हुआ। अपने संबोधन में मोदी ने याद दिलाया कि ब्रिटेन में भारत विरोधी तमाम वर्गों को यह भी अंदेशा था कि भारत अपनी एकता कायम नहीं रख पाएगा। वे भी गलत सिद्ध हुए। भारत ने लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक मूल्यों को संरक्षित रखते हुए इन चुनौतियों को धता बताया। इससे सुनिश्चित हुआ कि भारत एक स्वतंत्र एवं समावेशी समाज बना रहेगा, जो अपने सभी नागरिकों की प्रगति के लिए प्रतिबद्ध होगा, जिसमें सबसे कमजोर तबके को प्राथमिकता दी जाएगी।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

गया में पहले दिन मध्य विद्यालयों में कक्षा छठी से आठवीं तक में विद्यार्थियों की संख्या रही न के बराबर

गया । कोरोना महामारी के बीच हुए लॉकडाउन के दौरान विद्यालय पूर्ण रूप से बंद कर दिए गए थे। लगभग 11 माह के बाद सोमवार से राज्य सरकार के दिशा निर्देशानुसार कोविड-19 के गाइडलाइन का पालन करते हुए कक्षा छठी से आठवीं तक की कक्षाए शुरू कर दी गई। पहले दिन शहरी क्षेत्र के मध्य विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या कमोवेश कम दिखाई पड़ी। विद्यालय में विद्यार्थियों की 50 फ़ीसदी उपस्थिति भी नहीं दिखाई दी। विद्यालय के शिक्षक अपने निर्धारित समयानुसार पहुंच चुके थे। लेकिन विद्यार्थियों की संख्या नहीं थी। कई विद्यालयों में इक्का-दुक्का विद्यार्थी पहुंचे हुए थे।कक्षा संचालन के लिए पूर्व से विद्यालय में बेंच और टेबल की समुचित साफ सफाई की व्यवस्था नहीं की गई थी। इसी तरह जिले के कमोवेश सभी मध्य विद्यालय में बेहतर स्थिति नहीं दिखी। शहर के राजकीय मध्य विद्यालय पंचायती अखाड़ा के कक्षा छठी में एकमात्र छात्रा पहुंची हुई थी। विद्यालय के प्रधानाध्यापिका सुमित्रा कुमारी ने बताया कि कक्षा एक से आठवीं तक 209 विद्यार्थी अध्यनरत है।विद्यार्थियों को स्कूल खुलने की सूचना 2 दिन पूर्व दी गई थी। परंतु पहले दिन होने के कारण विद्यार्थी नहीं पहुंच सके हैं।हालांकि एक-दो दिन के बाद विद्यालय में विद्यार्थियों का आगमन होगा। मध्य विद्यालय पंचायती अखाड़ा में शिक्षक विद्यार्थियों का इंतजार करते देखे गए। लेकिन 11 बजे तक एक भी विद्यार्थी स्कूल परिसर में नही दिखाई पड़े। टेबल और कुर्सियों पर महीनों से धूल के परत चढ़े हुए थे। जिनकी साफ-सफाई तक नहीं की गई। स्कूल खोलने के पूर्व भी विशेष साफ-सफाई नहीं कराई गई थी। हालांकि राज्य सरकार के दिशा निर्देशानुसार स्कूल खोलने के पूर्व सभी विद्यालयों को सैनिटाइज कराने का आदेश दिया गया था। फिर भी इस आदेश की अवहेलना की गई और आनन-फानन में विद्यालयों को खोला गया। वहीं कई विद्यालयों में जीविका के द्वारा मास्क उपलब्ध नहीं कराया गया है नतीजा है कि विद्यार्थी बिना मास्क पहने ही कक्षा में पहुंचे हुए थे। मुरारपुर मध्य विद्यालय में शिक्षक धूप में बैठे दिखाई पड़े। वे विद्यार्थियों का इंतजार कर रहे थे।इक्का-दुक्का छात्राएं पहुंची। कक्षा छठी में मात्र 4 विद्यार्थी पहुंचे।विद्यालय के प्रभारी प्रधानध्यापक शंकर प्रसाद ने बताया कि कक्षा 6 में 42 कक्षा 7 में 57 और कक्षा 8 में 63 विद्यार्थी अध्यनरत है। वे विद्यार्थियों को सम विषम संख्या के आधार पर विद्यालय में उपस्थिति कराया। कक्षा छठी में पहुंची 4 छात्राओं को विद्यालय की शिक्षिका सत्या देवी ने अध्ययन कराया। छात्राओं ने बड़े उत्सुकता के साथ पहले दिन कक्षा में उपस्थित होकर पढ़ी। इसी विद्यालय के कक्षा सातवीं में मात्र एक विद्यार्थी देखे गए। फतेहगंज स्थित राजकीय दुर्गा मध्य विद्यालय में विद्यार्थी की संख्या नगण्य दिखी। विद्यालय में केवल तीन शिक्षक ही दिखाई दिए। कक्षा में फर्नीचर और कुर्सियों की साफ-सफाई नहीं की गई थी। टेबल पर धूल के परत पड़े हुए थे। इसी बीच आठवीं कक्षा की दो छात्रा पहुंची। उन्हें संस्कृत विषय को पढ़ाया गया।विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार अपने कार्यालय कक्ष में बैठे विद्यार्थियों का प्रतीक्षा करते देखे गए, लेकिन एक दो छात्राओं को छोड़कर एक भी विद्यार्थी स्कूल में नहीं पहुंच सके। उन्होंने बताया कि कक्षा 6 से वर्ग अष्टम तक मात्र 36 विद्यार्थी का दाखिला है। विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। प्रायः ऐसा देखा गया कि कमोबेश शहरी क्षेत्र के मध्य विद्यालयो में पहले दिन छात्र-छात्राओं की संख्या काफी कम दिखाई पड़ी जिससे विद्यालय के शिक्षक भी सकते में पड़ गए।

जालंधर के मूर्ति तारा देवी मंदिर में भजन संध्या संपन्न, तेरे नाम का सहारा मिल गया से किया मंत्रमुग्ध

जालंधर । मूर्ति तारा देवी मंदिर मीठा बाजार में माघ मास को लेकर भजन संध्या का आयोजन हुआ। प्रकाश देवा जी की अध्यक्षता में आयोजित भजन संध्या के दौरान स्त्री सत्संग सभा की अध्यक्ष अनिल कपूर ने कई मनमोहक भजनों के साथ मां के दरबार में हाजिरी लगाई। समारोह का आगाज श्री गणेश वंदना के साथ किया गया। इसके उपरांत उन्होंने तेरे नाम का सहारा मिल गया, तेरा करके दीदार अजज जाना तथा मेहरा वालिए मां पहाड़ा वालिए सहित कई मनमोहक भजन प्रस्तुत किए। जिन पर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर झूम उठे। इस दौरान नीरू कपूर ने कहा कि अछे संस्कार बचों को घरों से ही दिए जा सकते हैं। इसके लिए बचों को अधिक से अधिक समय देने के साथ-साथ उन्हें नैतिक जिम्मेदारियों का ज्ञान भी घर में बड़ों को देना चाहिए। प्रकाश देवा जी ने भी प्रवचनों के साथ सभी को मंत्रमुग्ध किया। आरती पूजा के उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया।

इस मौके पर रेखा होंडा, संतोष रानी, किरण देवी, उषा तलवाड़, किरण गुप्ता, डोली खन्ना, नीलम चौहान, सीमा, शशि बाला, रेनू महिंदरू, वंदना, कमला, प्रेमलता, उषा तलवार, आदर्श कालिया सहित सदस्य मौजूद थे।

मोगा में भाजपा नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला का घेराव करने पहुंचे संगठन, पुलिस व किसानों में झड़प

मोगा । नगर निगम चुनाव के लिए मोगा में भाजपा के लिए चुनाव आब्जर्वर बनाए गए पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला को किसानों के विरोध का सामना करना पड़ा। उनके काफिले को निकालने के लिए किसानों व पुलिस कर बीच हुई धक्का-मुक्की हुई। सांपला सोमवार को शहर के विभिन्न इलाकों में भाजपा प्रत्याशियों के लिए सभा संबोधित कर रहे हैं। जहां उनके कार्यक्रम है पुलिस ने पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया है। रामगंज मंडी के लोग पिछले 2 घंटे से बंधक बने हुए हैं। रामगंज मंडी चौराहे की तरफ जाने वाले सभी रास्ते पुलिस ने बैरिकेड लगाकर बंद कर दिए हैं। यहां तक कि इस इलाके में रहने वाले लोग भी अपने दोपहिया वाहनों के साथ घर तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। सिर्फ पैदल ही लोगों को जाने दिया जा रहा है। किसी के किसान होने के संदेह में उसकी पूरी जांच-पड़ताल की जाती है।

भाजपा के नगर निगम मोगा के चुनाव आब्जर्वर विजय सांपला ने दोपहर 12ः00 बजे मीडिया के साथ बातचीत की थी। उसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर वे दोपहर करीब 1ः30 बजे जैसे ही अपने काफिले के साथ रामगंज मंडी स्थित भाजपा प्रत्याशी सोनू अरोड़ा की सभा को संबोधित करने निकले तो वहां डेढ़ सौ की संख्या में भाकियू एकता के जिला सचिव बलौर सिंह के नेतृत्व में मौजूद किसानों ने विजय सांपला का काफिला रोकने का प्रयास किया। हालांकि सांपला की गाड़ी काफी आगे निकल चुकी थी। उसके बाद किसान यूनियन ने काफिले में शामिल एक अन्य गाड़ी को रोक लिया। पुलिस बल ने प्रदर्शनकारी किसानों को पीछे धकेलने का प्रयास किया, जिससे पुलिस व किसानों के बीच झड़प हो गई। बाद में काफिला निकल जाने के बाद किसान भी थोड़ी देर नारेबाजी करने के बाद वहां से चले गए।

मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा, लापता लोगों की तलाश की जा रही

देहरादून । मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि जोशीमठ के रैणी क्षेत्र से ग्लेशियर टूटने से उत्पन्न आपदा में के कारण तपोवन गांव के पास तपोवन विष्णु गंगा प्रोजक्ट का जो कार्य चल रहा था, इसमें काफी श्रमिक कार्य कर रहे थे। अभी तक जो आंकड़े प्राप्त हुए है, 11 शव रिकवर किए जा चुके है। लापता लोगों की तलाश की जा रही है। बता दें कल मुख्यमंत्री ने आपदाग्रस्त क्षेत्र का निरीक्षण किया था। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र ने कहा कि डीजीपी कल से ही इस क्षेत्र में कैंप किए हुए हैं। कमिश्नर गढ़वाल और डीआईजी गढ़वाल को भी आज से क्षेत्र में कैंप करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन की पूरी टीम कल से ही क्षेत्र में राहत एवं बचाव कार्यों में लगी है। अन्य जिला से भी अधिकारी मौके पर भेजे गये हैं, ताकि जो शव वहां पर मिलेंगे उनका पंचनामा एवं पोस्टमार्टम जल्द हो सके।

जिला प्रशासन, एसडीआरएफ, पुलिस, आइटीबीपी, सेना, और एनडीआरएफ की टीमें कल से राहत एवं बचाव कार्यों में लगी है। 35 लोगों के एक सुरंग में फंसे होने की आशंका है, उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। कल से ही इन लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान जारी है। मौके पर पर्याप्त मानव संसाधन है, एनडीआरएफ की अन्य टीमे भी तैयार हैं।

गाजीपुर में मुख्यमंत्री ने पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का किया निरीक्षण, जनसंवाद से जाना पूर्वांचल के मन की बात

गाजीपुर । सीएम योगी आदित्यनाथ का हेलिकॉप्टर लगभग 25 मिनट की देरी से कार्यक्रम स्थल पर पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के पास पहुंचा तो समर्थकों में उत्साह का कोई ओर छोर ही नहीं रहा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कार से पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का निरीक्षण किया जनप्रतिनिधियों व स्थानीय लोगों से जनसंवाद भी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 13 मिनट तक अधिकारियो के साथ की समीक्षा की। इसके बाद जनसंवाद स्थल पहुंचे। उन्होंने कहा कि सिक्सलेन निरीक्षण के लिए गाजीपुर आया हूं। अप्रैल तक सिक्सलेन को आवागमन के लिये चालू कर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका लोकार्पण करेंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम उत्तर प्रदेश को जल्दी ही ऐसा बना रहे हैं कि यहां पर लोग रोजगार ढूंढने आएंगे। मेरा मानना है कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे जैसे बनेगा यहां पर रोज़गार की ढेर सारी संभावनाएं आगे बढ़ेंगी। हमारे यहां के युवाओं को रोज़गार के लिए अन्य राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा बल्कि रोज़गार के लिए जिसको आना होगा यहां उत्तर प्रदेश में आएगा। हमारी सरकार विकास के हर कार्य को लेकर लगातार तत्पर है।

हर जगह पर यह सरकार सकारात्मक भाव की तैयारी से चल रही। आजमगढ़ व गाजीपुर को अब जल्दी ही पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे लखनऊ से जोड़ेगा। सिक्सलेन निर्माण से रोजगार और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल में माफिया विकास में बाधा थे। उनके ऊपर चाबुक चलाकर पूर्वांचल के विकास को गति दी गई है। पूर्वांचल से माफिया संस्कृति को सरकार ने समाप्त किया।

सीएम योगी आदित्यनाथ करीब एक घंटे तक जनपद में रहे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी संवाद किया। आयोजन को देखते हुए जिले के वरिष्ठ नेता सुबह ही कार्यक्रम स्थल कासिमाबाद के धरवारकला पहुंच गए। एक किमी दूर सभी तरह के वाहनों को सुरक्षा कारणों से रोक दिया गया।

इस दौरान कुल 40 मिनट तक सीएम का कासिमाबाद में रुकने का कार्यक्रम रहा। सुबह 9ः10 पर ही उनका आगमन होने वाला था, लेकिन 25 मिनट की देरी के बाद उनका हेलीकॉप्टर 9ः36 बजे धरवार कला हेलीपैड पर लैंड किया। इसके बाद वह उतरे और कार से एक्सप्रेस वे का निरीक्षण किया। इसके बाद अधिकारियों संग समीक्षा बैठक में भी वह शामिल हुए और फिर जनसंवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

सीएम के कार्यक्रम स्थल पर बहसः सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम स्थल पर हिन्दू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष अमित सिंह और चर्चित कोतवाल बलवान सिंह के बीच जमकर तीखी बहस हुई। बाद में मौके पर पहुंचे सदर एसडीएम के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ।मीडिया गैलरी में हियुवा का एक कार्यकर्ता पहुंच गया। इसे बलवान सिंह ने रोक दिया। यह देख जिलाध्यक्ष आग बबूला हो गए और बलवान सिंह से बहस करने लगे। जिलाध्यक्ष का आरोप है कि इंस्पेक्टर बलवान सिंह अपशब्दों का प्रयोग कर रहे थे। इस दौरान कुछ देर के लिए मौके अफरा-तफरी का माहौल हो गया।

कोचाड़ी गांव के बधार में मिला किसान का शव, स्वजनों ने जताई हत्या की आशंका, पुलिस बता रही हादसा

भगवानपुर (गया)। थाना क्षेत्र के कोचाड़ी गांव के बधार में सोमवार की सुबह एक किसान का शव मिला। इसकी सूचना जैसे ही गांव में हुई कि लोग सन रह गए। कोचाड़ी गांव सहित आसपास के गांवों में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने के कुछ ही देर बाद काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ घटना स्थल पर जुट गई। सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस पहुंची।

तब परिजन व ग्रामीणों ने शव को उठने नहीं दिया। थानाध्यक्ष के समझाने-बुझाने पर ग्रामीण माने। तब शव को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस भेज सकी। मृतक कोचाड़ी गांव निवासी स्व. सीताराम कुशवाहा के पुत्र ददन कुशवाहा 40 वर्ष बताए जाते हैं। मिली जानकारी के अनुसार किसान प्रतिदिन की तरह रविवार की रात भी घर से खाना खाकर अपने खेत पर सोने के लिए गए। जहां खेत के पटवन का कार्य चल रहा था। लेकिन सुबह में उनका शव मिला। परिजनों का कहना है कि उनकी हत्या की गई है। जबकि पुलिस प्रथम दृष्टया किसान की मौत करंट की चपेट में आने से मान रही है। हालांकि ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चर्चा हो रही है।

उधर सूचना के बाद पुलिस बल के साथ पहुंचे थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन ने घटना स्थल पर गहनता से जांच की। परिजनों की बात सुन कर शव को कब्जे में लेने का प्रयास किया। लेकिन परिजन व ग्रामीण शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने से रोक दिए। परिजन हत्या का आरोप लगा कर जांच की मांग करने लगे। इस पर थानाध्यक्ष ने ग्रामीणों को यह आश्वासन दिया कि इस मामले की जांच की जाएगी। यदि हत्या की बात सामने आई तो दोषी कोई भी होगा उसे छोड़ा नहीं जाएगा। बता दें कि इन दिनों भगवानपुर थाना क्षेत्र में लगातार घटनाओं के होने से लोगों में भय व्याप्त है। अभी बीते दिनों भगवानपुर में एक राज मिस्त्री का शव छत के छड़ के सहारे लटकता मिला था। तब मृतक राजमिस्त्री के परिजनों ने भी हत्या की आशंका व्यक्त की थी। अभी भगवानपुर थाना की पुलिस राज मिस्त्री की मौत की जांच कर ही रही थी कि तब तक सोमवार की सुबह कोचाड़ी में किसान का शव बरामद किया गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन ने कहा कि परिजनों ने अभी आवेदन नहीं दिया है। आवेदन देने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

मथुरा में गोवर्धन पर्वत के पत्थर ऑनलाइन बेचने के मामले में ई-कॉमर्स कंपनी के सीईओ समेत तीन गिरफ्तार

लखनऊ । वाराणसी में पीएम नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री कार्यालय को ओएलएक्स पर बेचने की साजिश के बाद एक और ऑनलाइन मार्केटिंग कंपनी का दुस्साहस सामने आया है। अब इंडिया मार्ट ने मथुरा के गोवर्धन पर्वत की शिला को ऑनलाइन बेचने का ऑफर देने के साथ ही शिला की कीमत भी तय कर दी है। इसकी जानकारी पर बवाल मचने के बाद पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया है। गोवर्धन पर्वत की शिला को बेचने के विरोध में साधु-संत सोमवार को मथुरा के जिलाधिकारी को ज्ञापन भी देंगे।

मथुरा में गोवर्धन पर्वत के पत्थरों को ऑनलाइन बेचने वाली कंपनी इंडिया मार्ट के फाउंडर और सीईओ दिनेश अग्रवाल, को-फाउंडर ब्रजेश अग्रवाल और मथुरा में सप्लायर अंकुर अग्रवाल के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर रविवार रात को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने जिन तीन लोगों को पकड़ा है उनमें से एक ई-कॉमर्स साइट का सीईओ है। मथुरा के गोवर्धन पर्वत का संबंध भगवान कृष्ण से है। इस पर्वत का धार्मिक महत्व भी काफी ज्यादा है। इस पर्वत को हिंदू धर्म के अनुयायी देवता मानते हैं।

एसपी ग्रामीण मथुरा शिरीष चंद्र ने कि कंपनी के सीईओ के साथ ही सप्लायर के खिलाफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल कर लोगों की भावना भड़काने के मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस मामले में इंडिया मार्ट के फाउंडर और सीईओ दिनेश अग्रवाल, को-फाउंडर ब्रजेश अग्रवाल और मथुरा

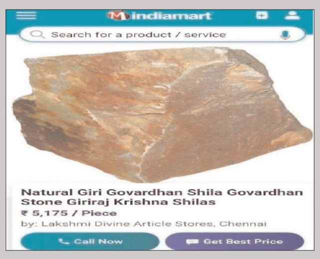

के सप्लायर अंकुर अग्रवाल के खिलाफ गंभीर धारा में केस दर्ज किया गया है।

वेबसाइट पर एक पत्थर की कीमत 5,175- मथुरा के एक सामाजिक कार्यकर्ता केशव मुखिया की शिकायत पर इंडिया मार्ट के खिलाफ गोवर्धन पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में इसी पुलिस स्टेशन में दस और शिकायतें दर्ज थीं, जिन्हें एक साथ जोड़ कर जांच की जा रही है।

वेबसाइट पर दावा किया जा रहा है कि यह पत्थर प्राकृतिक हैं। वेबसाइट पर एक पत्थर की कीमत 5,175 बताई गई है। वेबसाइट पर चेन्नई की एक फर्म का भी पता और बेचने वाली फर्म ओर दुकान का भी पता डाला गया है।

सैकड़ों लोगों ने किया प्रदर्शन

कंपनी के प्रयासों के खिलाफ सैकड़ों लोगों ने गोवर्धन पुलिस स्टेशन के सामने प्रदर्शन किया था। मथुरा में गोवर्धन पर्वत को हिंदुओं का पवित्र स्थान माना जाता है। यह भगवान कृष्ण के जीवन से संबंधित कई किंवदंतियों के लिए स्थापित है। जिन्हें माना जाता है कि यह पहाड़ी की धरती में सनिहित है। मथुरा के संत सिया राम बाबा ने कंपनी के कृत्य की निंदा करते हुए कहा कि गोवर्धन खुद कृष्ण हैं। गोवर्धन को शामिल करने वाले किसी भी व्यक्ति का व्यापार में प्रवेश करना देवता के क्रोध को आमंत्रित करना होगा।

इस बीच, उत्तर प्रदेश ब्राह्मण महासभा ने कंपनी और आपूर्तिकर्ता के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए सोमवार को मथुरा डीएम से मिलने का फैसला किया है। इसके साथ ब्रज के संतों ने गिरिराज शिला प्रकरण में कल सुबह होने वाले प्रदर्शन में भाग लेने का आह्वान किया है। कंपनी की करतूत का पता चलते ही मंदिर सेवायत और ब्रजवासी संगठनों ने विरोध जताया।

गोवर्धन पर्वत की बड़ी धार्मिक महत्ता- दीनबंधु दास महाराज ने कहा बताया गिरिराज जी महाराज हम सभी साधु संतों और ब्रजवासियों के इष्ट है। धार्मिक ग्रन्थों में लिखा हुआ है कि गिरिराज जी की शिला को गिरिराज तलहटी से बाहर ले जाना निषिद्ध है। उन्होंने बताया कि एक बार नेपाल के राजा गिरिराज जी की एक छोटी सी शिला को लेकर अपने साथ गए थे। फिर उनको खुद ही यहां लाकर छोड़ना पड़ा। निर्मोही अखाड़े के प्रवक्ता सीताराम बाबा ने शासन-प्रशासन से वेवसाइड पर बेन लगाने और ऐसे लोगो की गिरफ्तार करने की मांग की। गोवर्धन गिरिराज पर्वत को बचाने के लिए वर्षो से संघर्ष कर रहे और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में गिरिराज सरंक्षण मामले में याचिकाकर्ता आनंद गोपाल दास महाराज ने पीड़ा जाहिर करते हुए केंद्र सरकार और राज्य सरकार को चेतावनी दी है। इस मामले में लीगल कार्यवाही करने के साथ ही साथ इंडिया मार्ट वेबसाइड को बैन करने की मांग की है।

योगी सरकार का बड़ा कदम, 16 अंक की यूनीक आइडी से रुकेगी जमीन की धोखाधड़ी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने जमीनों के मामले में जनता को बड़ी राहत दी है। सरकार ने जमीन की धोखाधड़ी रोकने के साथ ही भू-माफिया पर शिकंजा कसने के लिए हर जमीन का 16 अंक का यूनीक आइडी नंबर जारी करने का फैसला कर लिया है। राजस्व विभाग ने इसको लेकर कमर कस ली है।

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में जमीनों को लेकर बढ़ते धोखाधड़ी के मामलों पर अब अंकुश लगेगा। सरकार ने धोखाधड़ी रोकने के लिए हर जमीन का 16 अंकों का यूनिक आईडी नंबर आवंटित कराने की प्रक्रिया और तेज कर दी है। राजस्व विभाग कृषि, आवासीय व व्यवसायिक भूमि को चिह्नति कर यूनिक आईडी नंबर जारी कर रहा है। इससे कोई भी व्यक्ति घर बैठे एक क्लिक जमीन का पूरा ब्योरा जान सकेगा। सभी राजस्व गांवों में भूखंडों के लिए यूनिकोड का मूल्यांकन शुरू हो गया है, लेकिन कम्प्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली में विवादित भूखंडों को चिह्नति करने का काम राजस्व न्यायालय कर रहे हैं।

लगेगी फर्जी बैनामा पर रोकः यूनीक आइडी कोड की मदद से विवादित भूखंड़ों के फर्जी बैनामों पर रोक लगाई जा सकेगी। प्रदेश भर में इस योजना को लागू किया जा रहा है। ज्यादातर जिलों में इस पर काम शुरू हो गया है। राजस्व गांवों में अवस्थित भूखंड़ों के लिए यूनीक कोड निर्धारण और वादग्रस्त भूखंड़ों का राजस्व न्यायालय कंप्यूटकरीकरण प्रबंध प्रणाली में अंकन करने का काम किया जा रहा है। इस योजना में जमीन के पुराने मालिक के साथ ही नए मालिक का भी नाम दर्ज होगा।

16 अंक का होगा गाटे का कोडः जमीनों के गाटे का यह यूनिक कोड सोलह अंकों का होगा। पहले एक से लेकर छह अंक गांव की जनगणना के आधार पर होगा। सात से दस तक भूखंड की गाटा संख्या और 11 से 14 अंक जमीन के विभाजन का नंबर होगा। 15 से 16 नंबर भूमि की श्रेणी होगी। जिससे कृषि, आवासीय और व्यवसायिक भूमि चिन्हित की जा सकेगी। जमीन की खरीद में हेरफेर और धोखाधड़ी रोकने के लिहाज से योगी सरकार की इस योजना को गेम चेंजर माना जा रहा है। प्रदेश में अब यह व्यवस्था लागू हो जाने के बाद कोई भी जमीन के मामले में धोखाधड़ी नहीं कर सकेगा।

हर हिस्से की अलग पहचानः राज्य के हर हिस्से की अपनी अलग पहचान होगी, जो अब भूमि विवाद के मामलों की जांच करेगा और लोगों को धोखेबाजों के जाल में फंसने से बचाएगा। उन्होंने कहा राजस्व विभाग सभी प्रकार की कृषि, आवासीय और वाणिज्यिक भूमि को चिह्नति करने के लिए यूनिकोड जारी करेगा और एक व्यक्ति अब एक क्लिक के साथ भूमि का विवरण जान सकेगा। यूनिकोड विवादित भूमि की नकली रजिस्ट्रियों को समाप्त कर देगा।

बिहार में कैबिनेट विस्तार को भाजपा ने सीएम नीतीश कुमार को सौंपी मंत्रियों के नाम की सूची, अब होगी घोषणा

पटना । बिहार मंत्रिमंडल के विस्तार में अब देर नहीं है। कई तरह के अवरोध के कारण विस्तार अभी तक टल रहा था। अब माना जा रहा है कि सारे अवरोध दूर हो गए हैं। सत्तारूढ़ दलों ने तैयारियां भी पूरी कर ली हैं। बस औपचारिक घोषणा का इंतजार है। अगले तीन-चार दिनों में कभी भी घोषणा की जा सकती है। बजट सत्र के पहले वैसे भी मंत्रिमंडल के विस्तार को जरूरी बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की हरी झंडी के साथ ही राजभवन की ओर से विधिवत रूप से तारीख और समय का एलान कर दिया जाएगा।

12 फरवरी से पूर्व होना है कैबिनेट विस्तार- बता दें कि पहले चर्चा थी कि भाजपा की ओर से कैबिनेट विस्तार में विलंब है, लेकिन रविवार को पत्रकारों के सवाल के जवाब में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने जो संकेत दिए इससे साफ हो गया। अहम यह है कि इससे पूर्व शनिवार को भी जायसवाल ने बेतिया में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यही बात कही थी। 19 फरवरी से बिहार का बजट सत्र घोषित है। ऐसे में माना जा रहा है कि 12 फरवरी से पूर्व सरकार कैबिनेट विस्तार सुनिश्चित कर लेगी। हालांकि अंतिम रूप से सबकुछ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्णय पर निर्भर करेगा।

विधानसभा के सदस्यों की संख्या 243 है। कुल सदस्य संख्या के 15 फीसद विधायक मंत्री बन सकते हैं। इस लिहाज से बिहार कैबिनेट में मुख्यमंत्री सहित 36 सदस्य शामिल हो सकते हैं। शिक्षा मंत्री मेवालाल चौधरी इस्तीफा दे चुके हैं। लिहाजा, कैबिनेट में 21 से अधिक नए सदस्यों के शामिल होने की गुंजाइश शेष है। हालांकि अभी यह कहना मुश्किल है कि किस दल से कितने मंत्री बनाए जाएंगे। एनडीए में भाजपा पहली बार बड़ी पार्टी बन कर उभरी है। इसलिए वह अधिक हिस्सेदारी की मांग भी कर सकती है। अहम यह है कि भाजपा ने इस बार ज्यादातर नए चेहरों को तरजीह दी है। महज एक पुराने मंत्री मंगल पांडेय की वापसी हुई है। वहीं, जदयू ने पुराने चेहरों पर अधिक भरोसा किया है। सिर्फ परिवहन मंत्री शीला मंडल नई हैं।

अनजान महिला की वाट्सएप-फेसबुक कॉल पर मीठी-मीठी बातों से रहें होशियार, मन डोला तो पड़ जाएंगे मुसीबत में

लखनऊ । सावधान, अगर रात के समय आपके पास किसी अनजान महिला की वाट्सएप अथवा फेसबुक मैसेंजर पर वीडियो कॉल आए तो उसे कतई रिसीव न करें। क्योंकि कॉल करते ही आप वरगल वीडियो चैट करने वाले हनी ट्रैप गिरोह की हसीनाओं के जाल में फंस जाएंगी। वह खुद तो मोबाइल स्क्रीन पर न्यूड होती ही हैं और आपको भी आपत्तिजनक वीडियो चैट के लिए प्रवोग करती हैं। आप अगर नहीं भी करते हैं तो वह कुछ ही सेकेंड्स में आपका वीडियो बनाकर उसे फेसबुक, यूट्यूब, इंटग्राम पर वायरल करने की धमकी देकर रुपयों की उगाही करती हैं। एसीपी साइबर क्राइम सेल विवेक रंजन राय ने अलर्ट जारी कर लोगों को सचेत रहने के लिए कहा है।

एसीपी साइबर क्राइम सेल विवेक रंजन राय ने बताया कि हनी ट्रैप गिरोह की यह महिलाएं आपको पहले वाट्सएप पर हाय, हेलो करती हैं अथवा आपको फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजती हैं। इसके बाद आपसे दोस्ती करके आपके बारे में धीरे-धीरे जानकारी जुटाती हैं। धीरे-धीरे आपसे आपत्तिजनक बातें करती हैं। इसके बाद आपको आपत्तिजनक वीडियो चैट के लिए प्रवोग करती हैं। अगर आप वीडियो चैट करने को तैयार हो जाते हैं तो वह आपका न्यूड वीडियो चैट अपने साथ बना लेती हैं। इसके बाद

सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर आपको ब्लैकमेल करती हैं।

केस नंबर एक : नाका क्षेत्र में रहने वाले निजी बैंक के सेल्स एक्जीक्यूटिव के पास मैसस बीते माह रात करीब दो बजे एक गिरोह की महिला का वाट्सएप मैसेज आया। महिला ने कहा हाय मैं और अपना नाम भेजा। एक्जीक्यूटिव घर पर अकेले थें। महिला ने बात की और कहा कि वह थोड़ी देर में काल करती है। पांच मिनट बात महिला ने फिर वीडियो कॉल की। कमरे में अंधेरा था महिला ने लाइट ऑन करने के लिए कहा। एक्जीक्यूटिव के द्वारा कमरे की लाइट ऑन करते ही मोबाइल स्क्रीन पर वीडियो कॉल के दौरान महिला की न्यूड दिखती है। एक्जीक्यूटिव बात करने लगते हैं। इस दौरान वह वीडियो बना लेती है। अगले दिन फिर उन्हें मैसेज करके रुपयों की डिमांड करती है कि आपका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है। इसके लिए खाते में 30 हजार रुपये पेटीएम करें। एक्जीक्यूटिव के मना करने पर वह धमकाती है। उनके फेसबुक फ्रेंड और अन्य पर वीडियो वायरल करने की धमकी देती है। बात 20 हजार पर तय हुई। एक्जीक्यूटिव डर के मारे 20 हजार रुपये का भुगतान कर देते हैं। दो दिन बाद महिला फिर उन्हें काल करके रुपयों की मांग करती है। इससे त्रस्त होकर एक्जीक्यूटिव ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम सेल में की। साइबर क्राइम सेल मामले की जांच कर रही है।

केस नंबर दो : गोमतीनगर निवासी रिटायर्ड डॉक्टर उम्र करीब 70 वर्ष। रात करीब 12 बजे एक युवती फेसबुक मैसेंजर पर हाय भेजती है। इसके बाद वीडियो कॉल करती है। डॉक्टर द्वारा कॉल रिसीव करते ही स्क्रीन पर न्यूड युवती दिखती है। डॉक्टर के विरोध करने पर वह उन्हें प्रवोग करती है। डॉक्टर कॉल कट कर देते हैं। अगले दिन महिला फेसबुक की प्रोफाइल में पड़े मोबाइल नंबर से डॉक्टर को कॉल करती है। उन्हें ब्लैकमेल करती है कि यह आपत्तिजनक चैट का वीडियो आपके फैमिली और फेसबुक फ्रेंड्स के पास भेजा जा रहा है। आप तत्काल रुपये पेटिएम करें। लोक लाज के कारण डॉक्टर कुछ रुपयों का भी भुगतान करते हैं। इसके बाद साइबर क्राइम सेल में शिकायत करते हैं।

एसीपी साइबर क्राइम सेल विवेक रंजन राय ने बताया कि वीडियो कॉल करने वाली इन महिलाओं और युवतियों के गैंग को ट्रैक कर लिया गया है। यह राजस्थान के भरतपुर, दौसा और हरियाणा के गुड़गांव का है। आइपी एड्रेस और नंबर के आधार पर इनकी लोकेशन ट्रेस की गई है। इनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। लगातार बढ़ती घटनाओं को देखते हुए अलर्ट भी जारी किया गया है कि लोग किसी अनजान महिला की वीडियो कॉल न रिसीव करें।

यहां से लेती हैं नम्बर और डाटा

साइबर क्राइम सेल के एक्पर्ट अखिलेश सिंह और शरीफ खान ने बताया कि इस गिरोह के लोग आपकी फेसबुक आईडी में अबाउट मी आबशन में जाकर वहां पड़े मोबाइल नंबर को ले लेती हैं अक्सर लोग अपना मोबाइल नम्बर भी प्रोफाइल में डालते हैं। इसके अलावा गूगल पर सेव नम्बरों से भी देता जुटाते हैं। आप अपने नंबर पेट्रोल पंप और शॉपिंग मॉल में शेयर करते हैं वहां के कर्मचारियों से डिटेल जुटाते हैं।

एक नजर

एआईएमआईएम को भाजपा की बी टीम बताने पर ओवैसी ने जतायी नाराजगी, कहा- मैं राजनीति की लैला हूं

अहमदाबाद । गुजरात में 2022 के विधानसभा चुनाव के दंगल से पहले स्थानीय निकाय चुनाव का रंग जमता नजर आ रहा है। यह चुनाव एआईएमआईएम तथा पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति के साए में और भी रोमांचक हो गए हैं। गुजरात पहुंचते ही जहां असदुद्दीन ओवैसी ने खुद को भारतीय राजनीति की लैला बताया वही पाटीदार नेताओं ने कांग्रेस को आंख दिखाते हुए दो टूक कहा की उनकी उपेक्षा महंगी पड़ेगी। अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट, जामनगर, भावनगर महानगर पालिका के चुनाव के लिए भाजपा कांग्रेस आम आदमी पार्टी के अलावा सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लमीन के भारतीय ट्राइबल पार्टी के साथ गठबंधन हो जाने से आदिवासी तथा मुस्लिम मतदाता बहु सीटों पर कांग्रेस को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

ओवैसी ने गुजरात पहुंचते ही एआईएमआईएम को भाजपा की बी टीम बताने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि मैं राजनीति की लैला हूं, पिछ्ले 20 सालों में गुजरात में कांग्रेस लगातार हारती आ रही है जबकि हमारी पार्टी अब तक यहां चुनाव नहीं लड़ रही थी। ओवैसी ने भरूच तथा अहमदाबाद में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए वर्ष 2002 में गुजरात में हुए दंगों की घटनाओं तथा 2006 में वडोदरा में याकूतपुरा दरगाह को तोड़े जाने की घटनाओं का जिक्र करते हुए अपनी ओर से की गई मेहरबानियां की भी याद दिलाई। ओवैसी ने कहा दंगों के बाद वे करीब 25 डॉक्टरों की टीम तथा 50 लाख रुपए की दवाई लेकर यहां पहुंचे थे। अहमदाबाद तथा अन्य इलाकों में मेडिकल कैंप लगाकर उनकी टीम ने करीब 10000 लोगों की मदद की थी। भारतीय ट्राइबल पार्टी के नेता छोटू भाई वसावा भी अब भाजपा में कांग्रेस पर हमले तेज करते हुए कहा है कि दोनों ही दल एससी एसटी, ओबीसी तथा आदिवासियों के विरोधी हैं। वसावा ने कहा कि आदिवासियों को जल, जंगल, जमीन के अधिकार नहीं मिल रहे हैं उन्हें अपने ही घरों से निकाला जा रहा है। आम आदमी पार्टी ने भी इस बार स्थानीय निकाय चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सूरत तथा अहमदाबाद में पार्टी के सांसद संजय सिंह तथा दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया अपने अपने तरीके से मतदाताओं को लुभाने का प्रयास भी कर चुके हैं। करीब 5 साल पहले आरक्षण की मांग को लेकर बनी पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति ने 2015 में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को सीधा फायदा कराया था। सूरत की वराछा व आसपास के क्षेत्र की 28 सीट में से कांग्रेस 21 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। इस बार भी कांग्रेस ने पाटीदार समिति के कुछ नेताओं को टिकट दिया जिनमें धर्मेंद्र मालवीय अल्पेश कथिरिया व उनके साथी शामिल हैं लेकिन उन्होंने टिकट बंटवारे में पाटीदारों की उपेक्षा को लेकर अपने एक दर्जन उम्मीदवारों को चुनाव नहीं लड़ने के लिए राजी कर लिया। कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष वह पाटीदार युवा नेता हार्दिक पटेल के पर कतरने के चक्कर में विधानसभा में नेता विपक्ष परेश धनानी तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री भरत सिंह सोलंकी ने सूरत में अपने चहेतों को टिकट दिलवा दिए लेकिन इन सीटों पर पाटीदारों की मदद के बिना जीत मुश्किल है।

गुजरात में खाली हुई दो राज्यसभा सीटों पर चुनाव 1 मार्च को, चुनाव आयोग ने किया ऐलान

गांधीनगर । गुजरात की खाली हुई दो राज्यसभा सीटों का चुनाव 1 मार्च को होगा। कांग्रेस नेता अहमद पटेल तथा भाजपा नेता अभय भारद्वाज के निधन के चलते यह 2 सीटें खाली हो गई थी। केंद्रीय चुनाव आयोग ने राज्यसभा चुनाव की घोषणा करते हुए बताया है कि 11 फरवरी को इस चुनाव की अधिसूचना जारी होगी तथा आवश्यक हुआ तो 1 मार्च को मतदान होगा।

मतदान गुजरात विधानसभा परिसर में सुबह 9ः00 बजे से शाम 4ः00 बजे तक होगा। गुजरात में पिछ्ले दो राज्यसभा चुनाव काफी रोचक थे क्योंकि भारतीय जनता पार्टी विधानसभा में अपने सदस्य की संख्या को देखते हुए दोनों बार एक अतिरिक्त उम्मीदवार को मैदान में उतार दिया था। हालांकि गत चुनाव में 4 सीटों के लिए जहां कांग्रेस ने शक्ति सिंह गोहिल तथा भरत सिंह सोलंकी को उम्मीदवार बनाया था। वही भाजपा ने अभय भारद्वाज, रमिलाबेन वारा के अलावा तीसरे उम्मीदवार के रूप में नरहरी अमीन को भी मैदान में उतार लिया था। इस चुनाव में 4 में से 3 सीटों पर भाजपा ने कब्जा जमा लिया जबकि कांग्रेस के हाथ एक ही सीट लगी। राज्यसभा की 2 सीटों पर होने वाले चुनाव में भाजपा व कांग्रेस दोनों को एक-एक पर जीत मिलने की संभावना है। गौरतलब है कि 2019 में हुए 2 सीटों के राज्यसभा चुनाव में आयोग ने दोनों सीटों पर अलग-अलग चुनाव कराया था, जिसके चलते दोनों ही सीट भाजपा के खाते में चली गई थी। लोकसभा चुनाव में जीत के बाद तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह तथा केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के इस्तीफे के चलते तब 2 सीटें खाली हुई थी।

महानगर पालिका चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका, दो उम्मीदवारों के फॉर्म रद

अहमदाबाद । महानगर पालिका चुनाव से पहले नामांकन पत्रों की जांच में कांग्रेस को झटका लगा है। राजकोट में कांग्रेस के दो उम्मीदवारों के फॉर्म रद हो गए वहीं राजकोट कांग्रेस के जिला अध्यक्ष की पत्नी अमी रावत के नामांकन पर भाजपा ने सवाल उठाए हैं। वाघोडिया से भाजपा विधायक मधु श्रीवास्तव ने अपने पुत्र व पुत्री को भाजपा का टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय चुनाव लड़ाने का एलान किया है। महानगर पालिका में निर्दलीय दावेदारी ठोक रहे पुत्र दीपक श्रीवास्तव के नामांकन में भी मधु श्रीवास्तव पहुंच गए। वही पुत्री को जिला पंचायत का टिकट नहीं मिलने पर उसके भी निर्दलीय चुनाव लड़ने की बात मधु श्रीवास्तव ने कही है। उधर पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति के नेताओं ने सूरत में कांग्रेस नेताओं की जनसभा नहीं होने देने की चेतावनी दी है। पाटीदार समिति के एक दर्जन नेता कांग्रेस से चुनाव नहीं लड़ने का भी दावा कर रहे हैं। उधर पाटीदार युवा नेता तथा सूरत महानगर पालिका में कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुंभनिया का कहना है कि किसी समाज की ओर से इस तरह की चेतावनी उचित नहीं है। कांग्रेस ने कभी भी पाटीदार समाज का विरोध नहीं किया तथा उसका कोई नुकसान नहीं किया इसलिए इस तरह का चेतावनी देना गलत है। महानगर पालिका चुनाव के लिए सोमवार को प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की जांच चल रही है आगामी 21 फरवरी को मतदान होगा। अहमदाबाद सूरत राजकोट वड़ोदरा जामनगर तथा भावनगर महानगर पालिका के चुनाव के लिए नामांकन बीते सप्ताह हो चुके हैं आगामी मंगलवार को प्रत्याशी अपने नाम वापस ले सकेंगे। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन, भारतीय ट्राईबल पार्टी आदि अपना भाग्य आजमा रही है।6 महानगर पालिका के 144 वार्ड से 576 प्रत्याशी चुने जाएंगे। महानगर पालिका में एक करोड़ 73 लाख मतदाता है तथा चुनाव संपन्न कराने के लिए 108 अधिकारी नियुक्त किए गए हैं छह महानगरों के 11477 बूथ पर 13246 इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से मतदान कराया जाएगा इस चुनाव में 62 कर्मचारी तथा 31 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

चेन्नई से अगवा करने के बाद पालघर के जंगलों में जिंदा जलाए गए नौसैनिक के बारे में महाराष्ट्र पुलिस का अहम खुलासा

पालघर । महाराष्ट्र पुलिस ने रविवार को कहा कि चेन्नई एयरपोर्ट से अगवा करने के बाद पालघर के जंगलों में जिंदा जला दिए गए नौसैनिक सूरज कुमार दूबे शेयर बाजार में पैसे लगाते थे। इसके लिए उन्होंने विभिन्न स्त्रोतों से करीब 23 लाख रुपये कर्ज ले रखे थे। हालांकि, हत्या की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हुई है, लेकिन पुलिस का कहना है कि वह मामले को उजागर करने के करीब पहुंच गई है। पालघर के पुलिस अधीक्षक दत्तात्रेय शिंदे ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 27 वर्षीय सूरज कुमार दूबे के पास तीन मोबाइल फोन थे, जिनमें से एक का उपयोग सिर्फ शेयर बाजार के कामकाज के लिए करते थे। सूरज के शेयर बाजार में खरीद-फरोख्त के काम से उनके परिजन भी अनजान थे। शिंदे ने यह भी बताया कि दूबे ने आठ लाख रुपये का पर्सनल लोन ले रखा था। इसके अलावा अपने एक सहकर्मी से 5.75 लाख रुपये और होने वाले ससुर से नौ लाख रुपये कर्ज लिए थे। सूरज दूबे की सगाई 15 जनवरी को हुई थी और मई में शादी होने वाली थी। शिंदे ने बताया कि सूरज ने अपने सहकर्मी को जल्द पैसे लौटाने का भरोसा दिलाया था।

राजस्थान में गहलोत की ढीली सरकार के शासन में बढ़ा अपराधों का ग्राफ :अरूणसिंह

जोधपुर । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री, राजस्थान के प्रभारी राज्यसभा सदस्य अरूणसिंह ने कहा कि राजस्थान में जोधपुर सहित हर जिले में कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है सरकार हर मोर्चे पर विफल है प्रदेश के मुख्यमंत्री खुद अशोक गहलोत के घर में भी असुरक्षा का माहौल हैं।

उन्होंने चूरू की गेंगवार का जिक्र किया और कहा कि राजस्थान में अपराध का ग्राफ बढ़ता जा रहा है, पुलिस खुद सुरक्षित नहीं है। सूर्यनगरी की जनता ने जीताकर मुख्यमंत्री बनाया उसी सूर्यनगरी की जनता के साथ तक सौतेला व्यवहार हो रहा है। जोधपुर के व्यास विश्वविद्यालय से जुड़े मामले में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर भी उन्होंने कई सवाल उठाए। राजस्थान के प्रभारी एवं राज्यसभा सदस्य श्री अरूणसिंह ने भारतीय जनता पार्टी जोधपुर शहर की ओर से आयोजित वार्ता में चूरू में हाल ही गेंगवार की घटना व जोधपुर में बढ़ते अपराध का जिक्र किया और कहा कि मुख्यमंत्री जी प्रदेश में लॉ एण्ड ऑर्डर को दुरस्त नहीं कर सकते तो कम से कम अपने वादे को तो पूरा किजिए। बिजली के दाम नही बढ़ाने की बात कही थी लेकिन बिजली के दाम बढ़ा दिए। बेरोजगारी भत्ता देने का वादा पूरा नहीं किया। किसानों के कर्ज माफ करने का वादा भी पूरा नहीं किया।

आज किसान दर-दर की ठाकरे खा रहा है और गहलोत जी व राहुल जी से पूछ रहा है कि हमारा कर्जा कब माफ होगा। उन्होंने केन्द्र सरकार के बजट को सर्वस्पर्शी और आमजन व किसानों के हित में बताया और कहा यह बजट भारत की तकदीर बदलेगा।

राजस्थान में टीम वसुंधरा और टीम गजेंद्र सिंह और प्रदेशाध्यक्ष टीम सतीश पूनिया के अलावा कई अन्य नेताओं को मुख्यमंत्री की रेस का दावेदार बताकर अलग-अलग तरीकों से सोशल मीडिया और खेमे बाजी की बातें उठती रहती है। इसको लेकर राजस्थान के प्रभारी अरुण सिंह में कहा कि भाजपा संगठन में किसी प्रकार की कोई कलह नहीं है।

राजस्थान में भाजपा के नेताओं के अलग-अलग फैन क्लब के साथ शक्ति प्रदर्शन किए जाने को लेकर प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि संगठन में सभी साथ हैं और यदि ऐसा कुछ देखा भी जाता है तो सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी के लिए ही संकल्पित रहने का निर्देश दिया जाएगा।

किसानों के हित में है तीनो अधिनियम- सिंह ने केंद्र की मोदी सरकार के बजट की सराहना करते हुए किसानों के हित में पारित किये गये तीनों अधिनियमों के बारे में संक्षिप्त में बताया और इस अधिनियम से देश के किसानों की आय दुगुनी होगी। सिंह ने कहा कि विषम परिस्थितियो में यह बजट रखा गया।देश की आजादी के 50 साल बाद कांग्रेस 37 हजार 330 करोड़ रूपये स्वास्थ्य सुविधा के लिये बजट में डालती थी। हमारी सरकार ने दो लाख अडतीस हजार करोड़ रुपए लगभग 9 से 10 गुणा पैसे स्वास्थ्य के लिए रखा है।

दो दिन राजस्थान में रहकर किसान सम्मेलनों को संबोधित करेंगे राहुल गांधी

जयपुर । कृषि कानूनों के खिलाफ देश में किसान आंदोलन चल रहा है। कांग्रेस किसान आंदोलन का खुलकर समर्थन कर रही है। राजस्थान में किसान आंदोलन को तेज करने और पार्टी की किसानों के प्रति सहानुभूति जताने के लिहाज से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। राहुल गांधी 12 फरवरी को सुबह 11 बजे हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा और दोपहर 2 बजे श्रीगंगानगर जिले के पदमपुर में किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

राहुल गांधी किसानों के साथ संवाद भी करेंगे। इसके अगले दिन 13 फरवरी को वे नागौर जिले में ट्रैक्टर रैली करेंगे। यह ट्रैक्टर रैली नागौर जिले के दो से तीन विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत,कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी अजय माकन, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा राहुल गांधी के साथ रहेंगे। पीलीबंगा व पदमपुर में होने वाले सम्मेलनों के समन्वय की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्रियों हारून युसुफ और राजकुमार चौहान को सौंपी गई है। ये दोनों नेता रविवार को डोटासरा के साथ दोनों सम्मेलन स्थलों का दौरा कर के गए हैं।

राहुल गांधी के किसान सम्मेलनों में भीड़ लाने के लिए कांग्रेस विधायकों, प्रधानों व नगर निकाय प्रमुखों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी राहुल गांधी के दौरे की तैयारियों को लेकर बैठक ली। उधर पायलट मंगलवार को भरतपुर में किसान महापंचायत को संबोधित करेंगे।

पायलट ने इन दिनों जिलों में किसान महापंचायत आयोजित करने का अभियान चला रखा है। पिछले सप्ताह उन्होंने दौसा में किसान महापंचायत की।

तीन नये कृषि कानून देश की खाद्य सुरक्षा पर आघात, हो जाएगा अनाज का संकटः येचुरी

पटना । सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी ने आरोप लगाया है कि केन्द्र सरकार के तीन नये कृषि कानून देश की खाद्य सुरक्षा पर आघात हैं। ये कानून अगर बरकरार रहे तो अनाज का संकट उत्पन्न हो जाएगा। कृषि कानूनों का तो उद्देश्य ही अलग है। किसानों की मांग नाजायज नहीं है। उनका बस इतना कहना है कि कृषि सुधार का कानून बनाना है, तो पहले उनसे बात की जाए। साथ ही उसके पहले वर्तमान कानून वापस लिए जाएं।

श्री येचुरी रविवार को पटना के अवर अभियंता भवन में पार्टी नेता गणेश शंकर विद्यार्थी की श्रद्धांजलि सभा में बोल रहे थे। कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी ने पूरा जीवन किसानों और मजदूरों के हित की लड़ाई लड़ने में बिता दी, लेकिन आज देश में क्या हो रहा है। करोड़ों युवकों की नौकरी चली गई और कोरोना काल में भी बड़े घरानों की संपत्ति में 13 लाख करोड़ का इजाफा हुआ।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि देश के संविधान पर खतरा उत्पन्न हो गया है।

हिन्दू राष्ट्र बनाने की साजिश में संविधान बड़ा अवरोध है। लिहाजा संविधान को ही बदलने की साजिश चल रही है। आशंका जताई कि अगर अलग-अलग मत होने के बावजूद सभी दल एकजुट नहीं हुए तो देश टूट जाएगा। देश में पहली बार देखा जा रहा है कि कोई जज किसी पीएम की प्रशंसा कर रहा है। किसी की निजी राय हो सकती है। जिन संस्थाओं को स्वतंत्र होना चाहिए उनका राजनीतिक इस्तेमाल हो रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सीपीएम के राज्य सचिव अवधेश कुमार ने की। सीपीआई के रामनरेश पांडेय, माले के कुणाल, राजद के श्याम रजक, आलोक मेहता और उदय नारायण चौधरी सहित महागठबंधन के कई नेताओं और कवि आलोक धन्वा ने भी संबोधित किया।

कोटिया पंचायत में आन्ध्र प्रदेश का चुनाव मामलाः सुप्रीमकोर्ट जाएगी ओडिशा सरकार

भुवनेश्वर । कोटिया पंचायत में आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा पंचायत चुनाव की घोषणा के खिलाफ ओडिशा सरकार सुप्रीमकोर्ट जाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार की तरफ से प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस संबंध में बैठक कर रणनीति तैयार की जाएगी। इसके बाद ओडिशा सरकार सुप्रीमकोर्ट में आन्ध्र प्रदेश के अनुप्रवेश पर रोक लगाने के लिए आवेदन करेगी।

मिली जानकारी के मुताबिक एडवोकेट जनरल अशोक परिजा के हाईकोर्ट स्थित चैंबर में पूरे प्रसंग पर विस्तार से चर्चा करने के बाद सुप्रीमकोर्ट में जाने का सरकार ने निर्णय लिया है। कोरापुट जिलाधीश मधुसूदन मिश्र के तत्वावधान में एडीएम देवेन कुमार प्रधान, जिला पंचायत अधिकारी तथा सरकारी वकील विष्णु चरण पात्र प्रमुख इस प्रसंग पर एडवोकेट जनरल के साथ चर्चा की है।

आन्ध्र चुनाव आयोग की तरफ से ओडिशा के कोटिया पंचायत अन्तर्गत तलगजेईपदर, पटुसिनेरी एवं फगुणसिनोरी गांव को पंचायत की मान्यता देकर चुनाव कराने की घोषणा गई है। अगली 13 तारीख को इस इलाके में मतदान होने से पहले इस इलाके में केवल सरकारी योजना वितरण करने वाली आन्ध्र सरकार ने चुनाव कर सीमान्त गांव पर कब्जा करने को नई रणनीति बनायी है। इसे रोकने के लिए ओडिशा सरकार तत्परता दिखा रही है। इस संदर्भ में रणनीति बनाकर सुप्रीमकोर्ट के पास तथ्य देने को भी सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि 1936 में सीमा निर्धारित कर ओड़िशा प्रदेश का गठन हुआ था। 1955 में सीमा कमेटी बैठने के बाद आन्ध्र प्रदेश बना। ऐसे में सीमान्त गांव को लेकर विवाद उपजने से 1968 में ओडिशा सरकार ने सुप्रीमकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उस समय सुप्रीमकोर्ट ने तत्कालीन स्थिति को बनाए रखने के लिए निर्देश दिया था। यदि कुछ समस्या होती है तो फिर आपस में मिल बैठकर समाधान करने के लिए भी सुप्रीमकोर्ट ने निर्देश दिया था। हालांकिआन्ध्र प्रदेश इस क्षेत्र में बार- बार अनुप्रवेश कर विवादित परिस्थिति उत्पन्न कर रहा है।

इसी विवाद के बीच 2019 में आम चुनाव से पहले दोनों आन्ध्र एवं ओडिशा सरकार की तरफ से दोनों जिलों के जिलाधीश की बैठक हुई। इस बैठक में आन्ध्र प्रदेश की तरफ से ओडिशा में कोई बूथ ना बनाए जाने एवं ओडिशा के लोगों को अपना मतदाता ना बनाने को लेकर करारनामा हस्ताक्षरित हुआ। इस करारनामे का आन्ध्र प्रदेश उल्लंघन कर रहा है एवं पंचायत चुनाव कराने की प्रक्रिया जारी रखी है। परिणामस्वरूप आन्ध्र प्रदेश करारनामा का उल्लंघन कर रहा है, ऐसे में आन्ध्र सरकार के खिलाफ कोर्ट में मामला लड़ने का राज्य सरकार ने निर्णय लिया है।

कुछ बड़ा करने की फिराक में चीन, एलएसी पर तैनात किए होवित्जर, मिसाइल

नई दिल्ली । चीन के साथ गलवान हिंसा के बाद तनाव के हालात सुधारने के लिए भारत और चीन ने नौ राउंड की सैन्य वार्ता पूरी तो की है, लेकिन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) 3488 किलोमीटर की वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपने हथियारों के साथ पीछे हटने के कोई संकेत नहीं दिखा रही है। बल्कि उसने तो तिब्बत में मिसाइल इकाइयों और स्व-चालित होवित्जर के साथ तैयारी और मजबूत कर ली है।

नेशनल सेक्योरिटी प्लानर के अनुसार, पीएल तीनों क्षेत्रों में पैंगोंग त्सो के फिंगर एरिया में नए निर्माण के साथ सैनिकों और भारी उपकरणों की तैनाती को नए सिरे से कर रहा है। रक्षा मंत्रालय को सबूत मिले हैं कि पूर्वी लद्दाख के चुमार में एलएसी से महज 82 किलोमीटर की दूरी पर स्थित शिंकाने पीएलए कैंप के आसपास 35 भारी सैन्य वाहनों और चार 155 एमएम पीएलजेड 83 सेल्फ प्रोपेल्ड होवित्जर की ताजा तैनाती के संकेत हैं।

वहीं, रूडोक निगरानी सुविधा के पास, एलएसी से 90 किमी दूर, सैनिकों के लिए चार नए बड़े शेड और विभाजन क्वार्टर के पास वाहनों की भारी तैनाती और नए निर्माण कार्य पिछ्ले महीने देखे गए हैं। रुडोक और शिक्नेह दोनों कब्जे वाले अक्साई चिन क्षेत्र में हैं।

इधर, भारत चीन के साथ लगने वाली उत्तरी सीमाओं पर अपनी सर्विलांस क्षमता बढ़ाने जा रहा है। वहीं बड़ी संख्या में ड्रोन, सेंसर, सैनिक सर्वेक्षण और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण तैनात करेगा ताकि पीएलए की गतिविधियों पर नज़र रखी जा सके और घुसपैठ का पता लगाने के लिए भी कदम मज़बूत हों।

बता दें कि बीते साल 15 जून को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में पीएलए के जवानों ने भारतीय सैनिकों पर धोखे से हमला कर दिया था। इस हमले में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए जबकि चीन के 40 से ज्यादा सैनिकों की मारे जाने की खबर है। हालांकि, चीन ने अब तक मारे गए अपने सैनिकों की संख्या की पुष्टि नहीं की है। इस हिंसक झड़प के बाद भारत ने एलएसी पर चीन के प्रति अपने रवैये में बड़ा बदलाव करते हुए कई रणनीतिक चोटियों पर कब्जा कर लिया।

किसान आंदोलनः लाल किला उपद्रव में चंडीगढ़ का शख्स गिरफ्तार, पुलिस ने रखा था 50,000 का ईनाम

नई दिल्ली । बीते 26 जनवरी को कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों की ट्रैक्टर रैली ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान काफी उपद्रव भी हुआ। मामले को लेकर जांच के बीच दिल्ली पुलिस ने रविवार को बताया कि उन्होंने चंडीगढ़ के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। ये शख्स कथित रूप से उन प्रदर्शनकारियों के एक समूह का नेतृत्व कर रहा था जिसने गणतंत्र दिवस की ट्रैक्टर रैली के दौरान लाल किले में प्रवेश किया था।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि गिरफ्तार शख्स की पहचान सुखदेव सिंह के रूप में पृहुई है, जो कि किले में हिंसा और बर्बरता में शामिल थे। पिछ्ले हफ्ते, पुलिस ने सिंह की गिरफ्तारी के लिए किसी भी जानकारी के लिए 50,000 रुपये की घोषणा की थी।

गणतंत्र दिवस पर लाल किले में किसान समूहों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पों के बाद 27 जनवरी को दर्ज किए गए पहले मामले के सिलसिले में हरियाणा के करनाल निवासी 59 वर्षीय सिंह को गिरफ्तार किया गया था। उन पर भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत हत्या, दंगा, डकैती, चोरी और सार्वजनिक संपत्ति अधिनियम, प्राचीन स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों और अवशेष अधिनियम को नुकसान पहुंचाने के तहत हथियार के अवैध कब्जे का आरोप लगाया गया है।

जांचकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने हिंसा में शामिल विभिन्न लोगों को स्थानीय निवासियों और मीडिया की फोटो, वीडियो फुटेज और किले और आसपास के क्षेत्रों से सीसीटीवी कैमरा रिकॉर्डिंग के माध्यम से पहचान लिया है।

दिल्ली में गणतंत्र दिवस के दिन ट्रैक्टर परेड के तय मार्ग बदलकर आईटीओ और लालकिले तक पहुंचने से जबर्दस्त उपद्रव हुआ था। लालकिले पर उपद्रवियों की पहचान करने दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा फोटो वीडियो जांच में लिए गए। दिल्ली में किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान 10 किसानों और 8 पुलिस कर्मियों सहित कुल 18 लोगों के घायल होने की खबर आई। सभी 18 घायलों को लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल ले जाया गया।

घट रहा कोरोना का कहर, 24 घंटो में 11,831 नए मामले तो ठीक हुए 11,904 लोग

नई दिल्ली । भारत समेत दुनिया भर के 190 से ज्यादा देश कोरोना वायरस संक्रमण से प्रभावित हैं। हालांकि अब भारत समेत कई देश इससे उबरने लगे हैं। कोरोना के दैनिक आंकड़ों में कमी राहत दे रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछ्ले 24 घंटों में भारत में 11,831 नए कोविड-19 मामले सामने आए हैं। यहां 11,904 लोग ठीक होकर डिस्चार्ज हो गए हैं जबकि इस दौरान 84 मौतें दर्ज हुई हैं।

देश को कुल मामलों की बात करें तो अब तक 1,08,38,194 लोगों को कोरोना संक्रमित पाया गया है। 1,05,34,505 लोग ठीक हो चुके हैं। मरने वालों की संख्या 1,55,080 पर है जबकि फिलहाल सक्रिय मामले 1,48,609 हैं। 58,12,362 लोगों को टीका लगाया जा चुका है।

इधर, कोरोना से लड़ने के लिए भारत अब पड़ोसी देशों को भी वैक्सीन भेजकर मदद कर रहा है। इसे भारत की वैक्सीन डिप्लोमेसी माना जा रहा है।

रविवार को अफगानिस्तान में भारत से भेजी गई वैक्सीन की पहली खेप पहुंची है। भारत की तरफ से अफगानिस्तान को एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन की 500,000 डोज भेजे गए। बता दें इस वैक्सीन के आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी अभी तक इंतजार है।

स्वास्थ्य मंत्रालय में टीकाकरण कार्यक्रम के प्रमुख गुलाम दस्तगीर नाज़री ने बताया कि काबुल में खुराक तब तक संग्रहित की जाएगी, जब तक कि आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी न मिल जाए। बताया जा रहा है कि एक हफ्ते के भीतर आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी मिलने की संभावना है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट में लिखा कि मेड इन इंडिया वैक्सीन अफगानिस्तान तक पहुंची। हम हमेशा अपने दोस्तों के साथ खड़े हैं। भारत ने अब तक 15 देशों को कोविड-19 वैक्सीन की आपूर्ति की है और 25 देशों से बात चल रही है।

बंगाल सरकार ने कई विभागों को 100 फीसद कर्मचारी क्षमता के साथ कार्य की अनुमति दी

कोलकाता । कोरोना वायरस से संक्रमण के मामलों में कमी आने के बीच बंगाल सरकार ने कई विभागों को अपने सभी कर्मचारियों को कार्यालय बुलाने की अनुमति प्रदान कर दी है। राज्य सचिवालय नवान्न के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

दरअसल, कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर राज्य सरकार ने पिछ्ले साल जून में कार्यालय में कर्मचारियों का कार्य सप्ताह पांच दिन से घटाकर तीन दिन कर दिया था। साथ ही कार्यस्थल पर 70 फीसद कर्मचारियों के ही उपस्थित रहने की अनुमति थी।

वहीं, कंटेनमेंट जोन (निषिद्ध क्षेत्र) में रहने वाले कर्मचारियों को घर से ही काम करने को कहा गया था। इस बीच बंगाल के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार कार्यालय ने पिछ्ले सप्ताह जारी आदेश में कर्मचारियों को सभी कार्य दिवसों में कार्यालय आने को कहा है।

आदेश के मुताबिक, कर्मचारियों को कोविड-19 सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ ही मास्क पहनने और शारीरिक दूरी के नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। इसी तरह का आदेश श्रम एवं वित्त विभागों ने भी जारी किया है। राज्य के श्रम मंत्री मलय घटक ने कहा, हमने कार्यालय में पहले ही 100 फीसद उपस्थिति की अनुमति प्रदान की है और सभी कर्मचारियों ने कार्यालय आना शुरू कर दिया है।

अदित्य धुरवे द्वारा निर्मित सुंदर छाया कृति

केरल में क्राइम ब्रांच ने दर्ज किया

सनी लियोनी

का बयान, धोखाधड़ी का है आरोप

केरल के क्राइम ब्रांच (Crime Branch) ने सनी लियोनी (Sunny Leone) का बयान दर्ज कर लिया है. उन पर एक इवेंट कंपनी ने याचिका दायर की थी जिसमें धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं.

एर्नाकुलम क्राइम ब्रांच ने एक्ट्रेस सनी लियोनी का बयान दर्ज किया है. उन पर एक इवेंट कंपनी ने याचिका दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि 2019 में वेलेंटाइन डे के प्रोग्राम में हिस्सा लेने के लिए उनसे 29 लाख में डील हुई थी, लेकिन सनी ने इवेंट नहीं किया. पेरुम्बावुर के शियास नाम के आदमी ने राज्य पुलिस को याचिका दी थी, जिसे क्राइम ब्रांच को भेज दिया गया था. इसी को लेकर सीबी की एक टीम ने तिरुवनंतपुरम में सनी से मुलाकात की और उनका बयान दर्ज किया, जहां सनी एक फिल्म की शूटिंग कर रही थीं.

याचिका में आरोप लगाया गया कि सनी को एडलक्स इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में रखे गए इवेंट के लिए पैसै भी दे दिए गए थे, लेकिन सनी नहीं आईं. सनी लियोनी ने मामले में क्राइम ब्रांच टीम को बताया कि कार्यक्रम को कई बार चेंज किया गया, जिसके बाद उनकी दूसरों को दी डेट्स से मैच नहीं कर रहा था. साथ ही डील के बचे हुए 12.50 लाख रुपये भी उन्होंने नहीं लिए थे. इसके बाद क्राइम ब्रांच ने दोनों पार्टी के व्हॉट्सऐप चैट चेक की है.

रिपोर्टस् के मुताबिक क्राइम ब्रांच को ये क्रिमिनल केस की जगह एक सिविल सूट लग रहा है. क्राइम ब्रांच अब कार्यक्रम में शामिल होने वाले बाकी के आर्टिस्ट से भी बयान लेगी, जो सनी की तरह इवेंट में नहीं गए थे. अगर उनके भी यही बयान है तो याचिका पर दोबारा सोचा जाएगा.

इससे पहले हाल ही में सनी ट्विटर और इंस्टाग्राम पर जमकर ट्रेंड कर रही थी. कारण था सनी का लेटेस्ट वीडियो. उन्होने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वो ढेर सारे लजीज व्यंजनों के साथ नजर आ रही थीं. उनका फूड रिव्यू का ये वीडियो फैंस को बेहद ही मजेदार लगा. सनी लियोनी ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है, 'फूड रिव्यू....सेट पर टीम स्पिल्ट्सविला क्या खाती है, उसका एक नजारा...' इस वीडियो में सनी लियोनी बता रही हैं कि नान को गपागप खाते हैं. यही नहीं वह दाल के बारे में भी बता रही हैं. इस तरह उनका यह फूड वीडियो तेजी से ट्रेंड करने लगा था. उनके फैंस इस पर खूब कमेंट कर रहे थे.

पूर्व मिस यूनिवर्स के ब्वॉयफ्रेंड रोहमन शॉल का खुलासा, 'सुष्मिता सेन के बच्चों का पिता हूं'

29 साल के मॉडल रोहमन शॉल अपने मॉडलिंग से ज्यादा बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन के ब्यॉयफ्रेंड होने की वजह से चर्चा में रहते हैं. रोहमन की हालिया रिलीज गाना 'मौला' काफी पसंद की जा रही है. यह गाना रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. इस गाने में उनके साथ एरिका फर्नांडिस हैं. इस गाने को पापोन ने अपनी आवाज दी है.

टाइम्स से बात करते हुए रोहमन ने बताया कि मुझे संगीत बहुत पसंद है. 'मुझे एक्टिंग कभी रास नहीं आई, मैं कभी एक्टर नहीं बनना चाहता था. मैंने इस म्यूजिक वीडियो में भी एक मॉडल की तरह काम किया. आमतौर पर यह माना जाता है कि एक मॉडल बाद में एक्टर हो जाता है. हांलाकि इसके लिए कुछ क्लासेस भी ली लेकिन मुझे समझ आ गया कि एक्टिंग मेरे बस की बात नहीं है'.

रोहमन बताते हैं कि 'सुष्मिता सेन से मुलाकात के बाद मेरे अंदर काफी बदलाव आया है. मैं मूल रुप से कश्मीर का रहने वाला हूं लेकिन मैं पैदा और बड़ा नैनीताल में हुआ. मेरी स्कूलिंग नैनीताल में हुई और इंजीनियरिंग देहरादून से की. कॉलेज के आखिरी साल में मेरे एक दोस्त ने मुझे मॉडलिंग की दुनिया से रुबरु करवाया. इसके पांच छह साल बाद मैं मुंबई आया और इसके करीब दो साल बाद मेरी मुलाकात सुष्मिता से हुई'.रोहमन बताते हैं कि 'इस मुलाकात ने मेरी जिंदगी बदल दी. लोगों को लगता है कि स्टार की जिंदगी बहुत आसान होती है लेकिन जब आप इन लोगों के साथ रहो तब इनकी मुश्किल का पता चलता है. इस रिश्ते से मेरे अंदर काफी बदलाव आया. जब मैंने मॉडलिंग शुरु की थी तो स्टार बनना चाहता था लेकिन अब मेरे प्लान बदल गए है. मैं बिजनेस करुंगा लेकिन फिलहाल मैं मॉडलिंग को एंजॉय कर रहा हूं. मैं कभी प्रसिद्ध होने की ख्वाहिश नहीं रखता हूं' रोहमन से अगर सुष्मिता से उनके संबंधों पर बात नहीं की जाए तो बातचीत अधूरी रहती है.

सुष्मिता और रोहमन की शादी को लेकर अक्सर सवाल पूछा जाता है. इसके जवाब में रोहमन कहते हैं कि 'मैं ,सुष्मिता और उनकी बेटियां रेने, एलीशा एक परिवार की तरह ही रहते है.

तैमूर के समय प्रेग्नेंसी में खराब हो गई थी करीना कपूर की हालत, बताया इस बार कैसा कर रही हैं महसूस

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर दूसरी बार मां बनने वाली हैं। वह प्रेग्नेंसी पीरियड में भी लगातार काम कर रही हैं। करीना ने बताया कि पहली प्रेग्नेंसी के दौरान बहुत नर्वस थी, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। वह पहले से ज्यादा कॉन्फिडेंट फील कर रही हैं। करीना ने साल 2016 में बेटे तैमूर को जन्म दिया था।

इस समय करीना 9 महीने की प्रेग्नेंट हैं लेकिन वह अपने काम पर भी फोकस कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने शूट के दौरान की कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए थे। इसके अलावा वह चैट शो की भी रिकॉर्डिंग कर रही हैं, जिसमें सेलेब्स गेट के तौर पर आते रहते हैं।

करीना ने टाइम्स नाउ से बातचीत में कहा, "मुझे लगता है कि मैं पहले ज्यादा तैयार और कॉन्फिडेंट हूं। जब मैं पहली बार मां बनने जा रही थी तो बहुत नर्वस और चिढ़चिढ़ी थी, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। मैं बहुत शांत हूं। मैं बिल्कुल भी क्रेजी नहीं हो रही हूं।

एक्ट्रेस ने प्रेग्नेंसी के दौरान काम करने पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, प्रेग्नेंट महिला क्यों काम नहीं कर सकती हैं? मुझे लोगों की यह बात में समझ नहीं आती है। मैंने पूरी प्रेग्नेंसी में काम किया है और डिलीवरी के बाद भी काम करूंगी। करीना ने आगे बताया कि एक्टिव रहना बच्चे के हेल्थ के लिए बहुत सही है।

करीना की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह आमिर खान के साथ लीड रोल में हैं। उन्होंने प्रेग्नेंसी के दौरान इस फिल्म की शूटिंग कम्प्लीट की पूरी की थी। इस फिल्म का निर्देशन सीक्रेट सुपरस्टार फेम डायरेक्टर अद्वैत चंदन कर रहे हैं।

आलिया भट्ट

खास शख्स' के साथ डिनर डेट पर पहुंची, रणबीर कपूर नहीं तो कौन है वो?

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपनी फिल्मों के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब सुर्खियों में रहती हैं. रणबीर कपूर के साथ आलिया का रिलेशनशिप किसी से छिपा नहीं है. ना सिर्फ रणबीर बल्कि उनके परिवार के साथ भी आलिया की अच्छी-खासी बॉन्डिंग है. रणबीर और आलिया आए दिन साथ में स्पॉट होते रहते हैं. दोनों ने न्यू-ईयर भी साथ ही मनाया था.

जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं. अब हाल ही में आलिया भट्ट डिनर डेट पर पहुंची थीं. लेकिन, खास बात ये है कि इस बार आलिया बॉयफ्रेंड रणबीर कपूर नहीं बल्कि किसी और शख्स के साथ डिनर के लिए गई थीं.

ऐसे में हर कोई यही जानना चाहता है कि अगर रणबीर कपूर नहीं तो आखिर वह खास शख्स कौन है, जिसके साथ आलिया डिनर डेट पर गई थीं. दरअसल, आलिया किसी और के साथ नहीं बल्कि बहन शाहीन भट्ट के साथ डिनर करने गई थीं. डिनर डेट से आलिया की एक फोटो भी वायरल हो रही है, जिसमें वह रेड ड्रेस में बेहद खूबसूरत और क्यूट लग रही हैं. फोटो में आलिया को कैमरे की तरफ देखते हुए स्माइल करते देखा जा सकता है. यह फोटो शाहीन भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर की है.

शाहीन भट्ट ने अपनी इंस्टा स्टोरी में आलिया भट्ट की यह फोटो शेयर की है. जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है- डिनर डेट. आलिया की यह क्यूट फोटो उनके फैंस के बीच खूब पसंद की जा रही है. वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया जल्द ही ब्रम्हास्त्र में नजर आएंगी.

जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर और अमिताभ बच्चन जैसे स्टार्स भी नजर आएंगे. फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं. यूजर्स कमेंट करते हुए उनकी तारीफ कर रहे हैं. वहीं हाल ही में आलिया अपने फैंस से Qx सेशल के तहत रुबरु हुईं, जहां उन्होंने अपने फैस के तमाम सवालों के जवाब दिए.

संक्षिप्त समाचार

एफडीआई सीमा बढ़ने से बीमा की पहुंच बढ़ेगी

नई दिल्ली। बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एफडीआई की सीमा को 74 प्रतिशत करने के बजट प्रस्तावों के कार्यान्वयन से देश में बीमा की पहुंच बढ़ेगी। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। डेलॉयट इंडिया ने कहा कि क्षेत्र में एफडीआई की सीमा बढ़ाने के फैसले की लंबे समय से प्रतीक्षा थी। इससे देश की आबादी को पर्याप्त बीमा कवर उपलब्ध कराने के लिए पूंजी प्रवाह की जरूरत पूरी हो सकेगी। इससे उपभोक्ताओं के लिए भी मूल्य बढ़ेगा। उन्हें कम लागत पर अधिक बीमा विकल्प उपलब्ध होंगे। साथ ही इससे मौजूदा निवेशकों को बाहर निकलने के लिए आकर्षक मूल्यांकन मिल सकेगा। साथ ही नए निवेशकों के प्रवेश को भी प्रोत्साहन मिलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में बीमा अधिनियम कानून 1938 में संशोधन कर बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा को 49 से बढ़ाकर 74 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया है। उदार एफडीआई नीति से अधिक विदेशी पूंजी आकर्षित करने में मदद मिलेगी। इससे देश में बीमा की पहुंच बढ़ेगी।

तपोवन पनबिजली परियोजना को नुकसान : एनटीपीसी

नई दिल्ली। सरकारी बिजली कंपनी एनटीपीसी ने रविवार को कहा कि उत्तराखंड में तपोवन के पास हिमस्खलन ने उसकी निर्माणाधीन पनबिजली परियोजना को नुकसान पहुंचाया है। उत्तराखंड के चमोली जिले के जोशीमठ में एक ग्लेशियर टूट गया, जिससे धौली गंगा नदी में बाढ़ आ गयी और इसके किनारे रहने वाले लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। ऐसा कहा जा रहा है कि इससे बड़े पैमाने पर नुकसान की आशंका है। एनटीपीसी ने ट्वीट किया, उत्तराखंड में तपोवन के पास एक हिमस्खलन ने क्षेत्र में हमारी निर्माणाधीन पनबिजली परियोजना के एक हिस्से को नुकसान पहुंचाया है। बचाव अभियान जारी है, जिला प्रशासन और पुलिस की मदद से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। तपोवन विष्णुगढ़ बिजली संयंत्र 520 मेगावॉट की एक नदी परियोजना है, जो उत्तराखंड के चमोली जिले में धौलीगंगा नदी पर बनायी जा रही है।

रेल मंत्रालय ने जीईएम पोर्टल से सबसे अधिक खरीदारी की

नई दिल्ली। रक्षा और रेल मंत्रालय तथा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों सीपीएसई ने सार्वजनिक खरीद पोर्टल जीईएम से सबसे अधिक खरीदारी की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकार के ई-र्केटप्लेस जीईएम पोर्टल की शुरुआत अगस्त, 2016 में हुई थी। यह पोर्टल सभी केंद्रीय मंत्रालयों, राज्यों और विभागों को वस्तुओं व सेवाओं की ऑनलाइन खरीद की सुविधा देने के लिए शुरू किया गया था। जीईएम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी तल्लीन कुमार ने कहा कि इन बड़े खरीदारों की खरीद की विविध जरूरतों को पूरा करने के लिए सॉफ्टवेयर की कई कार्य प्रणालियां पेश की जा रही हैं।

पेट्रोल-डीजल के दाम तीसरे दिन भी स्थिर

नयी दिल्ली । पेट्रोल और डीजल के दाम सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी स्थिर रहे। देश में पेट्रोल की कीमतें इस समय रिकॉर्ड स्तर पर हैं। दिल्ली को छोड़कर अन्य शहरों में डीजल के दाम भी ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर हैं। घरेलू बाजार में सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत में पिछले दिवस की तुलना में कोई बदलाव नहीं हुआ और वह 86.95 रुपये प्रति लीटर पर रही। मुंबई में पेट्रोल 93.49 रुपये रहा जबकि कोलकाता में इसकी कीमत 88.30 रुपये प्रति लीटर रही। चेन्नई में एक लीटर पेट्रोल 89.39 रुपये का बिका।

सेंसेक्स और निफ्टी बना रहा रिकॉर्ड

मुंबई । आम बजट में इंफ्रास्ट्रकचर में निवेश और नीतिगत सुधारों पर जोर दिए जाने के साथ ही रिजर्व बैंक द्वारा प्रमुख नीतिगत दरों को निचले स्तर पर बनाए रखने के बल पर बैंकिंग, धातु , ऑटो आदि समूहों में हुई भारी लिवाली के बल पर घरेलू शेयर बाजार सोमवार को नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने में सफल रहा। सत्र के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 51523.38 अंक के सर्वकालिक उच्चतम स्तर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 15,159.90 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। सत्र के अंत में सेंसेक्स 617.14 अंक उछलकर 51,348.77 अंक पर और एनएसई का निफ्टी 191.55 अंक बढ़कर 15,115.80 अंक पर रहा। इस दौरान छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली का जोर बना रहा जिससे बीएसई का मिडकैप 1.50 प्रतिशत बढ़कर 19705.30 अंक पर और स्मॉलकैप 1.53 प्रतिशत बढ़कर 19388.71 अंक पर बंद हुआ।

एलईडी लाइट होने जा रही महंगी

सरकार के फैसले से 10 फीसदी तक बढ़ने वाले हैं दाम

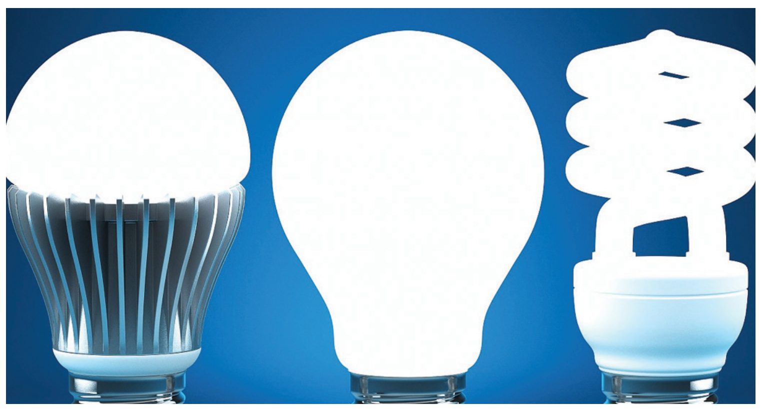

नई दिल्ली । घर को रोशन करना महंगा होने वाला है। कुछ कलपुर्जों पर सीमा शुल्क में वृद्धि किये जाने से बल्ब सहित एलईडी लाइट उत्पादों की कीमतें 5-10 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। घरेलू मैन्युफैक्चरर्स ने इसकी जानकारी दी है। हालांकि उन्होंने कहा है कि वे सरकार से इस मुद्दे के तत्काल हल की मांग कर रहे हैं। इलेक्ट्रिक लैंप एंड कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन एल्कोमा के अध्यक्ष सुमित जोशी ने कहा, सरकार के एलईडी लाइट उत्पादों की मैन्युफेक्चरिंग के लिये इनपुट और कल-पुर्जों पर शुल्क बढ़ाने के फैसले से स्थानीय रूप से निर्मित प्रकाश उत्पादों के लिये शॉर्ट टर्म में मूल्य वृद्धि होगी। ऐसा इसलिये है क्योंकि अभी भारत में लोकल कंपोनेंट्स की कमी के कारण लगभग सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का आयात किया जाता है। एल्कोमा ने कहा कि एलईडी लाइट बनाने में इस्तेमाल होने वाले ड्राइवर व एमसीपीसीबी सहित कंपोनेंट्स के आयात पर सीमा शुल्क में 5 से 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद स्थानीय रूप से निर्मित सामानों की कीमतें बढ़ जाएंगी। जोशी सिग्नेचर इनोवेशंस इंडिया जिसे पहले फिलिप्स लाइटिंग इंडिया के नाम से जाना जाता था, के उपाध्यक्ष व प्रबंध निदेशक भी हैं। हैवेल्स इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं एसबीयू प्रमुख पराग भटनागर का कहना है कि सरकार के इस निर्णय ने उद्योग को चकित किया है। यह गलत दिशा में उठाया गया कदम है क्योंकि शुल्क में वृद्धि से घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को कोई मदद और प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है।

बजट से भुगतान मुद्दों को सुलझाने में मदद मिलेगी

उपकरण विनिर्माताओं को मिलेगी राहत: आइमा

नई दिल्ली। घरेलू इलेक्ट्रिकल उपकरण विनिर्माताओं को उम्मीद है कि बजट प्रस्तावों से बिजली वितरण कंपनियों के साथ उनके भुगतान संबंधी मुद्दों को हल करने में मदद मिलेगी। बजट प्रस्तावों में बिजली वितरण कंपनियों डिस्कॉम के पुनरुद्धार की योजना भी है। इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन आईईईएमए, आइमा के अध्यक्ष अनिल साहू ने कहा, बजट में बिजली क्षेत्र के लिए की गई घोषणाओं के कई और सकारात्मक नतीजे मिलेंगे। साहू ने कहा, हम बजट में बिजली क्षेत्र के लिए की गई घोषणाओं का स्वागत करते हैं। इससे हमारे उद्योग के कई मुद्दों को हल करने में मदद मिलेगी। इसमें भुगतान चक्र का दबाव भी है। डिस्कॉम पर हमारे उद्योग का करीब 35000 करोड़ रुपए का बकाया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2021-22 का बजट पेश करते हुए कहा कि वितरण कंपनियों की व्यवहार्यता गंभीर चिंता का विषय है। बजट में वित्त मंत्री ने डिस्कॉम के पुनरुद्धार के लिए पांच साल में 3.05 लाख करोड़ रुपए की योजना का प्रस्ताव किया है। इस योजना के तहत बिजली वितरण कंपनियों को प्री-पेड स्मार्ट मीटरिंग सहित बुनियादी ढांचे के सृजन के लिए सहायता दी जाएगी। साहू ने कहा कि इस योजना से डिस्कॉम की वित्तीय सेहत सुधरेगी और अंततः इससे इलेक्ट्रिकल उपकरण विनिर्माताओं को उनके भुगतान चक्र में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा इस योजना से उद्योग पर कई और सकारात्मक प्रभाव दिखाई देंगे। इससे प्री-पेड स्मार्ट मीटरों की स्थापना तथा फीडर से अलग करने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे बिजली प्रणाली का उन्नयन हो सकेगा। कुल मिलाकर इससे घरेलू स्तर पर विनिर्मित इलेक्ट्रिक उपकरणों की मांग बढ़ेगी।

रिलायंस ने केडी-डी6 की दो तिहाई नई गैस खुद खरीदी

अन्य खरीदारों में गेल और शेल शामिल

नई दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज ने नए नियमों के तहत नीलामी के लिए पेश केजी-डी6 ब्लॉक की अपनी नयी गैस में से दो-तिहाई की खरीद खुद ही की है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इसमें से करीब 67 प्रतिशत गैस खरीदी है।

शेष गैस सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल, रॉयल डच शेल और अन्य ने खरीदी है। रिलायंस और उसकी भागीदारी ब्रिटेन की बीपी पीएलसी ने केजी-डी6 ब्लॉक के आर-श्रृंखला क्षेत्र से 75 लाख मानक घनमीटर प्रतिदिन 7.5 लाख एमएमएससीएमडी की बढ़ी गैस का नीलामी की। इसे देश में पहली बार गैस मार्कर से बेंचमार्क किया गया है। यह नीलामी सरकार द्वारा अधिसूचित उदारीकृत मूल्य खोज नियमों के तहत की गई। इन नियमों के तहत गैस उत्पादन से संबद्ध इकाइयां भी प्राकृतिक गैस की खरीद के लिए बोली लगा सकती हैं। सूत्रों ने बताया कि रिलायंस इंडस्ट्रीज की इकाई रिलायंस ओ2सी ने साढ़े सात घंटे तक चली नीलामी में 48 लाख घनमीटर गैस की खरीद की। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल इंडिया ने 8.5 लाख घनमीटर और शेल ने 7 लाख घनमीटर गैस की खरीद की। वहीं अडाणी टोटल गैस ने एक लाख घनमीटर, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ने दो लाख घनमीटर और टॉरेस्ट गैस ने 20000 घनमीटर गैस की खरीद की। रिलायंस ओ2सी नयी इकाई है, जिसके तहत कंपनी की रिफाइनरी और पेट्रोरसायन परिसंपत्तियां आती हैं।

पीएनबी को भूषण पावर से 3800 करोड़ मिलने की उम्मीद

डीएचएफएल से मिल सकती है ठीक-ठाक राशि

नई दिल्ली । पंजाब नेशनल बैंक पीएनबी को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण एनसीएलटी में ऋण समाधान के तहत भूषण पावर एंड स्टील से 3800 करोड़ रुपए की वसूली की उम्मीद है।

इसी तरह पीएनबी डीएचएफएल के समाधान से भी ठीक-ठाक राशि मिलने की उम्मीद कर रही है। बैंक के एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी एसएस मल्लिकार्जुन राव ने कहा कि इससे बैंक को चालू वित्त वर्ष में 8000 करोड़ रुपए की नकद वसूली का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। राव ने कहा कि बैंक चालू वित्त वर्ष के अंत तक सकल गैर निष्पादित आस्तियों एनपीए को 14 प्रतिशत से नीचे और शुद्ध एनपीए को 5 प्रतिशत से कम रखने पर के लक्ष्य पर टिका हआ है। जनवरी के बाद दिसंबर में संग्रह की दक्षता में सुधार हुआ है।

उन्होंने कहा कि पूरे बैंकिंग उद्योग में अक्टूबर और नवंबर में संग्रह बेहतर रहा था। हालांकि, एनपीए के वर्गीकरण पर उच्चतम न्यायालय से स्पष्ट निर्देश नहीं मिल पाने के चलते दिसंबर में समस्याएं आयीं। राव ने कहा, एनपीए की पहचान को लेकर अस्पष्टता आयी। हालांकि, हमारे बैंक सहित बैंकिंग उद्योग में जनवरी के महीने में संग्रह में फिर से सुधार हुआ है।

इन कारकों को ध्यान में रखते हुए हम बहुत आश्वस्त हैं कि आगे एनपीए में कोई वृद्धि नहीं होगी। राव ने दिसंबर तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद एक कांफ्रेंस कॉल में कहा, प्रो-फॉर्मा एनपीए को हमने पहले ही चिन्हित कर लिया है। हमने पूरी तरह से पहचान कर ली है और पूरी तरह से प्रावधान भी कर दिया है।

अतः चौथी तिमाही के परिणाम पर इनका कोई असर नहीं होगा। इसके विपरीत मैं 31 दिसंबर 2020 में घोषित प्रोफॉर्मा एनपीए में कमी की उम्मीद कर रहा हूं। बैंक को इस वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में एकल आधार पर 506 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है। बैक को एक साल पहले की समान अवधि में 492.28 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। इस दौरान पीएनबी का सकल एनपीए साल भर पहले के 16.30 प्रतिशत से कम होकर 12.99 प्रतिशत पर आ गया। शुद्ध एनपीए भी 7.18 प्रतिशत से कम होकर 4.03 प्रतिशत पर आ गया।

अंतिम दिन भारत और इंग्लैंड के बीच होगा महासंग्राम

भारत को जीत के लिए 381 रन की जरूरत वहीं इंग्लैंड को नौ विकेट की

चेन्नई। ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 61 रन पर छह विकेट लेकर इंग्लैंड को पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन सोमवार को दूसरी पारी में 178 रन पर समेट दिया जिससे भारत को यह मुकाबला जीतने के लिए 420 रन का मुश्किल लक्ष्य मिला है। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टंप्स तक एक विकेट खोकर 39 रन बना लिए हैं और उसे जीतने के लिए मैच के आखिरी दिन 90 ओवर में 381 रन बनाने हैं।

इंग्लैंड ने पहली पारी में 578 रन का विशाल स्कोर बनाया जबकि भारत ने चौथे दिन छह विकेट पर 257 रन से आगे खेलना शुरू किया और उसकी पहली पारी 337 रन पर समाप्त हुई। इंग्लैंड को पहली पारी में 241 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल हुई। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 178 रन बनाये और उसने भारत के सामने 420 रन का मुश्किल लक्ष्य रख दिया।भारत ने पहले दिन के खेल की समाप्ति तक 13 ओवर में एक विकेट खोकर 39 रन बना लिए। रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने तेज शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 25 रन जोड़े। गिल के पहले तीन स्कोरिंग शॉट चौके थे। उन्होंने अपने तीनों चौके लेफ्ट आर्म स्पिनर जैक लीच पर मारे। रोहित ने पांचवें ओवर में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर पर चौका और छक्का लगाया लेकिन अगले ओवर में वह लीच की बेहतरीन गेंद पर बोल्ड हो गए। रोहित फॉरवर्ड डिफेंस के लिए गए लेकिन गेंद ने टर्न लिया और उनके बल्ले के पास से निकलते हुए ऑफ स्टंप से जा टकराई। रोहित ने 20 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से 12 रन बनाए। पहला विकेट गिरने के बाद गिल और चेतेश्वर पुजारा ने दिन का शेष खेल सुरक्षित निकाल लिया। स्टंप्स के समय गिल 35 गेंदों पर तीन चौकों के सहारे 15 रन और पुजारा 23 गेंदों में एक चौके की मदद से 12 रन बनाकर क्रीज पर हैं। इससे पहले अश्विन ने इंग्लैंड की दूसरी पारी में गेंदबाजी करने की शुरुआत की और टर्न तथा उछाल लेती पिच का फायदा उठाते हुए 17.3 ओवर में 61 रन पर छह विकेट लेकर इंग्लैंड को 46.3 ओवर में 178 रन पर समेट दिया। इससे पहले भारत ने सुबह छह विकेट पर 257 रन से आगे खेलना शुरू किया। वाशिंगटन सुंदर ने 33 रन और रविचंद्रन अश्विन ने आठ रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। भारत की पहली पारी 95.5 ओवर में 337 रन पर जाकर समाप्त हुई। सुंदर 138 गेंदों पर 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से 85 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके पास कोई जोड़ीदार नहीं बचा कि वह अपना शतक पूरा कर पाते। अश्विन ने 91 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के के सहारे 31 रन बनाए। भारत के पुछल्ले बल्लेबाज ज्यादा योगदान नहीं दे पाए और जल्दी-जल्दी आउट हो गए। शाहबाज नदीम और जसप्रीत बुमराह का खाता नहीं खुला जबकि इशांत शर्मा ने चार रन बनाये। सुंदर और अश्विन ने सातवें विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी की। भारत ने आखिरी चार विकेट 32 रन जोड़कर गंवाए। इंग्लैंड की तरफ से ऑफ स्पिनर बेस ने 76 रन पर चार विकेट लिए जबकि एंडरसन, आर्चर और जैक लीच ने दो-दो विकेट लिए।

अश्विन ने छह विकेट झटके, 28वीं बार पारी में पांच विकेट लिए

अश्विन ने इस तरह 28वीं बार पारी में पांच विकेट लिए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ चौथी बार पारी में पांच विकेट और चेन्नई में तीसरी बार पारी में पांच विकेट लिए। अश्विन ने इस तरह मैच में नौ विकेट पूरे किए। उन्होंने पहली पारी में तीन विकेट लिए थे। अश्विन ने दूसरी पारी में गेंदबाजी की शुरुआत की और पहली ही गेंद पर बर्न्स को अजिंक्या रहाणे के हाथों कैच करा दिया। अश्विन ने फिर सिब्ले, स्टोक्स, बेस, जोफ्रा आर्चर और जेम्स एंडरसन के विकेट लिए। नदीम ने पोप और बटलर को आउट किया जबकि इशांत ने लॉरेंस और बुमराह ने कप्तान रुट का बेशकीमती विकेट लिया। बुमराह ने रुट को पगबाधा किया। लेफ्ट आर्म स्पिनर शाहबाज नदीम ने 15 ओवर में 66 रन पर दो विकेट, तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने सात ओवर में 24 रन पर एक विकेट और जसप्रीत बुमराह ने छह ओवर में 26 रन पर एक विकेट लिया।

इंग्लैंड के लिए दूसरी पारी में कप्तान जो रूट ने बनाए सर्वाधिक 40 रन

इंग्लैंड की दूसरी पारी में कप्तान जो रूट ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। रूट ने 32 गेंदों की पारी में सात चौके लगाए। रुट ने पहली पारी में 218 रन की शानदार पारी खेली थी। रूट का यह 100वां टेस्ट है और इस मैच में उन्होंने कुल 258 रन बनाए। ओली पोप ने 28, डोमिनिक बेस ने 25, जोस बटलर ने 24, डोमिनिक सिब्ले ने 16 और डेनियल लॉरेंस ने 18 रन का योगदान दिया। ओपनर रोरी बर्न्स का खाता नहीं खुला जबकि बेन स्टोक्स ने सात रन बनाए। इंग्लैंड के आखिरी चार विकेट मात्र 13 रन जोड़कर गिरे और उसकी दूसरी पारी आखिरी सत्र में 178 रन पर सिमट गयी। जैक लीच आठ रन पर नाबाद रहे।

300 टेस्ट विकेट लेने वाले छठे भारतीय गेंदबाज बने इशांत

तेज गेंदबाज इशांत शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन सोमवार को बल्लेबाज डेनियल लॉरेंस का विकेट लेने के साथ ही 300 टेस्ट विकेट लेने वाले छठे भारतीय गेंदबाज बन गए। वह भारत की तरफ से यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे तेज गेंदबाज भी बने। इशांत ने अपने 98वें टेस्ट में 300वां शिकार किया जबकि कपिल ने अपने करियर में 131 और जहीर ने 92 टेस्ट खेले हैं। भारतीय गेंदबाजों में सबसे अधिक विकेट महान स्पिनर अनिल कुंबले (132 मैच में 619 विकेट) ने लिये हैं। इशांत ने अपने 98वें टेस्ट मैच में पहली पारी में दो विकेट लेकर अपने विकेटों की संख्या 299 पहुंचा दी थी। उन्होंने दूसरी पारी में एक विकेट लेते ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। इशांत अब 300 विकेट लेने वाले भारत के दिग्गज गेंदबाजों अनिल कुंबले (619), कपिल देव (434), हरभजन सिंह (417), रविचंद्रन अश्विन (382) और जहीर खान (311) की श्रेणी में शामिल हो गए। इशांत का टेस्ट में सबसे बेहतर प्रदर्शन 74 रन देकर 7 विकेट है। वह टेस्ट में 11 बार पांच और एक बार दस विकेट ले चुके हैं। दिल्ली के इस तेज गेंदबाज के इस मुकाम पर पहुंचने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें बधाई दी। बीसीसीआई ने ट्वीट किया, इशांत शर्मा को बधाइयां, वह टेस्ट में 300 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज बने। उन्होंने डैन लॉरेंस को पगबाधा कर इंग्लैंड को तीसरा झटका दिया।

ऋषभ पंत को मिला आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

महिलाओं में दक्षिण अफ्रीका की शबनिम इस्माइल ने जीता पुरस्कार

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के पहले पुरस्कार के लिए चुना गया। आईसीसी ने पहली बार महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार को शुरू किया है। 23 साल के पंत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में 97 रन की पारी खेली जिससे भारत मैच ड्रॉ कराने में सफल रहा जबकि ब्रिसबेन में उनकी नाबाद 89 रन की पारी की बदौलत भारत ने जीत दर्ज करते हुए एतिहासिक सीरीज जीती।

हिला क्रिकेटरों में साउथ अफ्रीका की शबनिम इस्माइल ने इस मासिक पुरस्कार को अपने नाम किया जिन्होंने इस दौरान तीन एकदिवसीय और दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में सात विकेट लिए थे। उन्होंने इसी टीम के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में पांच विकेट चटकाये थे। इन पुरस्कार के विजेताओं का फैसला हर महीने के दूसरे सोमवार को आईसीसी के डिजिटल चैनलों पर किया जाएगा। आईसीसी के मुताबिक कैलेंडर महीने में मैदान पर प्रदर्शन के आधार पर पुरूष और महिला वर्ग में तीन-तीन खिलाड़ियों को नामांकित किया जाएगा।

इस तरह की पहल युवाओं को खुद को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करती है: पंत

यह पुरस्कार हासिल करने पर खुशी जताते हुए पंत ने कहा, किसी भी खिलाड़ी के लिए टीम की जीत में योगदान देना सबसे बड़ा पुरस्कार होता है, लेकिन इस तरह की पहल युवाओं को खुद को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा, मैं टीम इंडिया के प्रत्येक सदस्य को यह पुरस्कार समर्पित करता हूं जिसने ऑस्ट्रेलिया में हमारी जीत में योगदान दिया। मैं सभी प्रशंसकों को भी धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंने मुझे वोट दिया। पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में खेले जा रहे पहले टेस्ट के तीसरे दिन 91 रन की आक्रामक पारी खेली थी। पंत के इस पुरस्कार के जीतने पर आईसीसी वोटिंग अकादमी के सदस्य और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान रमीज राजा ने कहा, पंत ने यह दोनों पारियां दबाव में और अलग तरह की चुनौतियों का सामना करते हुए खेली। उन्होंने मैच को ड्रॉ करने और जीतने में अपनी कौशल की विविधता दिखाई। इस दौरान उन्होंने कमाल की मानसिकता दिखायी थी।

उत्तराखंड त्रासदी में बचाव कार्य के लिए ऋषभ पंत देंगे एक मैच की फीस

नई दिल्ली। उत्तराखंड के चमोली में हुई ग्लेशियर टूटने की घटना से भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत आहत हुए हैं। अपने गृह राज्य में हुई इस घटना को लेकर पंत ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने अपनी मैच फीस बचाव कार्य में दान करने का फैसला किया है। पंत ने ट्विटर पर लिखा है। उत्तराखंड में लोगों की जान जाने से गहरा दुख पहुंचा है। मैंने अपनी मैच फीस बचाव कार्य में देने का फैसला किया है और मैं अन्य लोगों से भी अपील करूंगा कि लोगों की मदद के लिए आगे आये।